आर.एन.आई. नं. 7387/63
मुद्रण तिथि : 29-30 मई 2022
डाक प्रेषण तिथि : 29 मई - 1 जून 2022
ISSN : 2456-611X

वर्ष : 60 ● अंक : 04
मूल्य : 10/- ● पृष्ठ संख्या : 60
डाक पंजीयन संख्या BIKANER/022/2021-23
Office Posted At R.M.S., Bikaner

राम चमकते भानु समाना

श्री अ.भा. साधुमार्गी जैन संघ का मुखपत्र

श्रमणोपासक समाचार पाक्षिक

जैन धर्म में निहीत विश्व शान्ति

संघ शिखर सदस्य

श्री शान्तिलाल जी सांड
बेंगलुरु

श्री विमल जी सिपाणी
बेंगलुरु

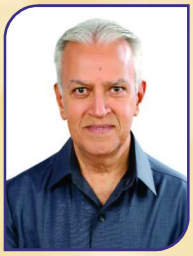
श्री रिद्धकरण जी सिपाणी
बेंगलुरु

श्री जयचन्दलाल जी डागा
बीकानेर

श्री सोमप्रकाश जी नाहटा
सूरत

श्रीमती मंजू जी शाह (बोहरा)
पिपलियाकलां

स्व. श्री मूलचन्द जी डागा
बीकानेर

समता मनीषी
श्री उमरावमल जी बम्ब, टोंक

स्व. श्री विजयचन्द जी डागा
बीकानेर

श्री माणकचन्द जी नाहर
उदयपुर

श्रीमती कुमुद विमल जी सिपानी
बेंगलुरु

श्री दिनेश जी सिपाणी
बेंगलुरु

श्री पंकजराज जी शाह (बोहरा)
पिपलियाकलां

रचनाएँ आमंत्रित

भगवान महावीर के अहिंसा सन्देश को जन-जन के हृदय पटल पर जागृत करने एवं समाजोत्थान के साथ-साथ समाज कल्याण को समर्पित आपकी अपनी श्रमणोपासक पत्रिका का अंक आपके करकमलों में है। आप संघ के मुखपृष्ठ के नियमित पाठक है यह हमारे लिए हर्ष का विषय है। हम आतुर हैं आपके सुझावों को जानने के लिए। कृपया श्रमणोपासक के सम्बन्ध में आप अपने सुझाव हमें नि:संकोच भिजवाएँ ताकि इसे और अधिक जनोपयोगी व रुचिकर बनाया जा सके। आपके सुझाव हमारा मार्गदर्शन करेंगे ऐसा हमारा विश्वास है।

श्रमणोपासक के धार्मिक अंक विभिन्न विषयों पर आधारित होते हैं। इसी प्रकार आगामी **15-16 जुलाई 2022** का धार्मिक अंक **''चातुर्मास : विभिन्न परिप्रेक्ष्य (धार्मिक, सामाजिक, प्राकृतिक एवं सैद्धांतिक) में''** विषय पर प्रकाशित किया जाएगा। रचनाओं की शब्द सीमा अधिकतम 500 शब्द रहेगी। सम्माननीय पाठकगण अपनी रचनाएँ शीघ्रातिशीघ्र भिजवाने का लक्ष्य रखें। प्राप्त मौलिक एवं सारगर्भित रचनाओं को समाहित करने का लक्ष्य रहेगा। विषय सन्दर्भित आपकी रचनाएँ- लेख, कविता, भजन, कहानी आदि मो. **9314055390** एवं ईमेल : **news@sadhumargi.com** पर हिन्दी व अंग्रेजी में सादर आमंत्रित हैं। उल्लेखित विषयों के अलावा भी आपकी सारगर्भित रचनाओं के लिए श्रमणोपासक टीम सदैव आतुर हैं।

-श्रमणोपासक टीम

संघ महाप्रभावक सदस्य

श्रीमती कुसुमजी कोटड़िया
कोण्डागाँव

श्री रतनलालजी साँखला
अजमेर

श्रीमती प्रेमलताजी नंदावत
बैंगलोर

श्रीमती सुन्दरदेवी सुराणा
बैंगलोर/गंगाशहर

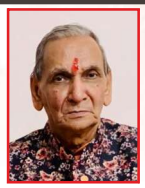
श्री पारसजी छाजेड़
धमधा

श्री पारसजी खेतपालिया
ब्यावर

श्री रिखबचंदजी सोनावत
भीनासर

श्री मनीषकुमारजी कोठारी
बैंगलोर

श्री मेघराजजी पुगलिया
कोलकाता

श्री सुरेशकुमारजी नांदेचा
खाचरोद

श्री राजेशजी कटारिया
बैंगलोर

श्री पारसजी छल्लाणी
सोनाली

स्व. श्री ओमप्रकाशजी भूरा
देशनोक

श्री प्रसन्नजी सुराणा
रायपुर

श्री कान्तिलालजी कटारिया
रतलाम

श्रीमती आशादेवी कटारिया
रतलाम

श्रीमती रतनीदेवी लूणावत
दिल्ली

श्री मोतीलालजी मुणोत
जलगाँव

श्रीमती तारादेवी सुराणा
गंगाशहर

श्री राजमलजी चौरड़िया
जयपुर

श्री ललितकुमारजी लोढ़ा
मदुरान्तकम्

श्री निर्मलकुमारजी भूरा
करीमगंज

श्री राजकुमारजी बच्छावत
नेपाल

श्री केशरीमल जी देशलहरा
दुर्ग

तृतीय चरण

श्री खूबचन्द जी पारख
राजनांदगांव

श्री राजीवजी सूर्या
उज्जैन

श्री विनयजी अब्भाणी
चित्तौड़गढ़

श्री प्रकाशजी कांकरिया
इन्दौर

श्री उत्तमचंदजी रांका
जयपुर

स्व. श्रीमती सरोजदेवी
सुराणा-बेरला

श्री रावतमलजी संचेती
गंगाशहर

श्री पुखराजजी मुकिम
जयपुर

श्री जयचंदलालजी मरोटी
देशनोक/कोलकाता

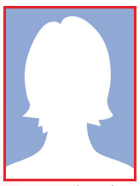
श्रीमती कमलादेवी कोठारी
बैंगलोर

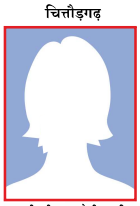
स्व. श्रीमती सुभद्रादेवी पगारिया
सूत

श्री शांतिलालजी डागा
कोलकाता

श्री राजमलजी पंवार
कानवन

कार्यसमिति (10 जनवरी 2016) के अनुसार

तृतीय चरण * श्री केशरीमलजी देशलहरा-दुर्ग * श्री शांतिलालजी बच्छावत-सूरत * श्री अनिलकुमारजी गोलछा-सिलचर * श्री प्रकाशचंदजी कोठारी-अमरावती * श्रीमती कमलादेवी संचेती-देशनोक/दिल्ली * श्री सुन्दरलालजी बोथरा-मुम्बई * श्री गोपालचंदजी खिंवसरा-बैंगलोर * श्री बापूलालजी कोठारी-उदयपुर * श्री विजय कुमार जी टंच-बदनावर

द्वितीय चरण * श्री तेजकुमार तातेड़-इंदौर * श्री पूनमचंद जी भूरा-भीलवाड़ा * श्री बसंतीलाल जी चंडालिया-चित्तौड़गढ़ * श्री बसंत कटारिया-रायपुर * श्रीमती इन्द्राबाई जी धाड़ीवाल-रायपुर * श्री कमल जी बैद-मुम्बई * श्री प्रकाशचंद जी सूर्या-उज्जैन * श्रीमती सुनीता जी मेहता-बेलगाँव * श्री दिलीप जी पगारिया-जावरा * श्री राजकुमार जी बाफना-हरदा * श्री प्रेमचंद जी व्होरा-बदनावर

प्रथम चरण * श्रीमती सूरजादेवी बरड़िया-सिलचर * श्री मनोज कुमार जी संचेती-बेलगाँव * श्री उदयराज जी पारख-रायपुर * श्री झंवरलालजी कुम्मट-सिलचर * श्री सोहनलालजी रांका-ब्यावर * श्रीमती ज्ञानकँवरजी ओस्तवाल-ब्यावर * श्री विजयकुमारजी मुणोत- हैदराबाद * श्री भीखमचंदजी ओस्तवाल-कलंगपुर * श्री अखराजजी ओस्तवाल-भिलाई * श्री मुन्नालालजी पँवार-कानवन * श्री चेतनकुमारजी हिंगड़-ब्यावर * श्री विजयकुमारजी मुणोत-हैदराबाद * श्री अभयकुमारजी भण्डारी-जावरा * श्री दिलीपजी ओस्तवाल-कलंगपुर * श्री कँवरलालजी देशलहरा-गुण्डरदेही * श्री प्रकाशचंदजी श्री श्रीमाल-हैदराबाद

SIPANI
RITZY. POETIC. URBANE

सामाजिक जिम्मेदारी ही हमारी पहचान

सिपानी सेवा सदन, बैंगलोर एक ऐसा निवास स्थान है जहाँ बुजुर्ग एवं असहाय व्यक्तियों को निःशुल्क भोजन, कपडे, चिकित्सा आदि उपलब्ध करवाए जाते हैं।

इस सदन ने छः वर्ष पूर्ण कर लिए हैं एवं 100 से शुरुआत करके वर्तमान में 300 व्यक्तियों को यह सेवा उपलब्ध है। अब हम 100 अतिरिक्त आवासियों को जोडने की व्यवस्था कर रहे हैं।

इस सुविधा में पूर्ण सुसज्जित एंबुलेन्स, डाक्टर व नर्सिंग देखभाल आदि की सुविधा चौबीसों घंटे उप्लब्ध है एवं 40 का स्टाफ इस सेवा में नियुक्त है।

आर के सिपानी फाउंडेशन

439 18वाँ मेइन , 6वाँ ब्लॉक, कोरमंगला, बेंगलूर – 560 095

संपर्क सूत्र : संतोष 9964105057, 9243667700, सिपानी कार्यालय । ई–मेल : sipanigrand@gmail.com

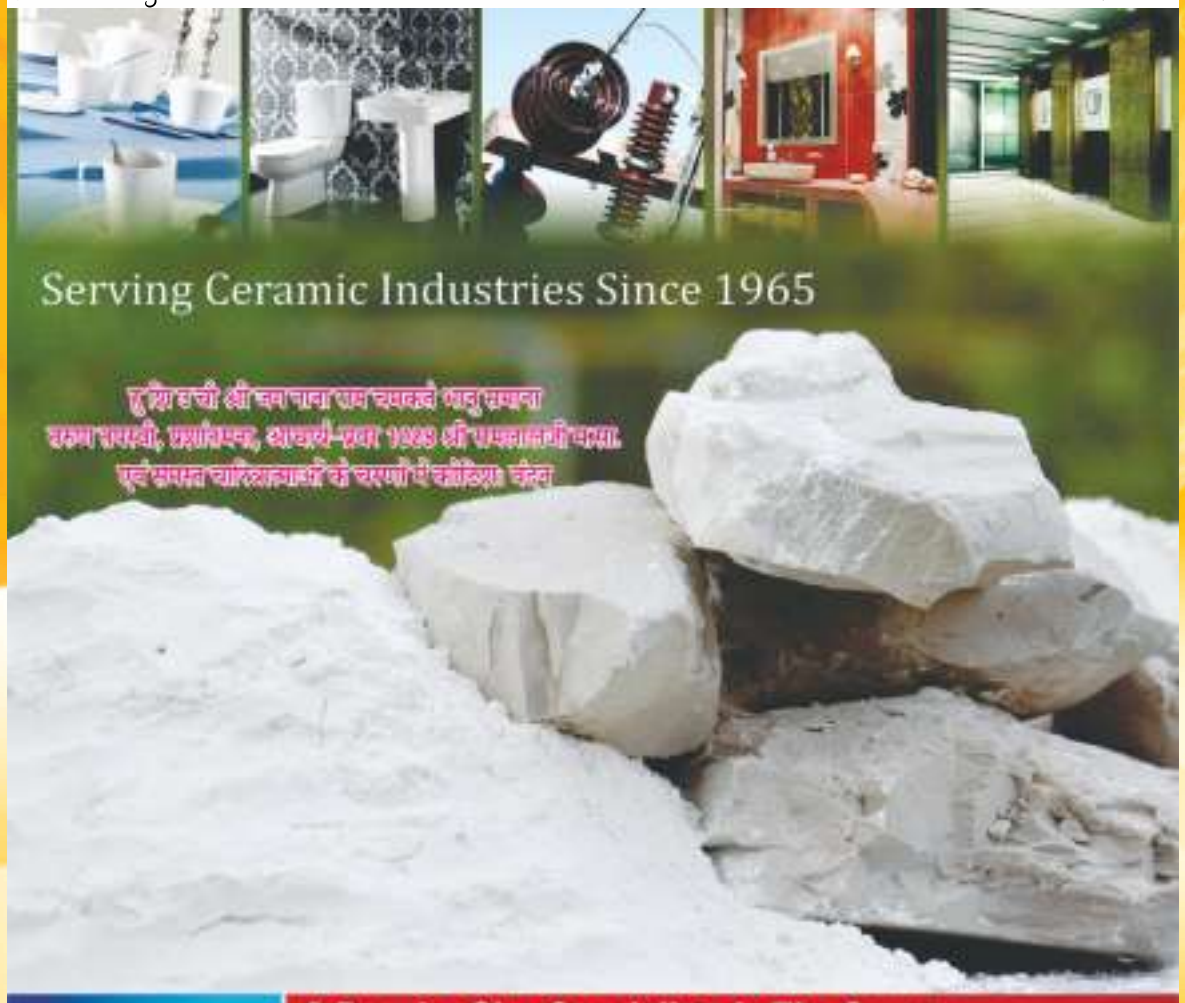

A Premier Clay Specialists in The Country...

- 48 years of experience with efficient processing technology and high-quality deposits of raw materials.
- Extraction, Processing and Refining of industrial minerals, particularly Ball Clay, China Clay, Bentonite, Silica Sand, Quartz, Potassium & Sodium Feldspar.
- In-depth knowledge of the market and understands the need for high-grade raw materials in the ceramic industries.
- Extraction of raw materials to the final delivery of the finished product, all of our procedures are subjected to ongoing quality monitoring.
- Export good quantity of minerals to various countries.
- Import of many others minerals and raw materials for Indian ceramics industries.

JLD MINERALS
Jaichand Lal Daga group

Corporate Office :
1st Floor, Labhuji Ka Katla,
Bikaner-334001, Rajasthan, INDIA

Phone : +91-151-2220380 / 2521624 / 3294234
FAX : +91-151-2522768, Mobile No. 09829217944
Email : wbcclay@yahoo.com

www.jldminerals.com

जन्म
सम्वत् 1987
गंगाशहर

संथारा सहित महाप्रयाण
अप्रैल 6, 2022
चैत्र शुक्ल 5 सम्वत् 2079
करीमगंज

स्व. श्रीमती भीखीदेवी भूरा

श्रीमती भीखीदेवी भूरा का जन्म गंगाशहर निवासी स्व. श्री मूलचंदजी एवं श्रीमती तीजादेवी लुनिया के घर-आँगन में सम्वत् 1987 में हुआ। प्राथमिक शिक्षा के पश्चात् 13 वर्ष की आयु में आपका विवाह देशनोक निवासी श्री कल्याणचंदजी भूरा (सुपुत्र स्व. श्री मदनचंदजी-हीरादेवी भूरा) के साथ बैसाख शुक्ल 3 (अक्षय तृतीया) सम्वत् 2000 को संपन्न हुआ।

आप अत्यंत धर्मनिष्ठ सुश्राविका होने के साथ-साथ आचार्य श्री रामेश सहित पूर्वाचार्यों में अटूट आस्था रखती थी। स्व. भीखीदेवी नित्य पच्चक्खाण के साथ लगभग 15 सामायिक प्रतिदिन करती थी। आपने अनेक तपस्याएँ की, जिनमें 1 मासखमण, 1 से 9 की लड़ी, एकासन का मासखमण, एकान्तर तप एवं अनगिनत उपवास, बेले, तेले की तपस्याएँ शामिल हैं। आपके अनेक वर्षों से रात्रिभोजन एवं जमीकंद का त्याग था।

श्रीमती भीखी देवी एक गौरवशाली परिवार से होने के साथ-साथ आचार्य श्री रामेश की संसारपक्षीय भाभीजी थी। आपकी संसारपक्षीय ज्येष्ठ पुत्री साध्वी श्री सुअर्चाश्रीजी म.सा. एवं संसारपक्षीय दोहित्री साध्वी श्री संस्कारश्रीजी म.सा. आचार्य श्री रामेश शासन को देदीप्यमान कर रहे हैं।

करीमगंज में निज निवास पर दिनांक 6 अप्रैल 2022, चैत्र शुक्ल पंचमी, सम्वत् 2079 को आपका संथारा सहित महाप्रयाण हो गया। आप अपने पीछे भरा-पूरा संस्कारवान परिवार छोड़कर गई हैं।

: श्रद्धावनत् :

जयचंदलाल-सरलादेवी भूरा, निर्मलकुमार-शोभादेवी भूरा, अजयकुमार-कुसुम भूरा (पुत्र-पुत्रवधू), अमरावदेवी-स्व. जेठमलजी तातेड़, सूरजदेवी-स्व. इन्दरचंदजी धारीवाल, इंद्रादेवी-सूरजमलजी पारख (पुत्री-दामाद), विकास-श्वेता भूरा, आकाश-सुरभि भूरा, अनुभव भूरा, निहाल भूरा (पौत्र-पौत्रवधू), रजनी-विशाल केडिया, प्रियंका-मोहित नाहटा, विनीता-लव करन पारख (पौत्री-दामाद), तन्वी भूरा, सावी भूरा (पड़पौत्री), महेंद्र, धरमचंद, पंकज (दोहिते), जतन, ममोल, पुष्पा, विद्या, सुमन, संतोष, संगीता (दोहितियाँ)

श्रमणोपासक
।। जय गुरु नाना।।
।। जय महावीर।।
29-30 मई, 2022
।। जय गुरु राम।।
राम चमकते भानु समाना
पंजीयन संख्या : आर. एन. 7387/63

श्रमणोपासक
समाचार पाक्षिक

Visit us : www.sadhumargi.com

प्रकाशक
श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ

अध्यक्ष एवं प्रधान सम्पादक
गौतम चन्द जैन, मुम्बई

सह-संपादिका
श्रीमती मोनिका जय ओस्तवाल, ब्यावर

बैंक खाता विवरण

Scan & Pay

Shree Akhil Bharatvarshiya Sadhumargi Jain Sangh, Bikaner

Bank	: State Bank of India
A/c No	: 31264126681
IFSC Code	: SBIN0003401
Branch	: G.S. Road, Bikaner
email	: accounts@sadhumargi.com
Mob. No.	: 7073311108

व्हाट्सएप और ई-मेल आईडी

श्रमणोपासक समाचार	: 8955682153	news@sadhumargi.com
श्रमणोपासक	: 9799061990	news@sadhumargi.com
साहित्य	: 8209090748	: publications@sadhumargi.com
महिला समिति	: 7231033008	: ms@sadhumargi.com
समता युवा संघ	: 7073238777	: yuva@sadhumargi.com
धार्मिक परीक्षा	: 7231933008	examboard@sadhumargi.com
कर्म सिद्धान्त	: 7976519363	examboard@sadhumargi.com
परिवारांजलि	: 7231933008	: anjali@sadhumargi.com
विहार	: 8505053113	: vihar@sadhumargi.com
पाठशाला	: 9982990507	: Pathshala@sadhumargi.com
शिविर	: 7231833008	: udaipur@sadhumargi.com
ग्लोबल कार्ड अपडेशन	: 6265311663	: globalcard@sadhumargi.com

सुविचार

ज्ञान

ज्ञान की आराधना से,
अज्ञान अंधेरा भागे।
एक मात्र ज्ञान ही तो,
जीवन का सार है।।
दया से भी आगे ज्ञान,
ज्ञानी ने बताया सही।
ज्ञान बिना जीवन में,
क्रिया तार-तार है।।
ज्ञान को बताया अर्क,
ज्ञान है सोयम अक्ष।
सुधा रसायन यह,
ऐश्वर्य अपार है।।
वीर कहे गौतम से,
ज्ञान का प्रकाश कर।
भव जल तरने में,
ज्ञान का आधार है।।

साभार- वीर कहे गौतम से

सूचना– किसी भी कार्य के लिए संबंधित विभाग से ही सम्पर्क करें। इससे आपका कार्य सुगम और त्वरित गति से हो सकेगा।

कार्यालय समय– प्रातः 10.00 से सायं 6.30 बजे तक
लंच– दोपहर 1.00 से 1.45 बजे तक

अनुक्रमणिका

श्रमण संस्कृति का स्वरूप अत्यन्त भव्य है
-परम पूज्य आचार्य प्रवर 1008 श्री नानालालजी म.सा.
पेज नं. 09

गुरुचरण विहार
पेज नं. 10

विविध समाचार
पेज नं. 23

विविध भेंट मार्फत
पेज नं. 28

स्मृति शेष
पेज नं. 33

शोक संदेश
पेज नं. 36

श्री अ.भा.सा. जैन महिला समिति
पेज नं. 37

श्री अ.भा.सा. जैन समता युवा संघ
पेज नं. 43

विहार सूची
पेज नं. 48

धर्म तो रक्षक ही है

धर्म की तुम रक्षा करो तो धर्म तुम्हारी रक्षा करेगा। ऐसा कई बार बोला जाता है। यह कथन संस्कृत श्लोक के अर्थ रूप में लिया हुआ है, जैसा कि- **''धर्मो रक्षति रक्षित:''** अर्थात् रक्षित धर्म रक्षा करता है। किन्तु यदि यह कहें कि तुम धर्म की रक्षा करो तो धर्म तुम्हारी रक्षा करेगा, यह बात जमती नहीं है। इसमें तो पारस्परिक अनुबन्ध जैसा लगता है। वस्तुत: स्थिति वैसी है नहीं। धर्म तो सदा रक्षा ही करता है। वह कभी नहीं कहता कि तुम मेरी रक्षा करो तो मैं तुम्हारी रक्षा करूँगा। इसको समझने के लिए एक उदाहरण देना ज्यादा उचित होगा ताकि वस्तु सत्य स्पष्ट हो सके। एक व्यक्ति अपने पास रिवॉल्वर रखता है। उसे भरोसा है कि रिवॉल्वर से मेरी रक्षा हो पाएगी। पर सोचें कि रिवॉल्वर में यदि गोलियाँ ही नहीं तो रिवॉल्वर रखने वाले का भरोसा क्या काम आएगा? रिवॉल्वर तब रक्षक होता है जब उसमें गोलियाँ हों एवं उसे चलाना भी आता हो। वैसे ही धर्म रूपी रिवॉल्वर में श्रद्धा रूपी गोलियाँ होंगी तो ही उससे हमारी रक्षा हो सकती है अन्यथा बिना गोलियों के रिवॉल्वर खाली खिलौना है। वैसे ही धर्म भी खाली खिलौना बना रह जाएगा। वह हमारी रक्षा कर नहीं पाएगा। दूसरी बात, रिवॉल्वर पास में होगा तभी वह रक्षक बन सकता है। यदि उसे कहीं अन्यत्र रख दिया तो वह रक्षा कैसे कर पाएगा? ठीक इसी प्रकार धर्म हमारे पास होगा तभी उससे हमारी रक्षा हो सकती है अथवा यों कहें कि तब ही वह हमारा रक्षक हो सकता है। यदि धर्म हमारे साथ हो ही नहीं तो वह हमारी रक्षा कैसे कर पाएगा? अत: रक्षित धर्म रक्षा करता है। इसका तात्पर्य है वह सदा तुम्हारे साथ रहे, तुम्हारे पास रहे। तुम्हारे पास रहा हुआ धर्म निश्चित ही तुम्हारी रक्षा करने वाला होगा, क्योंकि वह तो रक्षक है। उसका स्वभाव है रक्षा करना, पर वह साथ तो हो। इसलिए धर्म को सदा अपने में बनाए रखो।

मा.कृ. 13, शनिवार, 06.02.2016 **साभार- ब्रह्माक्षर**

प्रधान कार्यालय/ईमेल आईडी

समता भवन, आचार्य श्री नानेश मार्ग,
नोखा रोड, गंगाशहर, बीकानेर-334401 (राज.)
फोन : 0151-2270261, मो. : 9509081192
helpdesk@sadhumargi.com

संघ सदस्यता

साधारण सदस्यता	500/-
आजीवन सदस्यता	5,000/-

श्रमणोपासक सदस्यता

आजीवन (अर्द्ध मूल्य)	
(केवल भारत में)	500/-
(विदेश हेतु)	10,000/-
वार्षिक	
(केवल भारत में)	60/-
(विदेश हेतु)	1,000/-
वाचनालय वार्षिक	
(केवल भारत में)	50/-
प्रस्तुत अंक मूल्य	10/-

साहित्य सदस्यता

15 वर्ष (केवल भारत में) 3,000/-

धर्मदेशना

श्रमण संस्कृति का स्वरूप अत्यन्त भव्य है

-परम पूज्य आचार्य प्रवर 1008 श्री नानालालजी म.सा.

ऋषभदेव प्रभु ने श्रमण संस्कृति का भव्य स्वरूप प्रस्तुत किया, जो मर्यादामय, त्यागमय एवं धर्ममय था। उस समय के वाहन आज के वाहनों की तुलना में हिंसा की दृष्टि से हल्के थे, फिर भी भगवान ऋषभदेव ने उन वाहनों का भी त्याग कर दिया। इससे जनता को सहज ज्ञान हो गया कि जो साधु बनता है वह हाथी, घोड़ा, रथ, पालकी आदि किसी वाहन को काम में नहीं लेता है। साधु अपने पैरों पर ही चलता है। चाहे कितनी ही सर्दी हो या गर्मी हो, वह अपने पैरों पर किसी तरह का आवरण भी नहीं चढ़ाता है।

आगे भगवान ने श्रेयांसकुमार के हाथों से प्रासुक गन्ने का रस ग्रहण किया, तब लोगों को जानकारी हुई कि सन्तों को शरीर के निर्वहन के लिए भोजन की भी आवश्यकता होती है, लेकिन वे दोष रहित आहार ही ग्रहण कर सकते हैं। यद्यपि उनको भूख की तिलमिलाहट नहीं थी किन्तु उन्हें साधु आचार की कई तरह की मर्यादाओं की प्रतिष्ठा करनी थी। प्रत्येक प्रकार से उन्होंने श्रमण संस्कृति के भव्य स्वरूप की प्रतिष्ठा की और वह भव्य स्वरूप क्रमश: तीर्थंकरों से पुष्ट होता हुआ भगवान महावीर के शासन में आज सबके सामने उपस्थित है। प्रश्न है उस भव्य स्वरूप की रक्षा का, क्योंकि अगर किसी भव्य स्वरूप को कोई जानबूझकर विकृत बनाता है तथा कोई उसको विकृत किए जाते हुए अवश होकर देखता रहता है तो दोनों समान रूप से अपराधी कहे जाएँगे।

प्रतिष्ठित, श्रेष्ठ संस्कृति की रक्षा का दायित्व महान होता है और यह श्रमण संस्कृति तो अत्यन्त ही भव्य है। क्या इसको विकृत बनाने के प्रयासों को निश्चेष्ट बनकर सहन किया जाता रहेगा? ध्यान रखिए कि क्या उसकी रक्षा अविवेक से की जा सकेगी? विवेक कैसा और अविवेक कैसा इसका ज्ञान इस रूपक से लीजिए-

प्राचीनकाल में एक गुरुकुल में अध्ययन-अध्यापन होता था। एक बार दो अध्यापक भोजन की तैयारी कर रहे थे तथा दो छात्र भी बैठे हुए थे। अध्यापकों ने दो कटोरियों में दही मँगवाया और उन कटोरियों की रक्षा के लिए दोनों छात्रों को यह निर्देश देकर स्नान करने चले गए कि **''काकेभ्य: दधि रक्षताम्''** अर्थात् दोनों छात्र दही की दोनों कटोरियों की कौओं से रक्षा करें।

दोनों छात्रों ने इस निर्देश का अलग-अलग अर्थ पकड़ा। पहले छात्र ने निर्देश के पहले अंश पर जोर दिया कि दही की कौओं से रक्षा की जाए। दिमाग में ''काकेभ्य:'' शब्द घूमा। उसने कौओं को कटोरी में चोंच भी नहीं डालने दी, लेकिन बिल्ली आकर दही चाटने लगी तो उस छात्र ने उसे नहीं रोका। कारण, गुरुजी ने कौओं से रक्षा करने का निर्देश दिया था। दूसरे छात्र ने उसी निर्देश के पिछले अंश को प्रमुख माना कि ''दधि रक्षताम्'' यानी कि दही की रक्षा की जाए, चाहे कौआ आए, बिल्ली आए या और कोई आए, उस दही की रक्षा की जानी चाहिए। उसने दही की रक्षा की। दोनों अध्यापक वापिस लौटे तो उन्हें मालूम हो गया कि किस छात्र में रक्षा करने का विवेक था। रक्षा तो दोनों करना चाहते थे, लेकिन एक के पास अविवेक था तो वह रक्षा नहीं कर सका तथा दूसरे ने विवेक रखा तो उसने दही की रक्षा की।

श्रमण संस्कृति के सभी अनुयायियों को इस अमूल्य संस्कृति की रक्षा करनी है। अब रक्षा कैसे करनी- विवेक से या अविवेक से? रक्षा की भावना होगी, फिर भी यदि अविवेक रखा तो संस्कृति की रक्षा नहीं कर पाएँगे। रक्षा की भावना भी रखें तथा विवेक भी रखें तभी इस संस्कृति के भव्य स्वरूप की समुचित रूप से रक्षा हो सकेगी। **साभार-नानेशवाणी-32**

युगनिर्माता आचार्य श्री रामेश भीषण गर्मी में निरन्तर कर रहे अध्यात्म की अमृत वर्षा : गाँव-गाँव में श्रद्धा का जनसैलाब उमड़ रहा : सच्चे धर्म का अलख जग रहा

किसी की बुराई न करना, न सुनना -आचार्य श्री रामेश

मन की अनुकूल-प्रतिकूल अवस्था में समभाव रखना तपस्या का लक्ष्य -उपाध्याय प्रवर

आर्सीद, नेगड़िया, रघुनाथपुरा, मरेवड़ा, आमदला, राजाजी का करेड़ा, गाडरी खेड़ा, रायपुर, नांदशा जागीर, कोशीथल, देवरिया जिला भीलवाड़ा।

जिनशासन की शान हैं, गुरु राम उनका नाम है।
वर्तमान के ये वर्द्धमान हैं, हम भक्तों के भगवान हैं।।

जो स्वयं तिन्नाणं और तारियाणं के जहाज हैं, ऐसे युगनिर्माता, रत्नत्रय के महान आराधक, उत्क्रांति प्रदाता, गुणशील सम्प्रेरक, समता सर्व मंगल प्रदाता, आगमज्ञाता, नानेश पट्टधर आराध्यदेव आचार्य प्रवर 1008 श्री रामलालजी म.सा., बहुश्रुत, वाचनाचार्य, उपाध्याय प्रवर श्रद्धेय श्री राजेशमुनिजी म.सा. आदि ठाणा की उत्कृष्ट संयम साधना एवं आगमसम्मत, ओजस्वी, तेजस्वी प्रवचनामृत से जन-जन लाभान्वित हो रहे हैं। देश-विदेश से धर्मप्रेमी जनता का सैलाब उमड़ रहा है। अनेक त्याग-नियम एवं प्रत्याख्यान ग्रहण कर जनता अपना जीवन धन्य बना रही है। भीषण गर्मी में भी गाँव-गाँव, नगर-नगर विहार कर परीषहों को सहन करते हुए त्यागी महापुरुष धर्म का अलख जगा रहे हैं। एक लम्बे अरसे के पश्चात् आराध्यदेव को अपने पूर्वजों की पावन भूमि के बीच पाकर प्रवासी-अप्रवासी श्रद्धालु अपने भाग्य की सराहना कर रहे हैं। दीक्षार्थी परिवार भी अपने कलेजे की कोर को पावन चरणों में समर्पित करने की भावना के साथ उपस्थित हो रहे हैं। मेवाड़ के छोटे-बड़े क्षेत्रों की क्षेत्र स्पर्शने एवं विभिन्न प्रसंग प्रदान करने की विनती लगातार श्रीचरणों में हो रही है। सौभाग्यशाली श्रीसंघ-उदयपुर के प्रतिनिधि मण्डल समय-समय पर सेवा में उपस्थित हो रहे हैं। जयनगर में बहुश्रुत, वाचनाचार्य उपाध्याय प्रवर श्री राजेशमुनिजी म.सा. के पावन सान्निध्य में अक्षय तृतीया का पावन प्रसंग प्रथम बार उपस्थित होने से जयनगर मेवाड़ क्षेत्र हर्षित हुआ। मेवाड़ क्षेत्र में निरन्तर प्रभावी विचरण से जिनशासन की अद्भुत प्रभावना हो रही है।

01 मई 2022, आर्सीद (भीलवाड़ा)। विश्ववंदनीय आचार्य भगवन् का पुरानी पारसोली से आर्सीद में जय-जयकारों के साथ मंगल प्रवेश हुआ। सभी वर्ग-सम्प्रदाय के धर्मप्रेमी भाई-बहिन अगवानी में उपस्थित हुए।

जैन स्थानक में धर्मसभा को सम्बोधित करते हुए परमप्रतापी आचार्य भगवन् ने अपनी दिव्य देशना में फरमाया कि ''*दुर्लभ मनुष्य जन्म व जिनशासन मिलने के बाद भी अगर हम राग-द्वेष, कषाय, विषय में भटकते रहेंगे तो फिर हमारा कहीं उद्धार होने वाला नहीं है। हमें अपनी बुराई नहीं दिखती है। हमें*

दूसरों की बुराई दिखती है, जबकि हमें दूसरों की बुराई नहीं अच्छाई देखनी है। आज मान-सम्मान की भावना की होड़ मची हुई है, जिसके कारण सेवा भावना लुप्त होती जा रही है और समाज में झगड़े बढ़ते जा रहे हैं। पैसे वाला अपना वर्चस्व कायम रखने के लिए अपनी मनमानी कर रहा है। ''एक मुखिया सब सुखिया, सौ मुखिया सब दुखिया।'' कई बार ज्यादा ज्ञान होने से अहंकार पैदा हो जाता है।'' आचार्य भगवन् ने ''आज किसी की बुराई नहीं देखने का नियम'' सभा में उपस्थित सभी लोगों को दिलाया।

श्री मयंकमुनिजी म.सा. ने ''**महावीर भगवान देना सद्ज्ञानजी, मैं तो हूँ नादान प्रभु तेरी ही संतान जी**'' गीतिका प्रस्तुत करते हुए दशवैकालिक सूत्र के कुछ अध्ययनों की सुन्दर व्याख्या प्रस्तुत की।

शासन दीपिका साध्वी श्री सुप्रतिभाश्रीजी म.सा. एवं महिला मण्डल ने गुरुभक्ति गीत प्रस्तुत किया। मंत्री देवीलालजी पिपाड़ा व महेश नाहटा ने आचार्यश्री के आगमन को महान पुण्यवानी का उदय निरूपित करते हुए त्यागी-महापुरुषों के जीवन से प्रेरणा लेने का निवेदन किया। 12 एकासन, 12 आयंबिल, 12 उपवास, 12 पौरसी करने, माह में 4 दिन मोबाइल का त्याग, वर्ष में 100 दिन बड़े स्नान का त्याग एवं धर्मस्थानक में प्रतिदिन एक बार आने का नियम अनेक भाई-बहिनों ने लिया। दोपहर में महापुरुषों के सान्निध्य में ज्ञानचर्चा, प्रश्नोत्तरी आदि कार्यक्रम हुए।

02 मई, आसींद। प्रात:कालीन मंगलमय प्रार्थना श्री लाघवमुनिजी म.सा. ने करवाई। विशाल धर्मसभा में जिनवाणी की गंगा बहाते हुए शास्त्रज्ञ आचार्य भगवन् ने अपनी पियूषवर्षिणी वाणी में फरमाया कि ''*किसी भी जीव की विराधना हम से न हो ऐसा हमारा प्रयास होना चाहिए। मन, वचन, काया से हमें यह ज्ञान होना चाहिए कि जीव और अजीव क्या हैं? जो इनकी पहचान नहीं करता वह धर्म की पहचान क्या कर पाएगा? जीव में संवेदन शक्ति होती है। धर्म हमारे भीतर सहनशक्ति, दृढ़ता, धैर्यता पैदा करता है। अधीर व्यक्ति धर्माराधना नहीं कर सकता। भगवान महावीर के कानों में कीलें ठोंकी गईं, किन्तु वे अविचल बने रहे। हमारा हर कार्य यतनापूर्वक होना चाहिए। यतना धर्म की जननी है।*''

महिला मण्डल ने ''**जिनशासन के वीरों को वंदन है, अभिनंदन है**'' गुरुभक्ति गीत प्रस्तुत किया।

श्री मयंकमुनिजी म.सा. ने फरमाया कि भगवान की वाणी भव्य जीवों को तिराने वाली होती है। हमें मिले हुए समय को व्यर्थ नहीं गंवाना। सभी जीव जीना चाहते हैं, मरना कोई नहीं चाहता। हमें किसी भी प्राणी का घात करने का अधिकार किसने दिया? कम से कम अनर्थ हिंसा से तो हम बचें। विभिन्न त्याग-प्रत्याख्यान हुए। दोपहर में ज्ञानचर्चा, प्रश्नोत्तरी आदि कार्यक्रम हुए। बाहर के दर्शनार्थियों का आवागमन जारी रहा।

03 मई, नेगड़िया (भीलवाड़ा)। जन-जन की आस्था के केन्द्र आचार्यदेव आदि संतवृन्द का जय-जयकारों के साथ नेगड़िया में मंगल पदार्पण हुआ।

धर्मसभा को सम्बोधित करते हुए आगमज्ञाता आचार्य श्री रामेश ने फरमाया कि ''*आज वर्षीतप के पावन प्रसंग पर वर्षीतप करने वाली आत्माओं से प्रेरणा लें कि कैसे तप-साधना की ओर अग्रसर हों। एक बुराई सौ अच्छाई को ढकने वाली होती है। एक अच्छाई सौ बुराई का नाश करने वाली होती है। हमें ये आँखें मिली हैं अच्छाई देखने के लिए। हमें ये कान मिले हैं अच्छा सुनने के लिए। आज के इस शुभ अवसर पर हम अपने जीवन में दो सूत्र धारण करें- पहला सूत्र, किसी की बुराई नहीं करनी। दूसरा सूत्र, सुपात्रदान बहराना। सन्तों को शुद्ध आहार बहराने का हमारा लक्ष्य रहे।*

हमें किसी की न बुराई सुननी है, न करनी है और न ही देखनी है।'' आज से एक सप्ताह तक किसी की बुराई नहीं करने, नहीं देखने एवं नहीं सुनने का नियम कई भाई-बहिनों ने लिया।

श्री आदर्शमुनिजी म.सा. ने अपने उद्बोधन में फरमाया कि आज वर्षीतप के पारणों के प्रसंग पर आप सभी उपस्थित हुए हैं। वर्षीतप करने वाली आत्माएँ धन्य हैं। हमें इन आत्माओं से प्रेरणा लेनी चाहिए। वास्तव में साधना क्या होती है यह आपको देखनी है तो आचार्य श्री रामलालजी म.सा. को देखो, इनकी साधना को देखो।

राष्ट्रीय अध्यक्षजी ने अपने उद्बोधन में कहा कि आचार्य भगवन् से हमने जयनगर में अक्षय तृतीया तक विराजने की बहुत विनती की, किन्तु आपश्रीजी ने हमें श्रद्धेय उपाध्याय प्रवर एवं श्रद्धेय श्री विनयमुनिजी म.सा. का सान्निध्य प्रदान किया। जयनगर संघ हमेशा आपका आभारी रहेगा। इन तपस्वी आत्माओं के कारण आज हम सबको आपश्रीजी के दर्शनों का लाभ प्राप्त हुआ है। धन्य हैं ये वर्षीतप करने वाली आत्माएँ, जो एक दिन छोड़कर एक दिन उपवास कर अपने जीवन को साधना के पथ पर अग्रसर कर रही हैं। हमें भी इनसे प्रेरणा लेनी चाहिए। अशोकजी जैन व नेगड़िया के ग्रामीणों ने अच्छी सेवा-भक्ति का परिचय दिया। विभिन्न त्याग-प्रत्याख्यान हुए।

बहुश्रुत, वाचनाचार्य उपाध्याय प्रवर श्रद्धेय श्री राजेशमुनिजी म.सा. एवं श्री विनयमुनिजी म.सा. आदि के पावन सान्निध्य में अक्षय तृतीया महोत्सव धर्मनगरी जयनगर में अत्यन्त उल्लासमय वातावरण में सम्पन्न हुआ। श्री साधुमार्गी जैन संघ-जयनगर के सुश्रावकों, राष्ट्रीय अध्यक्षजी एवं पूर्व राष्ट्रीय महामंत्रीजी आदि की सेवाएँ सराहनीय रही। मेवाड़ एवं मालवा संघ व समता युवा संघ का उल्लेखनीय सहयोग रहा।

04 मई, रघुनाथपुरा (भीलवाड़ा)। विश्ववंदनीय परमप्रतापी आचार्य भगवन् का रघुनाथपुरा में जय-जयकारों के साथ मंगलमय पदार्पण हुआ। जैन स्थानक भवन में धर्म परिषद् को सम्बोधित करते हुए आचार्य भगवन् ने अपनी दिव्य देशना में फरमाया कि ''*हमें अक्षय सुख, विनाशी सुख एवं विनाशशील सुख की पहचान करनी है। जिस सुख के बाद और सुख की मांग रही हो वह विनाशी सुख है, क्योंकि वह तृप्ति नहीं दे रहा है और जिस सुख के बाद कोई आकांक्षा, चाह, अभिलाषा नहीं रहे, कुछ प्राप्त करने की चाह नहीं रहे, वह सुख अक्षय सुख है। अभी हमें तृप्ति हुई नहीं है। इन्द्रियाँ जिसमें सन्तुष्ट होती हैं वह साश सुख विनाश को प्राप्त करने वाला है। हमारी दिनचर्या एवं मन को को सही करने का प्रयास करें। हमाश मन व्यवस्थित होगा तो कोई भी काम भारी नहीं लगेगा। कठिनाइयों, परेशानियों से हम कभी घबराएँ नहीं।*''

श्री लाघवमुनिजी म.सा. ने अपने प्रेरक उद्बोधन में फरमाया कि अच्छा परिणाम नहीं मिलता तो व्यक्ति हताश हो जाता है। यह मानव जन्म विरक्त बनने के लिए मिला है। हमें विरक्ति की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। अर्थ सहित की गई साधना जीवन को सार्थक करती है। सामायिक में हर दिन नया ज्ञान बढ़ाना चाहिए। महापुरुषों के सान्निध्य में विभिन्न त्याग-पच्चक्खाण हुए। दोपहर में ज्ञानचर्चा, प्रश्नोत्तरी आदि कार्यक्रम हुए। बाहर के श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा।

05 मई, मरेवड़ा (भीलवाड़ा)। प्रशान्तमना आचार्य भगवन् का स्थानीय स्कूल में मंगल पदार्पण हुआ। शिक्षकों व अन्य श्रद्धालुओं ने ज्ञानचर्चा, प्रश्नोत्तरी के माध्यम से अपनी जिज्ञासाओं का सुन्दर समाधान प्राप्त किया। दिनभर श्रद्धालुओं का आवागमन जारी रहा। गंगापुर, करेड़ा, भीलवाड़ा आदि अनेक छोटे-बड़े क्षेत्रों ने अपनी विनतियाँ श्रीचरणों में प्रस्तुत की।

आमदला में श्री लाघवमुनिजी म.सा. ने जैन स्थानक में अपने उद्बोधन में फरमाया कि अर्थ सहित ज्ञान से की गई सामायिक पूर्णता को प्राप्त होती है। यतनापूर्वक की गई क्रिया सार्थक व सफल होती है। क्रियाओं के पीछे भूमिका के रूप में जो भाव जुड़े रहेंगे उन भावों सहित धर्म किया जाए। विभिन्न शुभ संकल्प हुए। रात्रि में श्रद्धालुओं ने ज्ञानचर्चा का लाभ लिया।

06 मई, आमदला (भीलवाड़ा)। शास्त्रज्ञ, तरुण तपस्वी आचार्य भगवन् का अपनी शिष्य सम्पदा सहित जय-जयकारों के साथ आमदला में मंगल पदार्पण हुआ। जैन स्थानक भवन में ज्ञानचर्चा, प्रश्नोत्तरी आदि कार्यक्रम हुए। राष्ट्रीय अध्यक्षजी, पूर्व राष्ट्रीय महामंत्रीजी सहित अनेक स्थानों के लोगों ने गुरुदर्शन-सेवा का लाभ लिया। आमदला संघ की सेवाएँ सराहनीय रही।

07 मई, राजाजी का करेड़ा। स्थानीय जैन स्थानक भवन में अलौकिक महापुरुष आचार्य भगवन् ने अपनी दिव्यदेशना में फरमाया कि ''*तुम्हारा मित्र तुम ही हो। तुम्हारा कर्त्ता-विकर्त्ता कोई दूसरा नहीं हो सकता। यदि तुम्हें दुःख मिलता है तो किससे मिल रहा है? वह भी तुम्हारा ही बोया हुआ बीज है। यदि तुम्हें सुख मिल रहा है तो वह भी तुम्हारा ही बोया हुआ बीज है। तुमने जो बोया है वो ही तुम्हें मिल रहा है। धर्म यही समझाता है कि जीवन में सत्य को जानो। न तो कोई कुछ देने वाला है और न ही कोई कुछ लेने वाला है। यदि हमने शुभ कर्म, पुण्य कर्म किए हैं तो साता वेदनीय का उदय होगा और किसी को पीड़ित, दुःखी किया है तो असाता वेदनीय कर्म उदय में आएँगे। अच्छे कार्य जीवन में करते रहने चाहिए।*''

श्री आदर्शमुनिजी म.सा. ने फरमाया कि जैसी हमारी आत्मा है वैसी ही सभी जीवों की आत्माएँ हैं। सभी जीवों के प्रति वात्सल्य भाव रखना चाहिए। स्थानीय गुरुभक्तों ने आचार्य भगवन् के आगमन को परम सौभाग्य बताते हुए अधिक से अधिक विराजने की विनती की। सभी सम्प्रदाय के लोगों ने त्यागी-महापुरुषों के सान्निध्य का पूर्ण लाभ लिया। विभिन्न त्याग-प्रत्याख्यान हुए। दोपहर में आगम वांचनी, ज्ञानचर्चा, प्रश्नोत्तरी आदि कार्यक्रम हुए।

08 मई, राजाजी का करेड़ा। जैन स्थानक भवन में प्रातःकालीन मंगल बेला में समता रविवारीय शाखा श्री मनीषमुनिजी म.सा. के सान्निध्य में हुई। धर्मसभा को सम्बोधित करते हुए परमागम रहस्यज्ञाता आचार्य भगवन् ने अपनी पियूषवर्षिणी वाणी में फरमाया कि ''*जो परमात्मा का रूप है, वही मेरा रूप है। सिर्फ कर्मों का ही भेद है। उसमें से मोह को हटाना है। जहाँ-जहाँ दोष हैं उन्हें दूर करना है। आत्मा अजर-अमर है, शरीर नाशवान है। मेरा कुछ भी नहीं है। शरीर भी मेरा नहीं है। जो निर्भय होता है उसे परमात्मा का आशीर्वाद प्राप्त होता है।*''

श्री आदर्शमुनिजी म.सा. ने फरमाया कि हमें लोगों की बुराई नहीं अच्छाई व गुणों को देखना है। लोग बदलें, ना बदलें, हमें स्वयं को बदलना है, स्वयं की सोच को बदलना है। अनेक भाई-बहिनों ने वर्ष में 12 एकासन, 12 आयम्बिल, 12 उपवास, 12 पौरसी करने का संकल्प लिया। राजाजी का करेड़ा संघ की सेवा-भक्ति अत्यन्त सराहनीय रही।

रात्रिभोजन त्याग
वर्ष में 48 उपवास
जमीकन्द त्याग
आयम्बिल का मासखमण

प्रवीणजी टुकलिया, सुन्दरलालजी रांका, जौहरीलालजी बनवट
अरिहन्तजी टुकलिया
अभिनवजी चौरड़िया
प्रवीणजी टुकलिया-मुम्बई

09 मई, गाडरी खेड़ा। राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय में परमप्रतापी आचार्य भगवन् का जय-जयकारों

के साथ मंगल पदार्पण हुआ। ''**राम गुरु का यह सन्देश, व्यसनमुक्त हो सारा देश**'' कार्यक्रम के अन्तर्गत व्यसनमुक्ति एवं सस्कार जागरण कार्यक्रम स्कूल में सम्पन्न हुआ। अध्यापकों एवं विद्यार्थियों ने सुसंकल्प लिए। गुणशील आयाम से भी कई लोग जुड़े।

शासन दीपक श्री इभ्यमुनिजी म.सा. एवं श्री मयंकमुनिजी म.सा. ने समता भवन-रायपुर में पधारकर धर्मप्रेमी जनता को धर्मलाभ प्रदान किया।

10 मई, रायपुर। मेवाड़ की पुण्य धर्मनगरी रायपुर में मानवता के मसीहा आचार्य भगवन् का शिष्य मण्डली के साथ ''**महावीर का दिव्य सन्देश जीओ और जीने दो**'', ''**संयम इनका सख्त है तभी तो लाखों भक्त हैं**'', ''**जय-जयकार जय-जयकार राम गुरु की जय-जयकार**'' आदि गगनभेदी जयघोषों के साथ भव्य मंगल प्रवेश हुआ। सभी जैन-जैनेत्तर जाति, वर्ग, सम्प्रदाय के धर्मप्रेमी भाई-बहिनों ने अगवानी की।

धर्मसभा को सम्बोधित करते हुए साधना के शिखर पुरुष आचार्य भगवन् ने अपनी दिव्य वाणी में फरमाया कि ''*धर्म की आराधना से चित्त को समाधि और मन को शान्ति मिलती है। दुर्लभ मनुष्य जन्म की प्राप्ति के बाद हमें यह समय व्यर्थ नहीं गंवाना है। मनुष्य जन्म ऐसा चौराहा है जहाँ से हम कहीं पर भी जा सकते हैं। मोह को हटाने से मोक्ष की प्राप्ति हो सकती है। मोक्ष के लिए साधना करनी पड़ेगी। शरीर से ममत्व हटाना होगा। एक संकल्प से जीवन में क्रान्तिकारी परिवर्तन आ सकता है। मोह अज्ञान नींद से जब जागरण होगा तब सत्य की पहचान होगी। पुस्तकें ज्ञान का गोदाम हैं, पर इनका उपयोग कितना किया, चिन्तन करें। ज्ञान को जीवन में उतार लिया जाता है तो कल्याण निश्चित है। स्वाध्याय में समय का अधिकाधिक उपयोग करना चाहिए। फक्कड़ साध्वी श्री ताराकँवरजी म.सा. के संथारापूर्वक महाप्रयाण पश्चात् जावरा में शासन दीपिका साध्वी श्री विनयश्रीजी म.सा. आदि ठाणा-4 का गुरुचरणों में पधारने पर आचार्यदेव ने फरमाया कि ''महाभाग्यवान महासती श्री ताराकँवरजी म.सा का जीवन फक्कड़ जीवन था। ना काहूं से दोस्ती, ना काहूं से बैर। ना कोई अपना, ना कोई पराया। उनके मन में किसी के प्रति कोई भेदभाव नहीं था।*''

श्री आदर्शमुनिजी म.सा. ने फरमाया कि कथनी-करनी में एकरूपता नहीं होने के कारण आज हम दु:खी हैं। आज व्यक्ति धन, पद, प्रतिष्ठा के लिए बेतहाशा दौड़ लगा रहा है। संतोष और तृप्ति में ही सच्चा सुख और आनन्द है।

शासन दीपिका साध्वी श्री विनयश्रीजी म.सा. ने ''**संघ के सरताज पधारे हैं, भक्तों के भगवान पधारे हैं**'' गुरुभक्ति गीतिका प्रस्तुत की। संघ मंत्रीजी ने कहा कि 19 वर्षों के बाद आराध्यदेव का आगमन हुआ है। आचार्यदेव के चरणों में विनती है कि अधिकाधिक विराजकर धर्मलाभ प्रदान करावें। श्रमण संघ के मंत्री गणपतलालजी डांगी ने कहा कि आज यहाँ चतुर्विध संघ का ठाठ हमारी पुण्यवानी के उदय से देखने को मिल रहा है। आचार्य भगवन् के पधारने से मेवाड़ क्षेत्र की धरती पावन हो गई है। पूर्व सरपंच श्रीमती पुष्पाजी सुखलेचा ने कहा कि संयम साधना के शिखर पुरुष के पावन दर्शन से रायपुर की जनता धन्य-धन्य हो गई। महेश नाहटा ने आचार्यदेव के दिव्य गुणों से प्रेरणा लेने का निवेदन किया।

आजीवन शीलव्रत	मोहनलालजी भंवरीदेवी शर्मा-बोराणा
100 चौविहार	शान्ताबाई भड़कत्या

15 मिनिट स्वाध्याय करने का संकल्प अनेक भाई-बहिनों ने लिया। साहित्यकार डॉ. सत्यनारायण सत्य,

सरपंच रामेश्वरलालजी छींपा, श्रमण संघ के नवरतनमलजी बम्ब, माणकजी सिसोदिया, तेरापंथ संघ प्रमुख सहित कई लोगों ने गुरुदर्शन-सेवा का लाभ लिया। दोपहर में बच्चों का संस्कार शिविर आयोजित किया गया। श्री आदर्शमुनिजी म.सा., श्री लाघवमुनिजी म.सा., श्री मयंकमुनिजी म.सा., श्री गुणीशमुनिजी म.सा. ने धर्म जागरणा के थोकड़े, कर्म का स्वरूप व धोवन पानी के बारे में महत्त्वपूर्ण जानकारी दी। शासन दीपिका साध्वी श्री विनयश्रीजी म.सा. के सान्निध्य में नवकार महामंत्र का जाप प्रतिक्रमण के बाद बोरदिया परिवार की ओर से आयोजित किया गया।

11 मई, रायपुर। प्रात:कालीन मंगल बेला में मंगलमय प्रार्थना श्री लाघवमुनिजी म.सा. ने करवाई। धर्मसभा को सम्बोधित करते हुए युगपुरुष आचार्यदेव ने अपनी मधुर वाणी में फरमाया कि ''***धन, परिवार ये सब बाह्य संयोग हैं। क्रोध, मान, माया, लोभ, आसक्ति ये सब भाव संयोग हैं। इन सबका त्याग करना ही धर्म है। धर्म कार्य से राग-द्वेष को जीतने वाले बनें। धर्म से मोह को जीता जा सकता है। शरीर चलाने के लिए भोजन करना है, न कि स्वाद के लिए। इन्द्रिय विजेता, मनो विजेता बनें। इन्द्रियों पर रोक से मन शान्त होता है। इच्छाओं को सीमित करने से मन नियंत्रित हो जाएगा। जो प्राप्त है उनमें आनन्द मनाएँ। समय से पहले और भाग्य से ज्यादा कुछ मिलने वाला नहीं है। मैं बड़ा, मैं बड़ा नहीं करना चाहिए। जो दूसरे को बड़ा माने वह बड़ा है। किसी को हीन न समझें।***''

श्री मयंकमुनिजी म.सा. ने फरमाया कि विषय, कषाय जीवन को पतन की ओर ले जाते हैं। भौतिक सुख सच्चा सुख नहीं है। अध्यात्म में, संयम में सच्चा सुख है।

शासन दीपिका साध्वी श्री विनयश्रीजी म.सा. आदि ठाणा ने ''**धन्य है जिनवाणी गुरुवर, धन्य है जिनवाणी**'' भजन प्रस्तुत किया। कई भाई-बहिनों ने गाँव में रहते हुए दिन में एक बार समता भवन में आने का संकल्प लिया।

जमीकन्द त्याग	मीनाक्षीजी डांगी
होटल का त्याग	अनिताजी बडोला
टी.वी. का त्याग	निर्मलाजी जैन
मैकअप एवं कोल्डड्रिंक का त्याग	कुसुमजी कोचर-अशोकनगर

बहुश्रुत, वाचनाचार्य उपाध्याय प्रवर श्री राजेशमुनिजी म.सा. आदि ठाणा-4 का चिलेश्वर से रायपुर में जय-जयकार के साथ मंगल पदार्पण हुआ। रायपुरवासी हर्षित एवं पुलकित हो गए। दोपहर में मेवाड़ के बच्चों के शिविर में श्री आदर्शमुनिजी म.सा. ने जीवन जीने की कला बताई। श्री लाघवमुनिजी म.सा. ने शुद्ध भिक्षाचर्या एवं तत्त्वज्ञान की जानकारी दी। महापुरुषों के सान्निध्य में ज्ञानचर्चा आदि कार्यक्रम हुए। स्कूलों में व्यसनमुक्ति एवं संस्कार जागरण के कार्यक्रम सम्पन्न हुए।

आचार्य भगवन् एवं उपाध्याय प्रवर के पावन दर्शन हेतु प्रकाण्ड विद्वान् पण्डित गोपाललालजी त्रिवेदी ''शास्त्री'' व राधेश्यामजी काबरा आदि उपस्थित हुए। श्री साधुमार्गी जैन संघ एवं सकल जैन संघ तथा ग्रामवासियों की धर्म एवं सेवाभावना सराहनीय रही।

12 मई, नांदशा जागीर (भीलवाड़ा)। रायपुर से 8 किमी. का विहार कर जय-जयकारों के साथ नांदशा जागीर में आचार्यदेव आदि संतवृन्द का मंगलमय प्रवेश हुआ। धर्मसभा को सम्बोधित करते हुए श्री आदर्शमुनिजी म.सा. ने फरमाया कि कमी बाहर नहीं हमारी सोच में है। आज व्यक्ति हजारपति से लखपति, करोड़पति, अरबपति बनने के लिए दिन-रात उधेड़बुन में लगा रहता है, लेकिन धर्म के क्षेत्र में हम कितनी प्रगति

कर पाए हैं। क्रोध, मान, माया, लोभ, राग-द्वेष, ईर्ष्या, विषय-वासना को कितना घटाकर क्षमा, नम्रता, सरलता, सन्तोष को जीवन में कितना आगे बढ़ाया है, आत्मचिन्तन करें। हमें दूसरों को नहीं, स्वयं को देखना है। हमें हमारी दृष्टि को बदलना है। अपनी आत्मा की ओर देखना है।

आजीवन शीलव्रत	पारसजी कोठारी, जेठमलजी-कमलादेवी हिरण
आजीवन टी.वी., मोबाइल का त्याग	मोहनलालजी सुथार-मानपुरा
जमीकन्द त्याग	प्रीतिजी चौपड़ा, वर्षाजी चौपड़ा-खैरागढ़

घर में रहते हुए एक गिलास धोवन पानी पीने का प्रत्याख्यान कई लोगों ने लिया। दोपहर में ज्ञानचर्चा आदि कार्यक्रम हुए। श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ-नांदशा जागीर की सेवाएँ सराहनीय रही।

13 मई, कोशीथल। प्रेम सज्जन साधना संस्थान में आचार्य भगवन् का जय-जयकारों के साथ भव्य मंगल प्रवेश हुआ।

धर्मसभा को सम्बोधित करते हुए परमप्रतापी आचार्य भगवन् ने अपनी अमृतदेशना में फरमाया कि ''***धर्म की आराधना से हृदय प्रसन्न हो जाता है। प्रसन्नता के लिए आत्म-संयम जरूरी है। अहिंसा अस्तित्व का बोध है। लाखों वर्षों तक जीऊँ या मृत्यु आज ही आ जाए, मुझे कोई फर्क नहीं पड़ने वाला। आत्मा शाश्वत है, अजर-अमर है। हमारा शरीर के साथ ममत्व रहता है, जिस कारण हम दुःखी रहते हैं। तू ही अपना शत्रु व मित्र है, दूसरा कोई तुम्हारा कुछ भी नहीं कर सकता। हम जैसा बीज बोते हैं, वैसा ही फल मिलता है। ''मैं किसी के साथ बुरा बर्ताव नहीं करूँगा, मैं सभी के साथ मैत्रीपूर्वक अच्छा व्यवहार करूँगा'' ऐसा निश्चय करें।***''

श्री आदर्शमुनिजी म.सा. ने फरमाया कि भौतिक सुखों के पीछे जो हमारी दौड़ चल रही है उसका कोई अन्त नहीं है। उसकी तृप्ति और सन्तोष में ही सच्चा सुख निहीत है। साध्वी श्री सुऋद्धिश्रीजी म.सा. ने फरमाया कि सद्गुरु अज्ञान-अंधकार दूर कर ज्ञान का प्रकाश प्रदान करते हैं। इससे विनय, विवेक आदि सद्गुणों का विकास होता है। स्थानीय गुरुभक्तों ने कहा कि आज वर्षों बाद तारण-तिरण के जहाज पधारे हैं। हम सभी अधिकाधिक लाभ उठावें। महिला मंडल ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया।

शासन दीपिका साध्वी श्री विनयश्रीजी म.सा. आदि साध्वीवृन्द ने ''**आओ राम गुरु दरबार अमृत बरस रहा**'' भजन प्रस्तुत कर सम्पूर्ण वातावरण को राममय बना दिया।

आजीवन क्रोध करने का त्याग	मनोजजी संचेती-बेलगाँव
आजीवन हरी घास पर नहीं चलने का संकल्प	सुनीताजी संचेती-बेलगाँव
आजीवन टी.वी., मोबाइल का त्याग	सोहनलालजी कोठारी
होटल का त्याग	लक्ष्मीलालजी बोरदिया-चित्तौड़गढ़
मोबाइल का त्याग	मदनलालजी मेहता
वर्ष में 100 दिन बड़े स्नान का त्याग	सुरेशजी कोठारी-कोशीथल

कई भाई-बहिनों ने गाड़ी चलाते समय एवं भोजन करते समय मोबाइल का प्रयोग नहीं करने, प्रतिदिन 15 मिनट सत्साहित्य पढ़ने का संकल्प लिया।

14 मई, देवरिया। श्रद्धा, भक्ति और आस्था की नगरी देवरिया में युगपुरुष आचार्य श्री रामेश आदि ठाणा-4 का भव्य मंगल प्रवेश अयोध्या में श्रीराम के प्रवेश जैसा प्रतीत हो रहा था। जैन-जैनेत्तर श्रद्धालु जनता

लगभग 1 किमी. पूर्व आकर अगवानी के लिए उपस्थित हुई। मार्ग में मानपुरा में मोहनलालजी सुथार एवं ग्रामीणों की विनती पर कृपा करके आचार्य भगवन् वहाँ पधारे। श्री मयंकमुनिजी म.सा. ने प्रार्थना करवाई। मंगलपाठ पश्चात् देवरिया गौतम भवन की तरफ चारित्रात्माओं के कदम बढ़े। सम्पूर्ण मार्ग में श्रद्धा का जनसैलाब उमड़ पड़ा। विहार मार्ग में ''**महावीर का क्या सन्देश, जीओ और जीने दो**'', ''**संयम इनका सख्त है तभी तो लाखों भक्त हैं**'' आदि अनेक नारों एवं जयघोषों से माहौल गुँजायमान रहा।

बहुश्रुत, वाचनाचार्य उपाध्याय प्रवर श्रद्धेय श्री राजेशमुनिजी म.सा. आदि ठाणा-6 का एक दिन पूर्व जय-जयकारों के साथ धर्मनगरी देवरिया में पावन पदार्पण हुआ।

धर्मसभा को सम्बोधित करते हुए सिरीवाल प्रतिबोधक आचार्य भगवन् ने अपनी दिव्यदेशना में फरमाया कि ''*अनादिकाल से हमारी आत्मा क्रोध, मान, माया, लोभ, राग, द्वेष से ग्रसित है। इसके लिए हमें आचार्य श्री नानेश द्वारा प्ररूपित क्रोध-समीक्षण, मान-समीक्षण, माया-समीक्षण, लोभ-समीक्षण द्वारा आत्म-निरीक्षण करना चाहिए। आकांक्षा, अपेक्षा, इच्छा पर नियंत्रण जरूरी है। ''और'' का कोई छोर नहीं है। संतोष वृत्ति ही हमें सुख और शांति दे सकती है। शालिभद्र के पास अपार धन-सम्पदा होते हुए भी उस पर उनकी आसक्ति या ममत्व नहीं था, लेकिन आज हमारे पास थोड़ी-सी सम्पत्ति होने पर भी हम उस पर आसक्त बन जाते हैं। यही आसक्ति हमें अशान्त बना देती है। आज धर्म की जगह धन के प्रति रुचि बनी हुई है।'' आचार्य भगवन् के इन प्रेरक वचनों से प्रेरित होकर सुरेशकुमारजी बोरदिया ने तुरन्त खड़े होकर एक मर्यादा के उपरान्त सम्पत्ति रखने का त्याग कर दिया।*

श्री शोभनमुनिजी म.सा. ने अपने प्रेरक उद्बोधन में ''**गुरुवर पधारो हृदय में विराजो**'' गीतिका प्रस्तुत करते हुए फरमाया कि संसार में मेरा कोई नहीं है। सबको यहाँ से एक दिन जाना है। इस जीवन में कर्मबन्धन का नहीं, कर्म तोड़ने का कार्य करना है। शुभ कार्य में कभी देरी नहीं करनी चाहिए।

शासन दीपिका साध्वी श्री विनयश्रीजी म.सा. एवं श्री अनाकारश्रीजी म.सा. आदि साध्वीवर्याओं ने ''**धन्य है जिनवाणी गुरुवर, धन्य है जिनवाणी**'' गीतिका प्रस्तुत की। स्थानीय श्रावकों ने त्यागी-महापुरुषों के पदार्पण को अनन्त पुण्यवानी का उदय बताते हुए अधिकाधिक विराजने की विनती गुरुचरणों में की। कोठारी एवं नवलखा परिवार की बहिनों ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया।

आजीवन शीलव्रत	गौतमजी सूर्या
रात्रिभोजन त्याग	सुरेशजी, मंजूजी पिछोलिया-हंसूर
100 पक्की नवकारसी	मोनिकाजी सेठिया-भीलवाड़ा
वर्ष में 100 दिन बड़े स्नान का त्याग	सुनीताजी सेठिया-भीलवाड़ा
20 द्रव्य	छीतरमलजी सूर्या-देवरिया
50 पक्की नवकारसी	कुसुमजी सूर्या
50 बियासना	सरोजजी सूर्या
माह में 1 दिन मोबाइल का त्याग	सुरेशजी बोरदिया-देवरिया, आकाशजी बाफना-अहिवारा, जस्सूबाई बाफना
70 वर्ष की आयु पश्चात् व्यापार से पूर्ण निवृत्ति का संकल्प	लक्ष्मीलालजी सूर्या, बंशीलालजी सूर्या, सुरेशजी बोरदिया, अनिलजी सूर्या, सुरेशजी सोहनलालजी बोरदिया

12 एकासन, 12 उपवास, 12 पौरसी का व्रत एवं भोजन करते समय किसी भी द्रव्य की मांग नहीं करने का

नियम कई भाई-बहिनों ने लिया। महिला समिति की राष्ट्रीय अध्यक्षाजी, मंत्रीजी आदि ने गुरुदर्शन-सेवा का लाभ लिया।

प्रवचन पश्चात् बच्चों के आरोहणा शिविर में उपाध्याय प्रवर एवं संत-सतियाँजी द्वारा धर्म, तत्त्वज्ञान का गहराई से बोध कराया गया। आचार्य भगवन् के सान्निध्य में अच्छी संख्या में जिज्ञासुओं ने लाभ लिया। रात्रि में भी ज्ञानचर्चा में कई भाइयों ने भाग लिया। देवरिया संघ की धर्मनिष्ठा एवं गुरुभक्ति अत्यन्त प्रशंसनीय रही।

15 मई, देवरिया। प्रात:कालीन समता रविवारीय शाखा में सामूहिक आराधना श्री मनीषमुनिजी म.सा. ने करवाई। धर्मसभा को सम्बोधित करते हुए जन-जन की आस्था के केन्द्र आचार्य भगवन् ने अपनी अमृतमय वाणी में फरमाया कि ''***कोई प्रशंसा करे तो खुश नहीं होना और कोई निन्दा करे तो रुष्ट नहीं होना। धर्म पर हमारी श्रद्धा अटूट और अडिग होनी चाहिए। अरणक श्रावक की तरह हमें धर्म पर दृढ़ रहना चाहिए। मेरा कोई नहीं है। मैं सबसे अलग हूँ। हमें तटस्थ जीवन जीने का प्रयास करना चाहिए।***''

श्री शोभनमुनिजी म.सा. ने फरमाया कि जैन धर्म सच्चा है, पर हमारा जीवन सच्चाई युक्त है या नहीं, आत्मचिन्तन करें।

शासन दीपिका साध्वी श्री विनयश्रीजी म.सा., साध्वी श्री अनाकारश्रीजी म.सा. ने गुरुभक्ति गीत का संगान किया। स्थानीय गुरुभक्तों ने आचार्य भगवन् से अधिकाधिक समय देवरिया विराजने की एवं वर्ष 2023 का वर्षावास देवरिया संघ को प्रदान करने की विनती प्रस्तुत की।

आजीवन शीलव्रत	गणपतजी-लाडदेवी सूर्या
50 पक्की नवकारसी	ज्योतिजी सिसोदिया, निर्मलाजी पिछोलिया, कुमकुमजी रांका
100 बियासना	दिलखुशजी लोढ़ा
माह में चार दिन मोबाइल का त्याग	पुष्पाजी मूलावत-भीलवाड़ा
माह में एक दिन मोबाइल का त्याग	उत्सवजी सूर्या, नेमीचन्दजी सूर्या, मनोहरजी सूर्या
50 पौरसी	इन्द्राजी देसरड़ा-भीलवाड़ा
वर्ष में 12 आयंबिल	बंशीलालजी सूर्या, इन्द्राजी भड़कत्या
वर्षीतप प्रत्याख्यान	अर्चनाजी कांठेड़-जावरा

माह में चार आयंबिल एवं अन्य पच्चक्खाण आदि त्याग-प्रत्याख्यान मोहनजी सुथार सहित कईयों ने लिए।

माह में 4 पक्की नवकारसी का नियम कई लोगों ने लिया। 20 वर्ष तक के बच्चों के लिए त्रिदिवसीय आरोहणा शिविर एवं 20 से 45 तथा 45 से अधिक आयु वालों के लिए आध्यात्मिक ज्ञान शिविर आयोजित किया गया। दोपहर में महापुरुषों के पावन सान्निध्य में ज्ञानचर्चा, आगम वाचनी, प्रश्नोत्तरी आदि कार्यक्रम हुए। मेवाड़ के अनेक क्षेत्रों के श्रद्धालु अपने-अपने क्षेत्र में आचार्य भगवन् के मंगल पदार्पण के लिए बेहद आतुरता से पलक-पावड़े बिछाए हुए हैं।

1 से 15 मई के बीच सारोठ, ब्यावर, भीम, प्रतापगढ़, हैदराबाद, चैन्नई, रायपुर, जयनगर, देवगढ़, भीलवाड़ा, देवरिया, उदयपुर, अहमदाबाद, किशनगढ़, मुम्बई, कांकरोली, आमदला, जावद, बैंगलोर, चिलेश्वर, श्रीगंगानगर, उल्हाई, रतलाम, गंगापुर, खेमाणा, कोशीथल, चित्तौड़गढ़, भगवानपुरा, करेड़ा, लस्साणी, नाथद्वारा, खैरागढ़, कुसुमकसा, अर्जुन्दा, जोधपुर, कोयम्बटूर, दिल्ली, बीकानेर, कोलकाता, डोण्डीलोहारा, सूरत, अक्कलकुआँ, आमेट, बेलगाँव, आमली, नांदशा, दुर्ग, अंटाली, राजाजी का करेड़ा, सहाड़ा, सालोर, उल्हाई, भोपालसागर, जावरा आदि अनेक स्थानों के श्रद्धालुओं ने गुरुदर्शन-सेवा का लाभ लिया।

-महेश नाहटा

बहुश्रुत, वाचनाचार्य उपाध्याय प्रवर श्रद्धेय श्री राजेशमुनिजी म.सा. के पावन सान्निध्य में जयनगर में अक्षय तृतीया महोत्सव हर्षोल्लास के साथ सानन्द सम्पन्न

03 मई, जयनगर। रत्नत्रय के महान आराधक, परमागम रहस्यज्ञाता, परम पूज्य श्रीमद् जैनाचार्य 1008 श्री रामलालजी म.सा. की महती कृपा से बहुश्रुत, वाचनाचार्य उपाध्याय प्रवर श्रद्धेय श्री राजेशमुनिजी म.सा. एवं श्रद्धेय श्री विनयमुनिजी म.सा. आदि ठाणा के पावन सान्निध्य में अक्षय तृतीया महोत्सव श्री साधुमार्गी जैन संघ-जयनगर की धरा पर आध्यात्मिक आनन्द, हर्षोल्लास के साथ सानन्द सम्पन्न हुआ। इस महोत्सव की विशिष्टतम झलकियाँ इस प्रकार हैं-

1. बहुश्रुत, वाचनाचार्य उपाध्याय प्रवर एवं श्रद्धेय श्री विनयमुनिजी म.सा. आदि ठाणा का पावन सान्निध्य इस समारोह में प्राप्त हुआ।
2. भगवान ऋषभदेव द्वारा अक्षय तृतीया के पावन दिवस पर की गई पारणों की वाचनी श्रद्धेय श्री विनयमुनिजी म.सा. के मुखारविन्द से 3 दिन तक धारावाहिक रूप में, सारगर्भित, मन को मोहने वाली वाणी के रूप में प्रस्तुत की गई।
3. अक्षय तृतीया के पावन दिवस पर लगभग 40 वर्षीतप आराधकों एवं उनके परिजनों का छोटे-से गाँव जयनगर में पधारना हुआ। आस-पास के क्षेत्र एवं देशभर से लगभग 2,500 गुरुभक्तों की उपस्थिति से श्री साधुमार्गी जैन संघ-जयनगर केसरिया-केसरिया हो गया।
4. नदी के किनारे, वटवृक्ष के पास सगस वाटिका में प्रचवन स्थल पर श्रद्धेय श्री विनयमुनिजी म.सा. ने भगवान ऋषभदेव का पारणा करने का प्रसंग सुनाकर हजारों की जनमेदिनी को भावविभोर कर दिया। इसके पश्चात् उपाध्याय प्रवर का समता भवन-जयनगर से जयनादों की गूँज के साथ पधारना हुआ। आपश्री ने श्री मधुरमुनिजी म.सा. को प्रवचन के लिए फरमाया। श्री मधुरमुनिजी म.सा. ने वर्तमान जीवनशैली में युवक-युवतियों के पहनावे के सम्बन्ध में सारगर्भित सन्देश देकर जैन समाज को इस विकृति को रोकने का आह्वान किया। तत्पश्चात् बहुश्रुत, वाचनाचार्य उपाध्याय प्रवर की अमृतमय देशना प्रारम्भ हुई, जिसमें उन्होंने फरमाया-

   एक प्रश्न है- ''तपस्या से प्रेम है या गन्ने के रस से?'' यह बड़ा गम्भीर प्रश्न है।

भगवान ऋषभदेव प्रतिदिन पारणे के लिए निकलते थे, परन्तु प्रासुक आहार नहीं मिलने पर भी मन में कोई खिन्नता नहीं, कोई दीनता नहीं, वो भी लगातार 365 दिन। इससे बड़ा क्या चमत्कार हो सकता है? जैसे भाव तपस्या में हैं वैसे ही भाव पारणे में हैं, यही हमारा लक्ष्य होना चाहिए। उपवास करना सरल है, परन्तु पारणे में मन के अनुकूल खाने की चीजें नहीं हो तो क्या परिणाम आते हैं, यह हमारे अवलोकन का विषय है। संसार के सुख तो तुच्छ हैं। भौतिक पदार्थों के शब्द, रूप, रस, गंध, स्पर्श में उलझना नहीं। तपस्या के माध्यम से हमारे मन को समभाव में रखने का प्रयास करें। हमारी इच्छा हमारे मन के अनुकूल हो या हमारे मन के प्रतिकूल हो, उसमें समभाव रखना ही तपस्या का लक्ष्य रखना है।

आज के इस पावन अवसर पर हम सभी लाभ और हानि में समभाव रखने का प्रयास करें तो हमारा जीवन

कल्याण मार्ग की ओर अग्रसर हो जाएगा।

उपाध्याय प्रवर ने पहले 40 तप आराधकों को मंगलपाठ फरमाया एवं पश्चात् हजारों की जनमेदिनी को दैनिक प्रत्याख्यान के साथ मंगलपाठ श्रवण करवाया। उपाध्याय प्रवर के श्रीमुख से पारसमलजी-कंचनजी रांका, एरागडा (हैदराबाद) ने आजीवन शीलव्रत के प्रत्याख्यान किए। इस बीच श्री साधुमार्गी जैन संघ-जयनगर के मंत्री शान्तिलालजी रांका ने अपने भाव रखे तथा कार्यक्रम की रूपरेखा एवं संघ के राष्ट्रीय अध्यक्षजी ने अपने भाव रखे।

5. प्रवचन के पश्चात् सभी वर्षीतप आराधकों, परिजनों एवं दर्शनार्थियों (लगभग 1000 गुरुभक्तों) ने आचार्य भगवन् के दर्शन-वंदन एवं सान्निध्य हेतु लगभग 22 किमी. दूरी पर स्थित नेगड़िया ग्राम की ओर प्रस्थान किया।

वर्षी तप आराधकों, उनके परिजनों एवं गुरुभक्तों को परम पूज्य आचार्य भगवन् का मंगल सान्निध्य

6. नेगड़िया ग्राम के उच्च माध्यमिक स्कूल के प्रांगण में विराजित परम श्रद्धेय आचार्य भगवन् के दर्शन, वंदन का पावन प्रसंग प्राप्त हुआ। आचार्य भगवन् ने आगत भक्तों के उल्लास एवं दर्शन पिपासा को प्रवचन के माध्यम से द्विगुणित कर दिया। आपश्रीजी ने अपनी अमृतमय देशना के माध्यम से अक्षय तृतीया के पावन प्रसंग पर जीवन में आचरित करने के लिए दो महत्त्वपूर्ण सूत्र प्रदान कर प्रेरित किया-

(i) एक बुराई कम करें तो अनेक अच्छाइयाँ आ जाएंगी। बुरा देखना, बुरा करना बन्द कर देवें। शास्त्रों से अच्छी बातें सीखें। हर समय दूसरों की बुराई करने एवं देखने के लिए मुँह व आँखें नहीं मिली हैं। मुँह मिला है भगवान का भजन करने के लिए, दूसरों की बुराई नहीं बोलें और आँखें मिली हैं दूसरों की अच्छाई देखने के लिए, हमें किसी के अन्दर बुराई नहीं देखनी है। हजारों की जनमेदिनी ने प्रयोग के रूप में इस प्रथम सूत्र का एक सप्ताह के लिए प्रत्याख्यान ग्रहण किया।

(ii) साधु जीवन को सुरक्षित रखने के लिए सुपात्रदान एवं शुद्ध दान देने का भाव रखें। हम सुपात्रदान देंगे, शुद्ध दान देंगे तो ही लाभकारी होगा। अशुद्ध एवं झूठ बोलकर दान देने से फायदा नहीं होगा। आपश्रीजी ने श्रेयांसकुमार का उदाहरण देते हुए फरमाया कि श्रेयांसकुमार के रसोड़े में बहुत-सी वस्तुएँ थीं, लेकिन वे सब प्रासुक नहीं थी। अत: श्रेयांसकुमार ने झूठ बोलकर अशुद्ध वस्तु तीर्थंकर देव को नहीं बहराई। जब उन्हें ध्यान में आया कि इक्षुरस के घड़े भरे पड़े हैं और वे पूर्ण प्रासुक हैं तो भगवान को पूर्ण शुभ भावों से प्रासुक इक्षुरस का दान देकर सुपात्रदान की महिमा द्विगुणित कर दी।

आचार्य भगवन् की अमृत देशना से पूर्व श्री आदर्शमुनिजी म.सा. ने अपने भावों में गुरुभक्ति गीत की कड़ियाँ गुँजायमान कर सभी को आनन्दित कर दिया। जंगल में मंगल का वातावरण छा गया।

7. गाँव नेगड़िया के सुश्रावक अशोकजी मेड़तवाल (जैन परिवार) सभी पधारने वालों का आतिथ्य सत्कार कर स्वयं को गौरवान्वित महसूस कर रहे थे। श्री मेड़तवालजी ने स्वयं को सौभाग्यशाली मानते हुए कहा कि हमारे आँगन में महाप्रतापी प्रशान्तमना आचार्य प्रवर 1008 श्री रामलालजी म.सा. का आगमन हुआ है और दर्शन-वंदन, प्रवचन श्रवण का लाभ हमें मिला है। ऐसी अपूर्व भक्ति मेड़तवाल परिवार में देखने को मिली। ज्ञातव्य है कि नेगड़िया में एक ही जैन परिवार है।

8. मांगलिक श्रवण करने के पश्चात् तप आराधकों एवं परिजनों के काफिले ने पुन: जयनगर की ओर प्रस्थान किया। लगभग 1 बजे से तप आराधकों के पारणा कार्यक्रम का शुभारम्भ हुआ। श्री साधुमार्गी जैन संघ-जयनगर, मेवाड़ अंचल के युवाओं, तपस्वियों के परिजनों एवं अन्य अनेक श्रद्धालुओं की ओर से पारणा करने वाले तपस्वियों का अभिनन्दन किया गया।
9. आचार्य भगवन् के पधारने से श्री साधुमार्गी जैन संघ-जयनगर की सीमा भी 25 किमी. तक हो गई। जयनगर गाँव के साथ में 1 किमी. की दूरी पर नए और पुराने शंभूगढ़ के भी जनमानस ने आचार्यश्री के प्रति श्रद्धाभाव से ओत-प्रोत होकर तीनों संघों को त्रिवेणी संघ के रूप में उद्घोषित कर दिया।
10. पारणा के पावन प्रसंग पर श्री अ.भा.सा. जैन समता युवा संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष, महामंत्री एवं मेवाड़ अंचल के उपाध्यक्ष, मंत्री के साथ अंचल एवं संघों की पूरी टीम उपस्थित थी। इस टीम ने एक दिवस पूर्व पधारकर अक्षय तृतीया महोत्सव के सभी कार्यक्रमों को त्रिवेणी संघ- जयनगर, पुराना शम्भूगढ़ एवं नया शम्भूगढ़ ने साथ मिलकर सानन्द सम्पन्न करवाया।
11. श्री साधुमार्गी जैन संघ-जयनगर की ओर से राष्ट्रीय स्तर के सभी पदाधिकारियों, सम्पूर्ण भारतवर्ष एवं विदेश से पधारने वाले सभी गुरुभक्तों एवं विशेषत: जिन्होंने अपने अमूल्य समय में से कुछ समय हमें देकर संघ को गौरवान्वित किया उन सभी को बहुत-बहुत साधुवाद दिया गया।
12. इस पावन अवसर पर गोपालपुरा, आकड़सादा, जगपुरा, पुरानी परासौली, नई परासौली, आसीन्द, बदनोर, करेड़ा, अन्टाली, खेजड़ी, गागेड़ा, शम्भूगढ़ नया, शम्भूगढ़ पुराना, कालियास, बरसनी, आमेसर, जेतगढ़, पाटन, संग्रामगढ़, मोटरास, गुलाबपुरा, लाम्बा, रामपुरा आदि सहित आस-पास के अनेक स्थानों के गुरुभक्तों, जिनशासन के श्रावक-श्राविकाओं ने चारित्रात्माओं के दर्शन-सेवा का लाभ लेकर अपने आपको धन्य किया।

-शांतिलाल रांका

वर्षीतप करने वालों के लिए नियम/मर्यादाएँ

1. **चैत्र कृष्णा 8 अर्थात् चैत्र बदी 8 से वर्षीतप प्रारम्भ करना है।**
2. **सर्वप्रथम बेला करना है। चौमासी/पक्खी/14/सम्वत्सरी पर पारणा नहीं करना है। दो साल तक तपस्या करने से एक वर्षीतप पूर्ण होता है। इस अनुसार 360 पारणे एवं 400 उपवास होता है। पहली अक्षय तृतीया पर यदि पारणा आए तो बेला करना है।**
3. **प्रतिदिन श्री ऋषभदेव नाथाय नम: की 20 माला फेरनी, 12 लोगस्स का ध्यान करना, उभयकाल (सुबह-शाम) प्रतिक्रमण करना।**
4. **बिस्तर पर नहीं सोना है।**
5. **सचित्त वस्तु का त्याग करना है।**
6. **नियमित रूप से व्याख्यान श्रवण करना है।**
7. **पूर्णतया ब्रह्मचर्य का पालन करना है।**
8. **यथाशक्ति ज्ञानार्जन करना है।**
9. **दान के प्रसंग पर यथायोग्य दान करना है।**
10. **कषायों पर विजय प्राप्त करने का लक्ष्य रखना है।**
11. **विनय-विवेक रखना है एवं पारणे पर जूठा नहीं छोड़ना है।**

श्रमणोपासक हैडलाईन्स

1. रायपुर (भीलवाड़ा) में 19 वर्षों बाद हुआ आचार्यश्री का आगमन, महासती श्री विनयश्रीजी म.सा. के पधारने पर स्मृतिशेष महासती श्री ताराकँवरजी म.सा. के बारे में आचार्यदेव ने फरमाया- 'ना काहूँ से दोस्ती, ना काहूँ से बैर।
2. उपाध्याय प्रवर व अन्य चारित्रात्माओं द्वारा 'आरोहणा शिविर' में धर्म व तत्त्वज्ञान का बच्चों को गहराई से बोध कराया गया।
3. अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर जयनगर की पावन धरा पर 40 वर्षीतप आराधकों सहित 2500 लोगों की उपस्थिति से जयनगर धरा अमृतमय हो गई।
4. आचार्य प्रवर ने श्रेयांस कुमार के प्रसंग द्वारा बताई सुपात्रदान की महिमा।
5. सम्पूर्ण देश के विभिन्न छोटे-बड़े क्षेत्रों में भगवान महावीर जन्मकल्याणक व आचार्य श्री रामेश जन्मदिवस त्याग-प्रत्याख्यान द्वारा मनाया गया।
6. धमतरी में मुमुक्षु बहिन सुश्री सिद्धिजी नाहर की शोभायात्रा का आयोजन किया गया।
7. डॉ. मूलचंदजी बाफना को चैन्नई विश्वविद्यालय द्वारा उनकी दीर्घकालीन सामाजिक सेवाओं एवं ऊर्जा संरक्षण के क्षेत्र में किए गए उल्लेखनीय प्रयासों के लिए मानद डॉक्ट्रेक्ट उपाधि दी गई। श्री अ.भा.सा. जैन संघ को आप पर गर्व है।
8. रायपुर में ग्रीष्मकालीन धार्मिक शिविर में 130 बच्चों की उपस्थिति रही। सभी बच्चों, शिविर संयोजकों व अन्य कार्यकर्ताओं को धर्म की अलख जगाने हेतु साधुवाद।
9. मुमुक्षु बहिन सुश्री कविताजी बुच्चा ने सूरत (भट्टार) में आयोजित बहुमान कार्यक्रम में अपने उद्बोधन द्वारा समस्त स्वागत-सम्मान आचार्यदेव के चरणों में समर्पित करते हुए सभी से दीक्षा समारोह में पधारने का आग्रह किया।

विविध समाचार

मेवाड़ अंचल

कानोड़। भगवान महावीर जन्मकल्याणक 14 अप्रैल को सकल जैन समाज द्वारा हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। प्रात: अपार जनमेदिनी के साथ नगर के मुख्य मार्गों से शोभायात्रा का आयोजन किया गया। सम्पूर्ण नगर अहिंसा के नारों से गुंजायमान हो उठा।

शासन दीपिका साध्वी श्री सुशीलाकँवरजी म.सा. आदि ठाणा 3 के सान्निध्य में आयोजित धर्मसभा में भगवान महावीर के सन्देशों की विवेचना की।

दिनांक 15 अप्रैल को आचार्य श्री रामेश का जन्मदिवस त्याग-तपस्या के साथ मनाया गया। धर्मसभा में साध्वीवृन्द ने आचार्यदेव के विशेष अवदानों के बारे में फरमाया। महिला मण्डल, बहू मण्डल, समता संस्कार पाठशाला के विद्यार्थियों ने अपनी सुन्दर अभिव्यक्तियों से धर्मसभा को राममय बना दिया।

-तखतमल लसोड़

उदयपुर। श्री वर्द्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संस्थान, हिरण मगरी सेक्टर-4 की नवीन कार्यकारिणी का मनोनयन अध्यक्ष यशवन्तजी आँचलिया की अध्यक्षता में 9 अप्रेल को सम्पन्न हुआ, जिसमें अध्यक्ष देवेन्द्रकुमार धींग, उपाध्यक्ष दिनेशजी कंठालिया, मंत्री महेन्द्रजी पोखरना, सहमंत्री महावीरजी राठौड़, कोषाध्यक्ष दलपतसिंहजी जैन तथा 4 कार्यकारिणी सदस्य मनोनीत किए गए।

-देवेन्द्रकुमार धींग

उदयपुर। आचार्य श्री नानेश ध्यान केन्द्र में 4 मार्च को आयोजित बैठक में बहू मण्डल का प्रथम बार गठन किया गया, जिसमें अध्यक्षा मधुजी कोठारी एवं मंत्री श्रुतिजी पोरवाल सहित 23 संयोजिकाओं का मनोनयन किया गया।

बहू मण्डल द्वारा शासन दीपिका साध्वी श्री शान्ताकँवरजी म.सा. आदि ठाणा के सान्निध्य में छह दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें बहू मण्डल की सदस्याओं ने बढ़-चढ़कर उत्साहपूर्वक भाग लेकर ज्ञानार्जन किया।

-आशा सरूपरिया

बीकानेर मारवाड़ अंचल

गंगाशहर-भीनासर। श्री साधुमार्गी जैन श्रावक संघ की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी ने 10 अप्रैल को प्रवचन सभा में संघ के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री चम्पालालजी डागा से सादगीपूर्ण शपथ ग्रहण की।

शासन दीपक श्री रमेशमुनिजी म.सा., शासन दीपक श्री गौतममुनिजी म.सा., शासन दीपिका साध्वी श्री लक्ष्यप्रभाजी म.सा. के सान्निध्य में 14 अप्रैल को भगवान महावीर जन्मकल्याणक एवं 15 अप्रैल को आचार्य श्री रामेश के जन्मदिवस पर दो दिवसीय धार्मिक महोत्सव आयोजित किया गया।

भगवान महावीर जन्मकल्याणक पर सूर्योदय के साथ दो स्थानों पर प्रार्थना कार्यक्रम हुआ। तत्पश्चात् जैन महासभा के तत्वावधान में रैली आयोजित की गई। रैली पश्चात् प्रवचन सभा में श्री प्रशममुनिजी म.सा. ने भगवान महावीर के 27 भवों का सारगर्भित वर्णन प्रस्तुत किया। साध्वी श्री सुप्रज्ञाश्रीजी म.सा. ने भगवान महावीर से तीन शिक्षा- 1. सुनना क्या, 2. करना क्या, 3. छोड़ना क्या, विषय पर विशेष प्रेरणा दी।

शासन दीपिका साध्वी श्री लक्ष्यप्रभाजी म.सा. ने गद्य-पद्य में भगवान महावीर के जीवन से अपने आपको जोड़ने की प्रेरणा दी।

शासन दीपक श्री गौतममुनिजी म.सा. ने

अपनी ओजस्वी वाणी में फरमाया कि जो जैन धर्म की पालना करता है वो ही जैन है। जाति से नहीं, कर्म से जैन होना चाहिए। आज लोग भगवान महावीर को मानते हैं, पर भगवान महावीर की नहीं मानते।

शासन दीपक श्री रमेशमुनिजी म.सा. ने अहिंसा, अपरिग्रह और अनेकान्तवाद का सुन्दर विवेचन फरमाया। प्रवचन पश्चात् प्रश्नमंच एवं आत्मरंजन कार्यक्रम हुआ। दोपहर में भजन प्रतियोगिता हुई। 5-5 सामायिक, एकासन, आयम्बिल आदि तप त्याग काफी मात्रा में हुए। श्रावक-श्राविकाओं ने सायंकालीन प्रतिक्रमण कर अपने जीवन को भावित किया।

आचार्य श्री रामेश जन्मोत्सव पर प्रात: दो स्थानों पर प्रार्थना से धार्मिक कार्यक्रमों का शुभारंभ हुआ। प्रवचन सभा में श्री राजरत्नमुनिजी म.सा. ने ''आचार्य भगवन् ने कैसे अपना जीवन मिथ्यात्व से साधुत्व तक बदला'' का सारगर्भित विवेचन फरमाते हुए गुरुदर्शन की महत्ता बतलाई। आरुग्गबोहिलाभं की बहिनों ने भजन **''गुरु राम के श्रीचरणों में तन मन जीवन सारा है''** की प्रस्तुति दी।

शासन दीपिका साध्वी श्री सुप्रज्ञाश्रीजी म.सा. ने फरमाया कि आचार्य भगवन् के मन में मोक्ष की ऊँचाई है और वचनों में आगम की सच्चाई है। साध्वी श्री लक्ष्यज्योतिजी म.सा. ने भजन **''जन्मोत्सव की लीला सबके मन को भायी है''** के माध्यम से गुरु गुणगान किया।

शासन दीपिका साध्वी श्री लक्ष्यप्रभाजी म.सा. ने गुरुदेव की महिमा का सांगोपांग दिग्दर्शन करवाया।

शासन दीपक श्री गौतममुनिजी म.सा. ने फरमाया कि जयन्ती मनाने का निषेध है, जय-जयकार भी बन्द है, परन्तु हम सब गुरु गुणगान तो कर ही सकते हैं। आपश्री ने आचार्य भगवन् द्वारा प्रदत्त आयामों को अपने जीवन में उतारने एवं समाज के उत्थान के लिए उत्क्रान्ति अपनाने की विशेष प्रेरणा दी।

शासन दीपक श्री रमेशमुनिजी म.सा. ने फरमाया कि आचार्य भगवन् का जीवन तो चलता-फिरता आगम ही लगता है। प्रवचन पश्चात् प्रश्नमंच, आत्मरंजन कार्यक्रम में भाई-बहिनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। अनेक जनों ने 5-5 सामायिक, एकासन तप किया। दोपहर में बहिनों ने भजन प्रतियोगिता में भाग लिया। रात्रि में लगभग 150 प्रतिक्रमण हुए।

महिला मण्डल द्वारा 16 अप्रैल को एक्यूप्रेशर शिविर का आयोजन किया गया। शासन दीपक श्री गौतममुनिजी म.सा. आदि ठाणा-3 यहाँ से विहार कर सेठिया कोटड़ी बीकानेर पधार गए हैं। शासन दीपक श्री रमेशमुनिजी म.सा. आदि ठाणा-3 श्री जवाहर विद्यापीठ एवं शासन दीपिका साध्वी श्री लक्ष्यप्रभाजी म.सा. आदि ठाणा माणकचन्दजी डागा के मकान में सुख-सातापूर्वक विराज रहे हैं। प्रतिदिन प्रात: प्रार्थना पश्चात् शासन दीपक श्री रमेशमुनिजी म.सा. ज्ञाताधर्मकथांगसूत्र के 13वें अध्ययन का विवेचन फरमा रहे हैं। **-विमलकुमार सेठिया**

जयपुर ब्यावर अंचल

ब्यावर। शासन दीपक श्री आदित्यमुनिजी म.सा. ने अक्षय तृतीया के पूर्व दिवस समता भवन में प्रवचन के दौरान फरमाया कि अपने मन को विशुद्ध रखने का प्रयास करते रहना चाहिए। विशुद्ध वंदन करने पर शीतलता से निर्मलता आती है। विशुद्धि से कई महापुरुषों का जन्म हुआ। हमें शुद्ध को विशुद्ध करना होगा। विशुद्धि सीधे भावों को जोड़ती है। अरिहंत भगवान प्रवचन देते हैं तो उनकी अमृत देशना कभी खाली नहीं जाती।

संत श्री अटलमुनिजी म.सा. ने भजन ''उम्र थोड़ी-सी हमको मिली, मगर वो भी घटने लगी देखत-देखते'' के माध्यम से फरमाया कि हम बिना उद्देश्य के जिंदगी गुजार रहे हैं, अब धर्म-ध्यान, तप-त्याग से आत्मा का कल्याण करना है। हमारा एक पहिया देव-गुरु-धर्म का है तो दूसरा पहिया अपनी आत्मा का है।

शासन दीपिका साध्वी श्री विद्यावतीजी म.सा. ने फरमाया कि हमारे संघ का एक मात्र कोहीनूर हीरा आचार्य श्री रामेश हैं। आपश्री बहुत से हीरे तराशकर हमें दे रहे हैं।

ब्यावर की माटी के लाल शासन दीपक श्री विनयमुनिजी म.सा. आदि ठाणा-3 का 11 मई को प्रात: समता भवन में मंगल प्रवेश हुआ। जयनगर में अक्षय तृतीया महोत्सव के बाद आपश्रीजी वहाँ से रामपुरा, पाटन, नरबदखेड़ा होते हुए विनोदनगर स्थित चौथ स्मृति भवन में विराजे। इस दौरान सकल जैन समाज के सैकड़ों श्रावक-श्राविकाओं की उपस्थिति रही।

-नोरतमल बाबेल

मध्यप्रदेश अंचल

इन्दौर। **''धर्म और हमारा जीवन''** विषय पर तीन दिवसीय शिविर दिनांक 6-8 मई को श्री साधुमार्गी जैन संघ के तत्वावधान में समता भवन यशवन्त निवास रोड में आयोजित किया गया। शिविर में शासन दीपिका साध्वी श्री प्रमोदश्रीजी म.सा. आदि ठाणा-5 का सान्निध्य प्राप्त हुआ। साध्वी श्री स्वागतश्रीजी म.सा. ने जीवन परिवर्तनकारी इस शिविर में फरमाया कि शरीर और मन के दुखों का निवारण यदि करना है तो धर्म में पुरुषार्थ करना होगा। धर्म निर्धन को धन नहीं देता अपितु ऐसा सामर्थ्यवान बना देता है कि विरक्ति भाव जागृत होने से वह कुबेर को भी ठोकर मार देता है। **-तेजकुमार तातेड़**

छत्तीसगढ़ उड़ीसा अंचल

धमतरी। आचार्य श्री रामेश का 70वाँ जन्मदिवस तप-त्याग के साथ मनाया गया। समता शाखा, प्रश्नोत्तरी, भजन, एकासन, आयंबिल, उपवास, बियासना आदि सम्पन्न हुए। समता शाखा में भाई-बहिनों की अच्छी उपस्थिति रही। जन्मदिवस पर आचार्यश्रीजी का जीवन परिचय, समता बहू मण्डल द्वारा भजन आदि की प्रस्तुति दी गई। सामूहिक एकासन की प्रभावना शिवरतनजी भूरा परिवार द्वारा की गई।

इसी कड़ी में 17 अप्रैल को श्री साधुमार्गी जैन संघ द्वारा नि:शुल्क स्वास्थ्य जाँच एवं परामर्श होम्योपैथी एवं एक्यूप्रेशर चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में डॉ. पपेशजी नाहर, डॉ. राकेशजी साहू, योग प्रशिक्षक विकासजी कंसारी, कु. अमरीका साहू, कु. तारीणी साहू, कु. अंजुलता आदि डॉक्टरों की टीम ने अपनी सेवाएँ प्रदान की। लगभग 70 मरीजों की जाँच कर दवाइयाँ वितरित की गई। सभी डॉक्टरों का सम्मान स्थानीय संघ द्वारा स्मृति चिन्ह प्रदान कर किया गया। इस अवसर पर संघ के विशिष्ट महानुभावों एवं सदस्यों की गरिमामय उपस्थिति रही।

धमतरी में 29 अप्रैल को मुमुक्षु बहिन कु. सिद्धीजी नाहर के आगमन पर घड़ी चौक से सदर बाजार स्थानक तक शोभायात्रा का आयोजन किया गया। रास्ते में अनेक स्थानों पर मुमुक्षु बहिन का स्वागत किया गया। स्थानक पहुँचकर शोभायात्रा सभा में परिवर्तित हो गई।

सभा में मंच पर मुमुक्षु बहिन सहित परिजन विराजमान हुए। सर्वप्रथम नवकार महामंत्र जाप से सभा प्रारंभ हुई। मंगलाचरण परी कोटड़िया ग्रुप द्वारा किया गया एवं स्वागत गीत समता बहू मण्डल ने प्रस्तुत किया। इस अवसर पर अनेक वक्ताओं ने अपने उद्बोधन में संयमी आत्मा के भावी जीवन हेतु मंगलकामनाएँ व्यक्त की।

मुमुक्षु बहिन एवं नाहर परिवार का स्वागत सकल जैन समाज की ओर से सतीशजी नाहर, सुरेशजी गोलछा, मूर्तिपूजक संघ की ओर से लूणकरणजी गोलछा, भंवरलालजी छाजेड़, लक्ष्मीलालजी लुनिया, स्थानकवासी संघ की ओर से मंत्री नेमीचन्दजी छाजेड़, शीतलजी सांखला, सुधर्म परिवार की ओर से दीपकजी चौपड़ा, प्रेमचन्दजी मिन्नी, सुधर्म महिला मंडल की ओर से संजनाजी बोहरा सहित स्थानीय श्री साधुमार्गी जैन संघ, समता

महिला मण्डल एवं समता युवा संघ द्वारा किया गया।

अपने उद्बोधन में मुमुक्षु बहिन ने कहा कि यह सम्मान मेरा नहीं अपितु चारित्रात्माओं का है, जिसे मैं आचार्य भगवन् के श्रीचरणों में अर्पित करती हूँ। मुझ पर पहला उपकार मेरे माता-पिता एवं परिजनों का और उसके बाद धमतरी श्रीसंघ का है, जिसके कारण मैं संयम मार्ग पर बढ़ने जा रही हूँ। आप सभी दीक्षा साक्षी बनने हेतु अवश्य पधारें। सभा में अनेक प्रमुखजनों एवं सदस्यों ने उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाया। मुमुक्षु बहिन से मांगलिक श्रवण कर जय-जयकारों के साथ सभा सम्पन्न हुई।

-दीपक बाफना

रायपुर। 14 अप्रैल से 1 मई तक सुराना भवन रायपुर में लगभग 130 बच्चों का ग्रीष्मकालीन संस्कार शिविर का सफल आयोजन हुआ। बच्चों व शिक्षिकाओं का उत्साह देखने योग्य था। समापन में छत्तीसगढ़ उड़ीसा ट्रस्ट के अध्यक्ष नथमलजी गिड़िया व उनकी टीम ने उपस्थित होकर बच्चों को पुरस्कृत कर उनका उत्साह बढ़ाया। स्थानीय संघ अध्यक्षजी ने सभी का स्वागत किया। इस अवसर पर महिला समिति की संरक्षिका श्रीमती इंदुबाई बैद, श्रीमती शांतिबाई पारख तथा श्रीमती मांगीबाई गोलछा का भी संघ द्वारा बहुमान किया गया।

वालफोर्ट सिटी में शासन दीपक श्री हर्षितमुनिजी म.सा. आदि ठाणा-6 तथा शासन दीपिका साध्वी श्री रजतमणिजी म.सा. आदि ठाणा-3 के पावन सान्निध्य एवं लगभग एक हजार श्रावक-श्राविकाओं की उपस्थिति में 3 मई को अक्षय तृतीया के पावन प्रसंग पर वर्षीतप पारणा महोत्सव में 19 तपस्वी बहिनों का पारणा तथा मुमुक्षु बहिन यशस्वीजी ढ़ेलड़िया-बालोद, मुमुक्षु बहिन अनमोलजी जैन-टिटलागढ़, मुमुक्षु बहिन सिद्धीजी नाहर-बोरझरा के अभिनन्दन का सुनहरा अवसर श्री साधुमार्गी जैन संघ को मिला। **-संध्या धाड़ीवाल**

मुम्बई गुजरात अंचल

सूरत। आचार्य श्री रामेश के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में 17 अप्रैल को समता भवन में चिकित्सा जाँच एवं परामर्श शिविर का आयोजन श्री साधुमार्गी जैन संघ-सूरत, श्री झूमरमल कांकरिया चैरिटेबल ट्रस्ट एवं लॉयन्स क्लब सूरत सिल्क सिटी के संयुक्त तत्वावधान में रिलायंस मेडलेब द्वारा किया गया। शिविर में लगभग 105 जनों ने जाँच एवं परामर्श का लाभ लिया। शिविर में सेवाएँ देने वाले सभी चिकित्साकर्मियों का सम्मान किया गया। संघ मंत्रीजी ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर तीनों संस्थाओं के पदाधिकारीगण उपस्थित थे।

समता भवन भट्टार में 1 मई को समता शाखा के पश्चात् मुमुक्षु बहिन कु. कविताजी बुच्चा-देशनोक का बहुमान कार्यक्रम श्री साधुमार्गी जैन संघ की चारों इकाइयों द्वारा आयोजित किया गया। मुमुक्षु बहिन कविताजी एवं वीर भ्राता हेमराजजी बुच्चा का अभिनन्दन संयुक्त रूप से किया गया। इस अवसर पर संघ अध्यक्षजी सहित अनेक प्रमुखों ने मुमुक्षु बहिन के सम्मान में अपने भावोद्गार प्रस्तुत किए।

मुमुक्षु बहिन कु. कविताजी बुच्चा ने अपने उद्बोधन में अपना समस्त स्वागत-सम्मान आचार्यदेव के चरणों में अर्पित करते हुए सभी से दीक्षा समारोह में पधारने का आग्रह किया।

इसी दिन समता संस्कार पाठशाला के बच्चों की परीक्षा ली गई, जिसमें 183 बच्चों ने भाग लिया। सभी बच्चों को प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किए गए। अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर 75 से अधिक एकासन तप की आराधना हुई।

-प्रेमचन्द पारख

महाराष्ट्र विदर्भ खानदेश अंचल

चौपड़ा। शासन दीपक श्री सुबाहुमुनिजी म.सा., श्री भूतिप्रज्ञमुनिजी म.सा. आदि ठाणा-2 के पदार्पण से संघ में एक नया जोश भर गया। आपश्रीजी ने 5 दिन यहाँ विराजकर धर्म-ध्यान का

ठाठ लगा दिया। अक्षय तृतीया के दिन तो चतुर्विध संघ में विशेष उल्लास रहा। जैन-जैनेत्तर सभी ने जिनवाणी का श्रवण किया। चारित्रात्माओं के सानिध्य में दोपहर में श्रावक-श्राविकाओं ने आगमज्ञान प्राप्त किया। आपश्रीजी की प्रेरणा से व्रत-प्रत्याख्यान हुए एवं समता शाखा पुन: सामूहिक रूप से शुरू करने का निश्चय किया गया। -चेतनकुमार दर्डा

बंगाल बिहार नेपाल एवं भूटान अंचल

कूचबिहार। आचार्य श्री रामेश का 70वाँ जन्मदिवस तप-त्यागपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर संघ अध्यक्ष गणेशमलजी सुराणा ने उपवास एवं महिला समिति की अनेक बहिनों ने एकासन तथा विभिन्न पच्चक्खाण किए। नवरतनजी भूरा के निवास पर सामायिक एवं लगातार 70 बार रामेश चालीसा का पाठ किया गया, जिसमें युवाओं, बच्चों सहित सभी की अच्छी उपस्थिति रही। -इन्दरचन्द बुच्चा

भिलाई। डॉ. मूलचन्दजी बाफना पुत्र श्री स्व. श्री सुल्तानमलजी-श्रीमती सजनाबाई बाफना को चैन्नई विश्वविद्यालय द्वारा उनकी दीर्घकालिक सामाजिक सेवा एवं ऊर्जा संरक्षण के क्षेत्र में किए गए उल्लेखनीय कार्यों के लिए मानद डॉक्टर की उपाधि प्रदान की गई है। एतदर्थ आपको श्री अ.भा. साधुमार्गी जैन संघ एवं श्रमणोपासक टीम की ओर से हार्दिक बधाई एवं साधुवाद।

श्री बाफनाजी चिकित्सा, शिक्षा एवं सामाजिक क्षेत्र में सेवा कार्यों से विगत 40 वर्षों से जुड़े हुए हैं। आपको प्रादेशिक, राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय स्तर के अनेक सम्मान व पुरस्कार प्राप्त हो चुके हैं। -वीरेन्द्र पुगलिया

श्री अ.भा. साधुमार्गी जैन संघ के अन्तर्गत प्रदत्त पुरस्कारों हेतु प्रविष्टियाँ आमंत्रित

सेठ श्री चम्पालाल सांड स्मृति उच्च प्रशासनिक सेवा पुरस्कार

1. पात्रता :-

(1.1) यह पुरस्कार **Award of Excellence** के स्वरूप में भारत सरकार की उच्च प्रशासनिक सेवाओं में कार्यरत, जो जैन धर्मावलम्बी शीर्षस्थ पदाधिकारी के रूप में विशेष ख्याति अर्जित कर जैन समाज को गौरवान्वित करते हैं, वे इस पुरस्कार हेतु चयनित किए जाने के पात्र समझे जाते हैं।

2. पुरस्कार के नामांकन :-

(2.1) किसी भी उपयुक्त पदाधिकारी का, जो जैन मतावलम्बी हो, उपरोक्त पुरस्कार हेतु नामांकन प्रस्तुत किया जा सकता है।

(2.2) जिस व्यक्ति को नामांकित किया जा रहा है, कृपया उसका पूरा नाम, पता, प्रशासनिक पद, सम्पर्क विवरण, सेवा क्षेत्र, निष्पादन रिकॉर्ड आदि का विस्तृत उल्लेख नामांकन/संस्तुति में समाविष्ट करें।

3. पुरस्कार का स्वरूप :-

(3.1) चयनित पुरस्कार-विजेता को श्री अ.भा.साधुमार्गी जैन संघ की ओर से एक लाख रुपये का चैक, अभिनंदन पत्र एवं स्मृति चिह्न किसी विशिष्ठि दिवस अथवा गरिमामय समारोह में सम्मान पूर्वक भेंट किया जाएगा।

4. आवृति :- वार्षिक

प्रविष्टियाँ भिजवाने की अंतिम तिथि 31 जुलाई, 2022 है, प्रविष्टियाँ केन्द्रीय कार्यालय के निम्न पते पर भिजवाएँ।

निवेदक : उत्तमचंद नाहटा, दिल्ली

(संयोजक, सेठ श्री चम्पालाल सांड स्मृति उच्च प्रशासनिक सेवा पुरस्कार समिति)

प्रविष्टियाँ भिजवाने का पता

केन्द्रीय कार्यालय, श्री अ.भा.सा. जैन संघ, समता भवन, आचार्य श्री नानेश मार्ग, नोखा रोड, गंगाशहर, बीकानेर (राज.)-334001
फोन 0151-2270261, 2270359, मो.नं. - 9116109777 ई-मेल :- ho@sadhumargi.com

विविध भेंट मार्फत

01 अप्रैल 2022 से 30 अप्रैल 2022

संघ महाप्रभावक सदस्यता भेंट
(निम्न के सौजन्य से प्राप्त)

4,40,000/- केशरीमलजी देशलहरा-दुर्ग

2,20,000/- राजकुमारजी बच्छावत-नेपाल/भीनासर

2,20,000/- प्रकाशचंदजी श्री श्रीमाल-हैदराबाद

समता भवन निर्माण प्रवृत्ति
(निम्न के सौजन्य से प्राप्त)

1,00,000/- राजेशजी अरिहंतजी मंदाक्षजी गुलगुलिया-सिलचर

51,000/- प्रकाशचंदजी बरड़िया-अहमदाबाद

(समता भवन लूणकरणसर हेतु सहयोग)

50,000/- सेठ शेरमल फतेचंदजी डागा ट्रस्ट-गंगाशहर

(समता भवन शिंदखेड़ा हेतु सहयोग)

25,000/- अमरचंदजी रमेशचंदजी चौरड़िया-शहादा

साधुमार्गी पब्लिकेशन सहयोग
(निम्न के सौजन्य से प्राप्त)

50,000/- नवीनजी बोथरा-जयपुर (समता प्रभातम् हेतु सहयोग)

इदं न मम्
(निम्न के सौजन्य से प्राप्त)

2,00,000/- केशरीचंदजी भूरा-दिल्ली

2,00,000/- संजयकुमारजी भूरा-दिल्ली

1,00,000/- राजकरणजी बरड़िया-अहमदाबाद

27,000/- दिनेशजी विपुलजी आँचलिया-इंदौर

25,000/- धर्मचंदजी दिलीपजी अविनाशजी नंदावत-मैसूर

21,000/- का सहयोग प्रत्येक से प्राप्त संजयजी गिरीशजी मनीषजी कूकड़ा-चैन्नई, रेवंतमलजी बेताला-अहमदाबाद

20,400/- रूपचंदजी कमलकुमारजी संचेती-सिलापथार

15,000/- बिनाजी विनायकिया-हावड़ा

11,000/- का सहयोग प्रत्येक से प्राप्त विवेकजी प्रकाशचंदजी कांकरिया-देवली/वर्धा, यशोदाबाई देशरला-बैंगलोर

10,200/- अमृतलालजी छाजेड़-बेमेतरा

5,100/- का सहयोग प्रत्येक से प्राप्त मनोहरीदेवी डागा-नोखा, सुशीलाबाई कैलाशचंदजी गुरलिया-बैंगलोर, किरणजी मुणोत-वापी

5,000/- का सहयोग प्रत्येक से प्राप्त पारसमलजी रांका-चैन्नई, मोहनलालजी पींचा-रांची/गंगाशहर, नवलजी कोठारी-मैसूर, कन्हैयालालजी निलिनकुमारजी बाफना-कांकेर

3,000/- महेन्द्रकुमारजी सिपानी-कोलाघाट

2,100/- जेठमलजी सुन्दरलालजी सेठिया-हावड़ा

2,070/- हनुमानमलजी गोलछा-जलपाईगुड़ी

1,100/- का सहयोग प्रत्येक से प्राप्त श्रीपालजी बोथरा-हवली, नैनेशजी रजनीकांतजी कामदार-अमलनेर

1,000/- प्रकाशचंदजी साँखला-राजनांदगाँव

555/- कमलाबाई पुखराजजी चौपड़ा-सेलम्बा

500/- राजेन्द्रकुमारजी सेठिया-सूरत

जीवदया

11,000/- गुप्तदान-सिलचर

10,500/- देवेन्द्रकुमारजी गणेशकुमारजी अहिलेशकुमारजी पीयूषकुमारजी मेहता-बड़ीसादड़ी

6,803/- श्री साधुमार्गी जैन संघ-ब्यावर

5,100/- महावीरचंदजी गुरलिया-भीम (श्री भँवरलालजी गुरलिया की पुण्यस्मृति में)

5,000/- सुधीरकुमारजी देवेशकुमारजी लूणावत-

नरसिंहपुर

3,100/- का सहयोग प्रत्येक से प्राप्त दिनेशकुमारजी, शांतिलालजी, निर्मलकुमारजी बाफना-चित्तौड़गढ़ (श्रीमती सुशीलादेवी की पुण्यस्मृति में), माणकचंदजी लक्ष्मीदेवी बैद-कोलकाता

2,100/- का सहयोग प्रत्येक से प्राप्त हेमराजजी गोलछा-गीदम, गुप्तदान-उदासर (स्व. श्री दिवाकरजी सेठिया की पुण्यस्मृति में)

1,500/- का सहयोग प्रत्येक से प्राप्त रूपालीजी जैन-हिंगोली, छगनलालजी लूणकरणजी सेठिया-झझू/तूफानगंज

1,100/- का सहयोग प्रत्येक से प्राप्त महेन्द्रजी पारसमलजी मरलेचा-चैन्नई, नारंगीबाई इन्दरचंदजी सुराणा-चैन्नई, गुप्तदान-उदासर, अशोकजी सेठिया-उदासर (स्व. श्री सोहनलालजी मनोहरीदेवी सेठिया की पुण्यस्मृति में)

1,000/- का सहयोग प्रत्येक से प्राप्त विनीतजी सोनावत-हैदराबाद, लहरचंदजी जसकरणजी सिपानी-गंगाशहर, कुशालसिंहजी डांगी-बड़ीसादड़ी

600/- कैलाशचंदजी जैन-सवाईमाधोपुर

500/- का सहयोग प्रत्येक से प्राप्त शांतादेवी वया-छोटीसादड़ी, गुप्तदान-बैंगलोर, पारसमलजी तरूणकुमारजी भंसाली-खैरागढ़ (श्री जितेन्द्रजी भंसाली की पुण्यस्मृति में), बजरंगलालजी सुनीलकुमारजी सिपानी-हावड़ा (कु. जयश्री सिपानी की पुण्यस्मृति में)

दानपेटी योजना

(निम्न के सौजन्य से प्राप्त)

51,000/- विमलादेवी कमलजी सिपानी-बैंगलोर

34,000/- प्रकाशचंदजी सरलादेवी बेताला-बैंगलोर

20,000/- जेठीदेवी कुमुददेवी सिपानी-बैंगलोर

15,530/- धर्मचंदजी दिलीपजी अविनाशजी नंदावत-मैसूर

11,000/- श्री साधुमार्गी जैन संघ-मैसूर

5,100/- का सहयोग प्रत्येक से प्राप्त श्यामलालजी विवेककुमारजी विशालजी गन्ना-मैसूर, प्रकाशचंदजी हनुमानमलजी सुराणा-हवली/नोखागाँव, सुन्दरदेवी कटारिया-मैसूर

5,000/- सीमाजी सिपानी-बैंगलोर

3,650/- सुभाषचंदजी प्राज्वलजी पोरवाल-मैसूर

3,100/- का सहयोग प्रत्येक से प्राप्त दिलखुशजी विनोदकुमारजी डूंगरवाल-मैसूर, सुमेरमलजी कमलकुमारजी प्रजापत-हवली, विवेकजी प्रकाशचन्दजी कांकरिया-देवली, गंगारामजी दिनेशकुमारजी लूणावत-हवली

3,051/- शिखरचंदजी सेठिया-उदासर

2,100/- का सहयोग प्रत्येक से प्राप्त हुक्मीचंदजी रोहितकुमारजी नंदावत-मैसूर, प्रमोदकुमारजी वंशकुमारजी श्रीमाल-मैसूर, दिलीपकुमारजी भरतकुमारजी गन्ना-मैसूर, अशोककुमारजी पितलिया-मैसूर, गौतमचंदजी आशीषकुमार वनिशकुमारजी गन्ना-मैसूर, प्रकाशचंदजी जसवंतकुमारजी गन्ना-मैसूर, अनिलकुमारजी पोरवाल-मैसूर, पंकजकुमारजी ऋषभकुमारजी खिमेसरा-मैसूर, नवलकुमारजी कोठारी-मैसूर

1,500/- का सहयोग प्रत्येक से प्राप्त मेघराजजी धर्मचंदजी बैद-हवली, कांतिलालजी पवनकुमारजी डागा-मैसूर

1,200/- छगनलालजी लूणकरणजी सेठिया-झझू/तूफानगंज

1,100/- का सहयोग प्रत्येक से प्राप्त श्रीपालजी बोथरा-हवली, चाँदमलजी सुराणा-हवली, विनोदकुमारजी बाँठिया-हवली, विजेन्द्रकुमारजी बाँठिया-हवली, मेघराजजी पुखराजजी गोलछा-हवली, सुरेशकुमारजी अशोककुमारजी बुरड़-हवली, राकेशकुमारजी श्री श्रीमाल-मैसूर, खुशंवतलालजी राहुलकुमारजी पोरवाल-मैसूर, अनिलकुमारजी कोठारी-बैंगलोर, दिनेशकुमारजी किशनकुमारजी दक-मैसूर, पुनीतकुमारजी गन्ना-मैसूर,

राजेशकुमारजी राहुलकुमारजी देशरला-मैसूर, गौतमचंदजी देराशरिया-मैसूर, नेमीचंदजी नवीनकुमारजी श्रीमाल-मैसूर, दिलीपकुमारजी श्यामजी नागौरी-मैसूर, गणेशमलजी गौतमचंदजी डागा-मैसूर, आनंदराजजी प्रेमकुमारजी डागा-मैसूर, रमेशकुमारजी डागा-मैसूर, कैलाशचंदजी कोठारी-मैसूर, दिनेशकुमारजी पितलिया-मैसूर, हरिप्रकाशजी मोगरा-मैसूर

1,000/- रिखबचंदजी प्रश्नकुमारजी अशोककुमारजी भंसाली-मैसूर

850/- सुन्दरलालजी डागा-नोखा

उच्च शिक्षा योजना
(निम्न के सौजन्य से प्राप्त)

1,00,000/- सुगनचंदजी धोका-चैन्नई

महत्तम् महोत्सव
(निम्न के सौजन्य से प्राप्त)

50,000/- सुरेशकुमारजी बच्छावत-बीकानेर

5,100/- गुप्तदान-बैंगलोर

साहित्य आजीवन सदस्यता सहयोग

1,000/- गुप्तदान-केकड़ी

समता मित्ति योजना

5,100/- अमृतलालजी सहलोत

समता प्रचार संघ
(निम्न के सौजन्य से प्राप्त)

1,00,000/- सुशीलाजी साँखला-मुम्बई

1,00,000/- राजेशजी अरिहंतजी मंदाक्षजी गुलगुलिया-सिलचर

3,100/- श्री साधुमार्गी जैन संघ-बेल्लारी

2,100/- मनोजकुमारजी सेठिया-बेल्लारी

भगवान महावीर समता संस्कार पाठशाला
(निम्न के सौजन्य से प्राप्त)

2,50,000/- आनन्द-चेतना, अधिराज-उपासना, कु. आरना, कु. आर्या, धनराज-वैशाली, ऋषिराज-प्रीति एवं समस्त आनन्द देवराजजी सुराणा परिवार-रायपुर (छ.ग.)

2,500/- अन्नुजी अल्पनाजी जैन-हरदा

समता सरिता सेवा विहार सेवा

11,000/- धर्मचंदजी दिलीपजी अविनाशजी नंदावत-मैसूर

3,100/- रोशनलालजी प्रदीपजी अनिलजी नंदावत-मैसूर

2,000/- निर्मलजी पीयूषकुमारजी कोठारी-कोलकाता (कमलादेवी कोठारी की पुण्यस्मृति में)

1,100/- का सहयोग प्रत्येक से प्राप्त विनोदजी श्री श्रीमाल-वड़ोदरा (श्री जवरीलालजी श्री श्रीमाल-ब्यावर की 20वीं पुण्यतिथि पर), अम्बालालजी अनिलकुमारजी देशरला-मैसूर, पुखराजजी विनोदकुमारजी अजितकुमारजी डागलिया-मैसूर, उत्तमचंदजी अरुणकुमारजी अरिहंतजी डागलिया-मैसूर

1,000/- पारसमलजी तरुणकुमारजी भंसाली-खैरागढ़ (श्री जिनेन्द्रजी भंसाली की पुण्यस्मृति में)

समता साहित्य स्टॉल अनुदान

2,500/- कैलाशजी कोठारी-गंगापुर

2,000/- प्रमोदजी गेलड़ा-विजयवाड़ा

1,000/- कन्हैयालालजी अनिताजी बाफना-लखनपुरी

सर्वधर्मी सहयोग (महिला समिति)

2,000/- निर्मलकुमारजी पीयूषकुमारजी कोठारी-कोलकाता (श्रीमती कमलादेवी कोठारी की पुण्यस्मृति में)

शिक्षण एवं स्वाध्यायी फंड
(निम्न के सौजन्य से प्राप्त)

70,000/- गुप्तदान-बैंगलोर

श्रमणोपासक भेंट

21,000/- का सहयोग प्रत्येक से प्राप्त ललितादेवी कोठारी सपरिवार-कोलकाता (श्री हेमंतजी कोठारी की पुण्यस्मृति में), जयचंदलालजी निर्मलकुमारजी अजयकुमारजी भूरा-करीमगंज

11,000/- का सहयोग प्रत्येक से प्राप्त

वीरेन्द्रकुमारजी पितलिया-रतलाम (श्री शांतिलालजी पितलिया की पुण्यस्मृति में), पुखराजजी अरिहंतजी अब्भाणी बैंगलोर/बीकानेर, कंचनदेवी मिलापचंदजी कोचर-दुर्ग (सुपौत्र ऋषभ संग मेघा के शुभविवाह के उपलक्ष्य में)

10,500/- देवेन्द्रकुमारजी गणेशकुमारजी अखिलेशकुमारजी पीयूषकुमारजी मेहता-बड़ीसादड़ी

5,100/- अमृतलालजी सहलोत-निकुम्भ (श्रीमती मनोरमादेवी की पुण्यस्मृति में)

2,100/- अशोककुमारजी डूंगरवाल-निम्बाहेड़ा

1,100/- का सहयोग प्रत्येक से प्राप्त निर्मलकुमारजी पियूषकुमारजी कोठारी-कोलकाता (श्रीमती कमलादेवी कोठारी की पुण्यस्मृति में), कमलकुमारजी मिन्नी-भीनासर

1000/- कैलाशचंदजी जैन-सवाईमाधोपुर (नवीन जैन के शुभविवाह के उपलक्ष्य में)

500/- पन्नालालजी कन्हैयालालजी लोढ़ा-अहमदाबाद (सुशीलाकँवरजी बाफना के संथारे के सम्मान में)

श्री गणेशजैन छात्रावास-उदयपुर

51,000/- अतुलजी चण्डालिया-उदयपुर (माता-पिता की पुण्यस्मृति में)

समता संस्कार पाठशाला

2,500/- अनुजजी अल्पनाजी जैन-हरदा

: विशेष :

साहित्य आजीवन सदस्यता 03, श्रमणोपासक आजीवन सदस्यता 50

1 मई 2021 से 30 अप्रैल 2022

श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ के बैंक खाते में अधोलिखित राशियाँ विभिन्न दानदाताओं ने जमा करवाई हैं, लेकिन कार्यालय को जमाकर्त्ता के नाम एवं किस मद हेतु राशि जमा की गई, इसकी सूचना प्राप्त न होने से ये राशियाँ संघ के सस्पेंस खाते में संयोजित हैं। अत: जिन दानदाताओं ने राशि के सामने अंकित दिनांक को ये राशियाँ जमा करवाई हैं, वे केन्द्रीय कार्यालय, बीकानेर को मोबाईल नम्बर 7976520588 पर सूचित कर अपनी पक्की रसीद अतिशीघ्र ही प्राप्त करें।

दिनांक	राशि	अन्य विवरण
एस.बी.आई बैंक		
05.05.21	600/-	UPI नीरजकुमार
06.05.21	1100/-	नकद
13.05.21	1101/-	राजेन्द्रकुमार जैन
14.05.21	501/-	IMPS
20.07.21	9100/-	नकद
20.07.21	2000/-	नकद
26.07.21	1000/-	UPI
13.08.21	500/-	बांठिया अशोक
04.09.21	1110/-	रमाकान्त
07.09.21	2199/-	IMPS
19.09.21	501/-	भारत जैन
22.09.21	1100/-	सतीश सौभाग
01.10.21	2240/-	Ch.No. 249935 (पवनकुमार)
04.10.21	2100/-	Ch.No. 14884 (जे. पूनम)
05.10.21	7100/-	Ch.No. 20020045
22.10.21	1100/-	अरुण कुमार
06.11.21	2100/-	अनुराग बरड़िया
29.11.21	5000/-	नेफ्ट
05.12.21	500/-	राहुल जैन
06.12.21	12350/-	Ch.No. 1782
09.12.21	2100/-	आयुषी जैन
09.12.21	2000/-	आयुषी जैन
09.12.21	1500/-	आयुषी जैन
09.12.21	1500/-	आयुषी जैन
13.12.21	1100/-	ऋषभ सिपानी
14.12.21	600/-	नकद

06.01.22	11000/-	सोनू
07.01.22	5000/-	भरत जैन
16.02.22	25000/-	रोहन
22.02.22	2200/-	सिद्धार्थ
05.03.22	3000/-	रितेश
08.03.22	5000/-	नकद
09.03.22	2537/-	दीपिका
31.03.22	2100/-	विनय गोलछा
31.03.22	21600/-	रतलाम
18.04.22	7950/-	Ch.No. 439337

यूको बैंक

14.06.21	500/-	नकद
13.01.22	5620/-	नकद
31.03.22	2000/-	नकद

भूल सुधार

श्रमणोपासक के 29-30 अप्रैल, 2022 के अंक में-

1. समता भवन लूणकरणसर हेतु प्राप्त सहयोग में सुलोचना बरड़िया द्वारा प्राप्त राशि को इस प्रकार पढ़ा जाए- श्रीमती सुन्दरदेवी धर्मपत्नी नेमचंदजी बरड़िया के आत्मज सुलोचना गोरधन बरड़िया परिवार

2. सामाजिक सुरक्षा योजना के अन्तर्गत 20,300/- जेठीदेवी कुमुददेवी सिपानी-बैंगलोर एवं साधुमार्गी पब्लिकेशन सहयोग के अन्तर्गत 20,000/- नीलूजी चण्डालिया-रतलाम को श्री धर्मपाल प्रचार-प्रसार समिति के अन्तर्गत पढ़ा जाए।

राम चमकते भानु समाना

आचार विशुद्धि महोत्सव

20 सूत्री भक्ति आयाम ग्रहण करने वाले धर्मानुरागी श्रावक-श्राविकाएँ

15 से 19 भक्ति आयाम ग्रहण करने वाले धर्मानुरागी श्रावक-श्राविकाएँ

1. संध्या बोथरा-दुर्ग

10 से 14 भक्ति आयाम ग्रहण करने वाले धर्मानुरागी श्रावक-श्राविकाएँ

2. चन्दा बोथरा-दुर्ग
3. शोभना बोथरा-दुर्ग
4. अमिता बोथरा-दुर्ग

05 से 09 भक्ति आयाम ग्रहण करने वाले धर्मानुरागी श्रावक-श्राविकाएँ

5. गीता पारख-दुर्ग
6. भारती पारख-दुर्ग
7. निलेश पारख-दुर्ग
8. सुमन बोथरा-दुर्ग

01 से 04 भक्ति आयाम ग्रहण करने वाले धर्मानुरागी श्रावक-श्राविकाएँ

9 सिद्धार्थ गोलछा-जयपुर
10 शुभम सिंह मेहता-टोंक
11 सुभाष चन्द लोढा-ब्यावर
12 श्रीकांत सांखला-छुईखदान
13 नवीन जैन-धमधा
14 राजेश कुमार जैन-धमधा
15 धर्मचन्द सेठिया-रायपुर
16 कुशल सेठिया-रायपुर
17 केतन चौरड़िया-राजनांदगाँव
18 दिनेश चौरड़िया-राजनांदगाँव
19 राजा ओसवाल-राजनांदगाँव
20 राहुल जैन-कुसुमकसा
21 रोहन जैन-कुसुमकसा
22 मुकेश जैन-डौंडीलोहारा
23 मोनाली सिसोदिया-सैंती
24 काली सिंघवी-सैंती
25 रंजना चण्डालिया- सैंती
26 ललित कुमार बोहरा-कोटा
27 कविश जैन-सवाईमाधोपुर
28 नवीन कुमार जैन-सवाईमाधोपुर
29 गुलाब जैन-कुण्डेरा
30 हेमप्रकाश जैन-कुण्डेरा
31 अंशुल मेहता-टोंक
32 हर्षित जैन-धमधा
33 आदित्य छाजेड़-धमधा
34 भावेश छाजेड़-धमधा
35 नितेश जैन-रायपुर
36 शुभम् चौरड़िया-राजनांदगाँव
37 भव्य पारख-दुर्ग
38 शशि पारख-दुर्ग
39 सिल्की देसलहरा-दुर्ग
40 इन्द्रा पारख-दुर्ग
41 सरला गोलछा-दुर्ग
42 डॉली कांकरिया-दुर्ग
43 अजय कांकरिया-दुर्ग

सुश्राविका उगमा देवी बैदमुथा

धर्मनिष्ठ सुश्राविका श्रीमती उगमा देवी बैदमुथा धर्मपत्नी स्वर्गीय श्री पुखराजजी बैदमुथा, बागबाहरा एवं बिलासपुर छत्तीसगढ़ निवासी (मरुधर में केकिन्द जसनगर) का 91 वर्ष की अवस्था में 10 नवंबर 2021 को देवलोकगमन हुआ। आपका जन्म मेड़तासिटी (राज.) में पिता स्व. श्री शिवजीरामजी बाघमार एवं माता स्व. श्रीमती सायरकँवरजी बाघमार के घर-आँगन में हुआ।

आपका विवाह स्व. श्री पुखराजजी बैदमुथा (सुपुत्र स्व. श्री हमीरमलजी-स्व. श्रीमती कनफूल देवी बैदमुथा) के साथ संपन्न हुआ। देव, गुरु एवं धर्म के प्रति आपकी आस्था प्रबल थी। आप सरल स्वभावी, मृदुभाषी, मिलनसार एवं हंसमुख प्रकृति की धनी थी। आपने 2 मासखमण, 15, 11, अठाई, तेला एवं बेला की अनगिनत तपस्याएँ सम्पन्न की। कई वर्षों से एकासना एवं प्रतिदिन दो सामायिक करना आपकी दिनचर्या में शामिल था।

आपको परम पूज्य आचार्य श्री नानेश एवं परम पूज्य आचार्य श्री रामेश के दर्शन-वंदन-सेवा का लाभ प्राप्त हुआ। आपने अपने पति स्व. श्री पुखराजजी बैदमुथा के साथ पूरे परिवार की जिम्मेदारी का बखूबी निर्वहन करते हुए सुपुत्र-सुपुत्रियों, पौत्र-पौत्रियों को उच्च संस्कारों की शिक्षा प्रदान की। परिणामस्वरूप आपके द्वारा दी गई शिक्षा और आशीर्वाद से सुपुत्र इंदरचंद (सेवानिवृत्त डिप्टी कमिश्नर जीएसटी), पौत्र शितेष (असिस्टेंट प्रोफेसर बिलासपुर), पौत्र सिद्धार्थ (ब्रांच मैनेजर, बैंक ऑफ बड़ौदा) में कार्यरत हैं एवं पौत्रवधू डॉ. नेहा (असिस्टेंट प्रोफेसर बिलासपुर), पौत्रवधू रोशनी (बी.टेक.), पौत्री सोनल बैदमुथा (लेक्चरर बिलासपुर), पौत्री डॉ. स्वाति नाहर (असिस्टेंट प्रोफेसर भोपाल) अपने कर्तव्य पथ पर अडिग रहते हुए अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर रहे हैं।

परिवार के सभी सदस्यों का आपसे आत्मीय जुड़ाव था। आपकी दिवंगत आत्मा को सर्वोच्च गति एवं चिरशांति के साथ शाश्वत सुख प्राप्त हों ऐसी मंगलकामना वीतराग प्रभु से करते हैं।

: श्रद्धावनत् :

इंदरचंद-पुष्पा (पुत्र-पुत्रवधू), शितेष-डॉ. नेहा, सिद्धार्थ-रोशनी (पौत्र-पौत्रवधू), सोनल बैदमुथा (पौत्री), स्वाति-अर्पितजी नाहर, भोपाल (पौत्री-दामाद), सुशीलाजी-श्री मदनलालजी लुनिया, बागबाहरा, विमलाजी-श्री खुशालचंदजी भंसाली, सूरत, शोभाजी-श्री किशोरचंदजी श्रीश्रीमाल, रायपुर (सुपुत्री-दामाद), स्व. सुगनचंदजी-स्व. किरणदेवी बाघमार, चैन्नई, स्व. बुधराजजी-स्व. शांतादेवी, चैन्नई, स्व. बादलचंदजी-स्व. विमलादेवी बाघमार, श्रीकालाहस्ती, स्व. संपतराजजी-श्रीमती पुष्पादेवी बाघमार, श्रीकालाहस्ती, श्री ज्ञानचंदजी-श्रीमती संतोषदेवी बाघमार, श्रीकालाहस्ती, श्री विमलकुमारजी-श्रीमती कांतादेवी बाघमार, मेड़ता, श्री कमलकुमारजी-श्रीमती शारदा बाघमार, मेड़ता (भाई-भाभी)

हार्दिक श्रद्धांजलि

स्व. श्री फतेहलालजी चावत

जन्म : 01.01.1925 **स्वर्गवास : 05.04.2022**

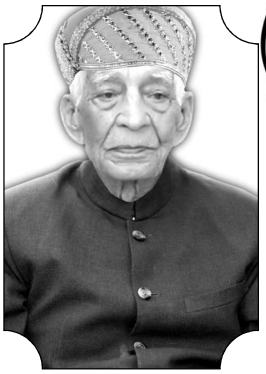

धर्मनिष्ठ, चावत परिवार के वरिष्ठतम, पूजनीय श्री फतेहलालजी चावत का दि. 05.04.2022 को 97 वर्ष की आयु में देवलोकगमन हो गया। आपश्री बचपन से ही संघर्षशील, कर्तव्यनिष्ठ रहे। आपने जीवन में कई उतार-चढ़ाव देखते हुए परिवार को आगे बढ़ाते रहे। आप 40 वर्षों तक श्री साधुमार्गी जैन संघ, लसड़ावन के अध्यक्ष रहे। आपके अध्यक्षीय कार्यकाल में गाँव में चारित्रात्माओं के 5 चातुर्मास सम्पन्न हुए। आपने संघ की विभिन्न गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी निभाते हुए संघ को मजबूती प्रदान की। आप संघ, समाज में सदैव गरीब, कमजोर दु:खी लोगों की सेवा में अग्रणी रहे। आपने न्याय पंचायत, लसड़ावन के प्रमुख रहते हुए सच्चाई, निर्भीकता व ईमानदारी से बिना भेदभाव किए न्याय प्रदान किया। आपकी इन विशेषताओं के कारण आप गाँव के आजीवन लोकप्रिय, न्यायप्रिय जनसेवक रहे।

आपकी धर्मपत्नी श्रीमती लेहरीबाई भी धर्मनिष्ठ, कर्मनिष्ठ व परिवार की वरिष्ठ महिला हैं। साधु-सन्तों की सेवा में आप सदैव तत्पर रहती हैं। आपके पुत्र कमलेशजी चावत भी आपके ही पद्चिन्हों पर चलते हुए वर्ष 2005 से 2010 तक गाँव के सरपंच पद पर आसीन रहे तथा वर्तमान में स्थानीय संघ के अध्यक्ष हैं। राजनैतिक व सामाजिक क्षेत्र में आपका पूरा परिवार सक्रिय है।

स्व. श्री भैरूलालजी बिजोलिया, स्व. श्री सुजानमलजी चावत-छोटीसादड़ी आपके ज्येष्ठभ्राता तथा स्व. श्री देवीलालजी चावत (Dy S.P.) चित्तौड़गढ़ आपके लघुभ्राता थे। डॉ. भगवतीलालजी चावत आपके लघुभ्राता हैं। आप अपने पीछे एक पुत्र कमलेशजी चावत, भतीजे श्री पुनमचन्दजी, राकेशकुमारजी, सुमतिकुमारजी, अविनाशजी, मुकेशजी, विनोदजी, कुशालजी, लोकेशजी, दीपकजी, नरेन्द्रजी, सुपौत्र राहुल, हिमांशु, रितिक चावत, प्रपौत्र आगम चावत, प्रपौत्री ध्रुवी चावत आदि से भरा-पूरा संस्कारवान परिवार छोड़कर गए हैं। आपके पुत्र श्री सुरेशजी चावत का देवलोकगमन हो चुका है।

ऐसे महामना को समस्त चावत परिवार अश्रुपूरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए वीर प्रभु से प्रार्थना करता है कि उनकी आत्मा को चिरशान्ति प्रदान करें।

: श्रद्धावनत् :

श्रीमती लेहरीबाई (धर्मपत्नी), डॉ. बी.एल. चावत-सुशीला (भ्राता-वधू), कमलेशकुमार-कुसुमलता, स्व. सुरेशकुमार-सरितादेवी (पुत्र-पुत्रवधू), राहुल-निकिता (पौत्र-पौत्रवधू), हिमांशु, रितिक (पौत्र), आगम-ध्रुवी (प्रपौत्र-प्रपौत्री), पुनमचन्द, राकेश, सुमति, अविनाश, मुकेश, विनोद, कुशाल, लोकेश, दीपक, नरेन्द्र (भतीजे), बेबी-अमरसिंह, सुशीला-अशोक, इन्दु-पारस, स्नेहलता-नेमीचन्द (पुत्री-दामाद), नीलम-अशोक, पूजा-वैभव (पौत्रियाँ-दामाद), मितांश, रचित (पड़दोहिते) एवं समस्त चावत परिवार, लसड़ावन, जिला- चित्तौड़गढ़ (राज.)

फर्म- गुरुकृपा कन्स्ट्रक्शन, नवकार सप्लायर्स, लसड़ावन (राज.)
सम्पर्क : 9887755002, 9829640983, 9950506253, 9001126351

सुश्रावक श्री शांतिलालजी पितलिया रतलाम

स्व. श्री शांतिलालजी पितलिया सुपुत्र श्री बक्तावरमलजी पितलिया की आचार्य श्री नानेश एवं आचार्य श्री रामेश के प्रति अटूट श्रद्धा थी। चारित्रात्माओं की सेवा में आप सदैव अग्रणी रहते थे। आपकी धर्मसहायिका श्रीमती कमलादेवी पितलिया एवं पुत्र वीरेन्द्र, राजेन्द्र आदि समस्त परिवार साधु-साध्वियों की सेवा एवं संघ व समाज के कार्यों हेतु सदैव अपनी प्रशस्त सेवाएँ प्रदान करते हैं।

श्री शांतिलालजी के प्रतिदिन सामायिक, प्रतिक्रमण, समता भवन में चउदस का पौषध, पंचमी को आयम्बिल आदि करने के नियम थे। कई वर्षों तक आपने स्वाध्यायी सेवा प्रदान की। देव-गुरु-धर्म पर आपकी पूर्ण समर्पणा थी। आत्मीयता का गुण आप में कूट-कूट कर भरा था। छोटे-बड़े सभी के साथ अत्यन्त वात्सल्यता से घुल-मिल जाते थे। आप स्वाध्यायी सेवा हेतु श्री मगनलालजी सा मेहता एवं श्रीमती शांताबहन मेहता के साथ जाते थे। मात्र दो दिनों की बीमारी के बाद आपने देह त्याग दी। ना आपने स्वयं कोई कष्ट देखा और ना ही अन्य किसी को कष्ट दिया।

समाज सेवा के क्षेत्र में भी आपका प्रभूत योगदान रहा। कई वर्षों तक आपने श्री चम्पालालजी पिरोदिया के साथ प्रतिदिन रतलाम के सिविल हॉस्पिटल में मरीजों को फल-फ्रूट आदि वितरित किए और पिरोदियाजी के देहावसान के बाद भी आपने इस सेवा कार्य को अन्त तक जारी रखा। अन्तिम समय तक आपने अनेक प्रकार के त्याग-प्रत्याख्यान कर लिए थे।

आप अपने पीछे भरा-पूरा संस्कारवान परिवार छोड़कर गए हैं। सम्पूर्ण परिवार आपके पद्चिन्हों पर चलकर जीवन धन्य बना रहा है। आराध्यदेव से प्रार्थना है कि आप शीघ्र ही सिद्ध-बुद्ध-मुक्त हो अन्तिम लक्ष्य मोक्ष को प्राप्त करें।

: श्रद्धावनत् :

कमलादेवी पितलिया, वीरेन्द्र-रजनी, राजेन्द्र-सुषमा पितलिया, मीना-अशोक भण्डारी, वैभव-नेहा, विवेक-स्वीटी, क्रिशवी, निरवी, बोधी, विज्ञ एवं समस्त पितलिया परिवार, रतलाम

शोक संदेश

गुवाहाटी। सुश्राविका जतनदेवी बोथरा धर्मपत्नी लुणकरणजी बोथरा का 4 मई को 69 वर्ष की आयु में देहावसान हो गया। आपकी आचार्य श्री नानेश एवं आचार्य श्री रामेश शासन के प्रति अटूट आस्था थी। दैनिक नित्य-नियम, सामायिक एवं छोटे-छोटे व्रत-प्रत्याख्यानों से आप सदैव जुड़ी रहती थी। आप अपने पीछे भरा-पूरा संस्कारवान परिवार छोड़कर गई हैं।

देशनोक। सुश्रावक लिखमीचंदजी सांड का 17 अप्रैल को निधन हो गया। आपने श्री साधुमार्गी जैन संघ, देशनोक के कोषाध्यक्ष पद पर अनेक वर्षों तक सेवाएँ दी। आपका जीवन धर्म भावना से ओत-प्रोत था। आपने तीन आचार्यों के दर्शन-सेवा का लाभ लिया। आपके कई वर्षों से रात्रिभोजन, जमीकंद, बाजार की मिठाई का त्याग था। आप अपने पीछे भरा-पूरा संस्कारित परिवार छोड़कर गए हैं।

दुर्ग। सुश्रावक प्रकाशचंदजी देशलहरा का 13 फरवरी को निधन हो गया। आप श्री साधुमार्गी जैन संघ-दुर्ग के समर्पित कार्यकर्ता थे। पर्युषण पर्व में 8 दिन मौन साधना एवं दीपावली पर तेला तपाराधना अनेक वर्षों तक करते रहे। आप आचार्य श्री नानेश एवं आचार्य श्री रामेश के प्रति अटूट आस्थावान थे। साध्वी श्री कंचनश्रीजी म.सा. के आप संसारपक्षीय भाई थे। आप अपने पीछे भरा-पूरा संस्कारवान परिवार छोड़कर गए हैं।

कोटा। सुश्राविका संतोषजी मेहता धर्मपत्नी स्व. श्री राजेन्द्रसिंहजी मेहता का 13 अप्रैल को 82 वर्ष की आयु में देवलोकगमन हो गया। आपने मात्र 37 वर्ष की आयु में आजीवन ब्रह्मचर्य व्रत का संकल्प लिया। आपके आजीवन रात्रिभोजन व जमीकन्द का त्याग था। आपने जीवनकाल में 1 मासखमण, 16 उपवास, अनेक अठाइयाँ व तेले तथा अन्य फुटकर तपस्याएँ करके कर्मनिर्जरा की। आप देव-गुरु-धर्म के प्रति अत्यन्त निष्ठावान थी। चारित्रात्माओं की सेवा हेतु सदैव अग्रणी रहती थी। आप अपने पीछे भरा-पूरा संस्कारवान परिवार छोड़कर गई हैं।

बीकानेर। सुश्राविका शर्मिलादेवी दस्सानी धर्मपत्नी श्री शान्तिलालजी दस्सानी का 29 अप्रैल को 53 वर्ष की आयु में निधन हो गया। आप मिलनसार, हंसमुख स्वभाव की महिला थी। सामायिक, एकासन, उपवास, स्वाध्याय आदि करती रहती थी। आप साध्वी श्री विपुलाश्रीजी म.सा. की संसारपक्षीय भाभीजी थी। संघ व शासन के प्रति आपकी अटूट आस्था थी। आप अपने पीछे भरा-पूरा संस्कारवान परिवार छोड़कर गई हैं।

भाग्य और पुरुषार्थ

परम पूज्य आचार्य प्रवर 1008 श्री नानालालजी म.सा.

अधिकांश मानवों की यह कल्पना होती है कि मैं कुछ नहीं कर सकता, होता वही है जो विधाता ने लेख लिख दिया है। इन विचारों के कारण मानव की नव-नवोन्मेषिनी प्रतिभा कुंठित होती चली जाती है। अभिनव आविष्कारों के द्वारा अवरूद्ध हो जाते हैं। उन्नति के पथ पर एक बहुत बड़ी चट्टान आ खड़ी होती है। भोजन की सारी सामग्री उपलब्ध है लेकिन भोजन करने वाला कवल को मुंह में लेकर दांतों से चबाकर जब तक पेट में नहीं उतारता है, तब तक उसकी भूख शांत नहीं हो सकती। इतना पुरुषार्थ उसे करना ही होता है। जीवन के हर क्षेत्र में पुरुषार्थ की अनिवार्य आवश्यकता होती है। जीवन रूपी रथ को दो पहिए हैं। एक तरफ अपना कर्म (भाग्य) है तो दसरी ओर पुरुषार्थ। इन दोनों के संयोग से ही जीवन-रथ निश्चित दिशा की ओर गतिमान हो सकता है। केवल भाग्याश्रित मानव कभी भी उन्नति के चरम छोर को नहीं छू सकता। उन्नति केपथ पर बढ़ने के लिए इन नैराश्यपूर्ण विचारों से हटकर, सबल पुरुषार्थ के साथ आगे बढ़िये, तब अवश्य ही सुख का अतुल खजाना प्राप्त होगा।

-साभार नानेशवाणी

धार्मिक कार्य-

मेवाड़ अंचल-

बम्बोरा:- 14 अप्रैल 2022 को भगवान महावीर जन्मकल्याणक के उपलक्ष्य में सामूहिक नवकार मंत्र का जाप किया गया। रात्रि प्रतिक्रमण में 245 महिलाओं की उपस्थिति थी। 15 अप्रैल 2022 आचार्य श्री रामेश जन्मदिवस के उपलक्ष्य में सुबह 7:00 बजे व्यसनमुक्ति जागरणा हेतु रैली निकाली गई, जिसमें 50 से अधिक महिलाओं ने भाग लिया।

बड़ीसादड़ी- आचार्य श्री रामेश जन्मदिवस पर सामूहिक नवकार मंत्र का जाप तथा 5-5 सामायिक हुई। 28 अप्रैल 2022 को महिला मण्डल व बहुमण्ड़ल द्वारा चौबीसी का आयोजन किया गया।

भीलवाड़ा- 14 अप्रैल 2022 को समता महिला मण्डल द्वारा भगवान महावीर जन्म कल्याणक के उपलक्ष्य में भगवान महावीर जन्मकल्याणक स्पेशल उपसर्ग प्रतियोगिता कराई गई, जिसमें ''**मनुष्य से महावीर बनने की यात्रा तय करें**'' के विजेता प्रथम ज्योतिजी भूरा, द्वितीय रंजिताजी बुच्चा तथा तृतीय ललिताजी लोसर रहे।

15 अप्रैल 2022 आचार्य श्री रामेश जन्मदिवस पर ''**राम में राम भरो**'' प्रतियोगिता कराई, जिसमें संजूजी बाँठिया तथा सरिताजी जैन विजेता रहीं। बच्चों में पर्व बुच्चा व गर्वित बुच्चा को महिला मंडल द्वारा पारितोषिक देकर सम्मानित किया गया।

चित्तौड़गढ़- 25 महिलाओं ने 9 दिन तक अखण्ड ओलीजी तप की आराधना की। 15 अप्रैल को आचार्य श्री रामेश जन्मदिवस पर 25 आयंबिल और 24 एकासन हुए।

निम्बाहेड़ा- 26 अप्रैल 2022 को महिला मण्डल द्वारा वर्षीतप के तपस्वियों का बहुमान व चौबीसी का कार्यक्रम रखा गया। महिला मण्डल द्वारा आचार्य भगवन् द्वारा प्रदत्त 20 सूत्रीय आयाम में ज्ञान भक्ति, दशवैकालिक के चार अध्ययन, उववाई की 22 गाथाएँ एवं नमिपवज्जा कंठस्थ करने वाले तथा 50 थोकड़े की परीक्षा देने वाले परीक्षार्थियों का सम्मान किया गया।

फतेहनगर और प्रतापगढ़ में भी महिला मण्डल द्वारा आचार्य श्री रामेश जन्मदिवस पर सामूहिक नवकार मंत्र का जाप व 2 सामायिक की गई।

बीकानेर-मारवाड़ अंचल-

नोखा- शासन दीपिका साध्वी श्री निखारश्रीजी म.सा. आदि ठाणा-4 के सान्निध्य में जैन जवाहर भवन में आचार्य श्री रामेश जन्मदिवस के अवसर पर महिला मण्डल द्वारा आचार्य भगवन् की महिमा एवं उनके आयामों पर विशेष कार्यक्रम रखा गया। वर्षीतप एवं नवपद ओली, आयंबिल तप आराधिकाओं का महिला मण्डल-नोखा द्वारा तपाभिनंदन एवं अनुमोदन किया गया।

जयपुर-ब्यावर अंचल-

जयपुर:- भगवान महावीर जन्मकल्याणक पर समता महिला मंडल एवं समता बहू मंडल के संयुक्त तत्वावधान में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम ''**झलक प्रभु वीर एवं गुरु राम की**'' आयोजित किया गया, जिसमें लगभग 100 महिलाओं की उपस्थिति थी और काफी बच्चे भी थे। इसमें आचार्य श्री रामेश के जीवन चारित्र एवं उनके द्वारा प्रदत्त आयामों जैसे- उत्क्रांति, परिवारांजली, व्यसनमुक्ति इत्यादि का नाट्य रूपान्तरण कर सभी को समझाया गया और प्रभु वीर की जीवन की झलक प्रस्तुत की गई। 15 अप्रैल को आचार्य श्री रामेश के जन्मदिवस पर समता भवन में 2-2 सामायिक का आयोजन किया गया।

ब्यावर :- 24 अप्रैल को महिला समिति के

तत्वावधान में ''सामायिक-साधना का शिलान्यास'' शिविर का आयोजन हुआ।

मध्यप्रदेश अंचल-

रतलाम- 1 अप्रैल को आनुपूर्वी एवं 2 अप्रैल को नवकार मंत्र का जाप हुआ। 15 अप्रैल को महिला समिति द्वारा सामूहिक प्रभात फेरी, रामेश चालीसा पर पहेली, भगवान महावीर के जीवन पर प्रश्न प्रतियोगिता, 3-3 सामायिक एवं 26 अप्रैल को वर्षीतप तपस्वियों की अनुमोदना हेतु चौबीसी का आयोजन किया गया।

इन्दौर- 14 अप्रैल को श्रमण भगवान श्री महावीर स्वामी जन्मकल्याणक के उपलक्ष में शोभायात्रा द्वारा पोस्टर आदि से उत्क्रांति का संदेश जन-जन तक पहुँचाया गया। जुलूस में चलने वाले बच्चों को पुरस्कृत किया गया। व्यसनमुक्ति संकल्प के 101 फार्म भरवाए गए। 15 अप्रैल को नवकार मंत्र का जाप, रामेश चालीसा व 5-5 सामायिक का आयोजन हुआ। एकासन, आयंबिल, रात्रि संवर व पौषध हुए।

जावरा- आचार्य श्री रामेश जन्मदिवस पर प्रवचन में रामेश चालीसा पर आधारित प्रतियोगिता करवाई गई। शासन दीपिका साध्वी श्री मनोरमाश्रीजी म.सा. के सानिध्य में तीन दिवसीय ''बेसिक ऑफ जैनिज्म'' विषय पर शिविर लगाया गया। प्रतिदिन सुबह व दोपहर को जैन सिद्धान्त बत्तीसी की कक्षा भी चल रही है, जिसमें 45-50 महिलाएँ भाग ले रही हैं।

नीमच- 12 से 14 अप्रैल तक भगवान महावीर जन्मकल्याणक महोत्सव मनाया गया, जिसमें अंताक्षरी प्रतियोगिता, सांस्कृतिक कार्यक्रम हुआ। 15 अप्रैल को आचार्य श्री रामेश जन्मदिवस पर साध्वी श्री सुशीलाकँवरजी म.सा. के सानिध्य में नवकार मंत्र जाप व रामेश चालीसा पठन का आयोजन रखा गया। लगभग 250 सामायिक एवं 30-35 आयंबिल व एकासन हुए।

पिपलियामंडी- 4 से 6 अप्रैल तक शासन दीपिका साध्वी श्री प्रेमलताजी म.सा. के सान्निध्य में साध्वी श्री कल्पमणीजी म.सा. द्वारा बहुओं का त्रिदिवसीय शिविर लगाया गया। जिसका विषय था **''जीवन के मुख्य तथ्य तथा धर्म से कैसे जुड़े''**।

जावद- 5 अप्रैल को साध्वी श्री निरामगंधाजी म.सा. के सान्निध्य में जैन सिद्धान्त बत्तीसी को सरल तरीके से याद करवाया गया। 5 से 14 अप्रैल तक शासन दीपिका साध्वी श्री वनिताश्रीजी म.सा. द्वारा भगवान महावीर के 27 भव पर जानकारी दी गई। आचार्य श्री रामेश जन्मदिवस पर सामूहिक एकासन हुए। 15 से 28 अप्रैल तक साध्वी श्री संभवश्रीजी म.सा. द्वारा लघुदण्डक की कक्षा ली गई।

छत्तीसगढ़-उड़ीसा अंचल-

दुर्ग- भगवान महावीर जन्मकल्याणक व आचार्य श्री रामेश जन्मदिवस पर 5-5 सामायिक तथा विभिन्न रोचक प्रतियोगिताएँ करवाई गई। जैसे- मुझे पहचानो, क्विज टाईम आदि। इनमें 60-65 महिलाओं ने भाग लिया।

कलंगपुर- 14 दिन का शिविर आयोजित किया गया, जिसमें बच्चों व महिलाओं को जैन सिद्धांत बत्तीसी, 50 थोकड़े, वचन व्यवहार, रूपी-अरूपी का थोकड़ा, देवता के 198 भेद आदि का ज्ञान करवाया गया।

राजनांदगाँव- भगवान महावीर जन्मकल्याणक के उपलक्ष्य में बालिका मंडल की निबन्ध प्रतियोगिता करवाई गई, जिसमें 35 बालिकाओं ने भाग लिया। आचार्य श्री रामेश जन्मदिवस पर 2 सामायिक तथा गुणानुवाद सभा का आयोजन किया गया।

रायपुर- शासन दीपक श्री हर्षितमुनिजी म.सा. द्वारा महिलाओं का दो दिवसीय शिविर था जिसका विषय था भिक्षा विधि। 24 अप्रैल से 1 मई तक आयोजित शिविर में 130 बच्चों ने भाग लिया। शिविर

में पाँच पदों पर योगा के साथ, उनके गुण, रंग तथा संघ की धारणा की जानकारी दी गई। प्रोजेक्टर द्वारा मोटिवेशनल मूवी दिखाकर कीर्तिजी साँखला द्वारा प्रश्नोत्तर किए गए। पक्खी पर 165 नीवी के प्रत्याख्यान हुए।

कर्नाटक-आंध्रप्रदेश अंचल-

बैंगलोर- दिनांक 13 से 15 अप्रैल तक शासन दीपक श्री छत्रांकमुनिजी म.सा. के सान्निध्य में ''दैनिक कार्यों में धर्म को समझने'' एवं ''कर्म बंधन से कैसे बच सकते हैं'' विषय पर शिविर रखा गया, जिसमें 42 महिलाओं ने भाग लिया।

हैदराबाद- 10 अप्रैल को व्यसनमुक्ति जागरूकता साईकिल रैली निकाली गई, जिसमें 120 श्रावक-श्राविकाओं ने भाग लिया।

मुम्बई-गुजरात-यू.ए.ई अंचल-

पुणे:- भगवान महावीर जन्मकल्याणक और आचार्य श्री रामेश के जन्मदिवस पर 21 एकासन हुए व 2 लोगों ने एकासन का वर्षीतप प्रारम्भ किया।

सूरत :- भगवान महावीर जन्मकल्याणक एवं आचार्य श्री रामेश का जन्मदिवस पर संयुक्त प्रभात फेरी में समता महिला मंडल एवं बहू मंडल ने भाग लिया। 15 अप्रैल को विविध रंगों से सजे कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें 8 कर्मों पर आधारित न्यूज, 18 पापस्थान पर आधारित संसार घटाने वाले विज्ञापन प्रस्तुत किए गए। प्रभु महावीर एवं आचार्य श्री रामेश के जीवन पर लघु नाटिकाओं की प्रस्तुति में 14 स्वप्न, देव उपसर्ग से वर्धमान बने महावीर, राजा श्रेणिक की नरक आयुष्य खत्म करने हेतु प्रभु द्वारा दिए गए उपाय, बालक जयचंद से मुनि राम, चंदनबाला द्वारा प्रभु महावीर के 13 अभिग्रहों का फलना आदि विषय प्रमुख रहे। 30 अप्रैल को समता भवन में महिला समिति शिविर ''जैन संस्कार पाठ्यक्रम परीक्षा'' पर स्वीटीजी पगारिया द्वारा आयोजित किया गया, जिसमें शिविरार्थियों की शंकाओं का समाधान, परीक्षाओं के लिए प्रेरित करना एवं परीक्षा से पूर्व तैयारी करने आदि के बारे में पूजाजी भूरा द्वारा जानकारी दी गई। जयश्रीजी बच्छावत एवं सुनिताजी श्रीमाल द्वारा धार्मिक क्रिकेट की गतिविधि करवाई गई। इसमें ऊषाजी कांकरिया, दीपालीजी ललवानी, प्रीतिजी पगारिया एवं मोनिकाजी भंडारी की टीम विजेता रही।

महाराष्ट्र-विदर्भ-खानदेश अंचल-

जलगाँव- श्री महावीर जन्मकल्याणक दिवस पर समता महिला मंडल ने 6 काय के जीवों की रक्षा पर चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की तथा बहू मंडल ने शाकाहार विषय पर नाटक व झांकी प्रस्तुत की।

भंडारा- श्री महावीर जन्मकल्याणक दिवस पर **''कौन बनेगा धर्मपति''** प्रतियोगिता आयोजित की गई।

बंगाल-बिहार-नेपाल-भूटान-

कोलकाता :- भगवान श्री महावीर जन्मकल्याणक दिवस पर प्रभात फेरी तथा आचार्य श्री रामेश जन्मदिवस पर सामूहिक गुणानुवाद सभा एवं प्रश्नोत्तरी में बहिनों ने उत्साह से भाग लिया।

पूर्वोत्तर अंचल :-

विश्वनाथ चाराली- 300 मांसाहारी लोगों ने भगवान महावीर के जन्मकल्याणक के उपलक्ष्य में शाकाहारी भोजन किया। नाट्य रूपान्तर द्वारा भगवान के जन्म का दृश्य मंचित गया।

सिलापथार- भगवान महावीर जन्मकल्याणक धूमधाम से मनाया गया। भगवान के 27 भवों को एक लघु नाटक प्रस्तुत किया गया।

सिलापथार, कोकराझाड़, पथारकांदी, बरपेटा और गुवाहाटी में करीब 1000 अजैन लोगों ने मांसाहार सेवन का त्याग किया।

सामाजिक कार्य-

मेवाड़ अंचल-

निम्बाहेड़ा- महिला मण्डल द्वारा 15 अप्रैल को आचार्य श्री रामेश जन्मदिवस पर कबूतरों को 100

किलो मक्की के दाने तथा गौशाला में गायों को हरा चारा खिलाया।

बड़ीसादडी- 15 अप्रैल को महिला मण्डल द्वारा आचार्य श्री रामेश जन्मदिवस पर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में फल व बिस्किट वितरित किए गए।

भीलवाडा- 10 अप्रैल को समता महिला मण्डल के सान्निध्य में युवतियों के द्वारा खुशियों का पिटारा कार्यक्रम रखा गया, जिसमें जरूरतमंद व्यक्तियों को युवतियों ने भोजन करवाया।

मध्यप्रदेश अंचल-

मंदसौर- आचार्य श्री रामेश जन्मदिवस के उपलक्ष्य में अनामिका जन्म कल्याण सेवा समिति को राशन सामग्री भेंट की गई।

नागदा- महिला समिति द्वारा अन्नपूर्णा अन्न क्षेत्र में दरिद्र लोगों को भोजन करवाया गया।

खाचरौद व नीमच- आचार्य श्री रामेश जन्मोत्सव पर गौशाला में गायों को चारा खिलाया गया।

जयपुर-ब्यावर अंचल-

ब्यावर:- युवती शक्ति के तत्वावधान में खुशियों का पिटारा गतिविधि में युवतियों ने राजकीय प्राथमिक विद्यालय, भोपालगढ़ में 45 विद्यार्थियों को कॉपी, पेन्सिल बॉक्स एवं कलर पेन्सिल बॉक्स वितरित किए। राजकीय सीनियर सैकेण्डरी विद्यालय, हाथौन में 30 विद्यार्थियों को कॉपी, पेन्सिल बॉक्स और बैठने की दरियाँ वितरित की गई।

कर्नाटक आंध्रप्रदेश

हैदराबाद- भगवान महावीर जन्मकल्याणक महोत्सव पर समता महिला समिति और समता युवा संघ के नेतृत्व में मेडिकल और एक्यूप्रेशर कैंप लगाया गया।

तमिलनाडु

चैन्नई- मानसिक विमंदित विद्यालय के बच्चों के लिए साधुमार्गी महिला मंडल एवं समता बहू मंडल ने श्री महावीर जन्मकल्याणक दिवस व आचार्य श्री रामेश जन्मदिवस पर नया आरओ प्लांट लगाया तथा बच्चों को उपहार बांटे।

छत्तीसगढ़-उड़ीसा अंचल-

रायपुर - 14 व 15 अप्रैल को भगवान महावीर व रामेश जयंती के उपलक्ष्य में बहू मंडल व महिला समिति द्वारा सुराणा भवन में मट्ठा एवं 700 गमछों का वितरण किया गया।

जगदलपुर - महिला मंडल व समता युवा संघ द्वारा महात्मा गांधी आश्रम में 90 बच्चों को खाद्य सामग्री व वस्त्र वितरण कर उन्हें जैन साधु के बारे में बताया गया। बच्चों ने भजन की प्रस्तुति दी।

मुम्बई-गुजरात-यू.ए.ई अंचल-

अहमदाबाद :- महावीर जयंती के उपलक्ष्य में समता महिला मंडल ने मणिनगर सरकारी विद्यालय में 77 जरूरतमंद बच्चों की नोटबुक्स, पेंसिल, रबर, पाउच तथा बिस्किट का वितरण किया।

सूरत :-14 अप्रैल को नवविकास ट्रस्ट के गरीब बच्चों को नाश्ते के पैकेट महिला मंडल एवं बहू मंडल द्वारा वितरित किए गए। 16 अप्रैल को सूरत के उधना क्षेत्र की गरीब बस्तियों में अन्न के लगभग 300 पैकेट्स का वितरण किया गया।

बंगाल-बिहार-नेपाल-भूटान-

कोलकाता- आचार्य श्री रामेश के जन्मदिवस के शुभ अवसर पर 300 चश्मों का वितरण किया गया। स्थानीय वृद्धाश्रम में 375 लोगों को भोजन कराया गया।

पूर्वोत्तर अंचल :-

धुबड़ी- भगवान महावीर जन्मकल्याणक के उपलक्ष में राजकीय विद्यालय में वाटर फिल्टर लगवाया गया।

गुवाहाटी- गुरुदेव के जन्मोत्सव पर गुवाहाटी मंच द्वारा गौशाला में चारा एवं गुड़ का दान दिया गया।

प्रवास रिपोर्ट

क्र.सं.	दिनांक	स्थान	प्रवास रिपोर्ट
1.	17 से 19 अप्रैल	बंगाल बिहार नेपाल भूटान अंचल	राष्ट्रीय मंत्री श्रीमती विनीताजी मुकीम, अनामिकाजी झाबक व सुमनजी सोनावत ने तीन दिवसीय प्रवास किया।
	17 अप्रैल	अररिया, पूर्णिया	सभी प्रवृत्तियों की जानकारी साझा कर महत्तम महोत्सव की प्रभावना की गई। मंडल लगाने और पाठशाला चालू करने के बारे में भी समझाया गया।
	18 अप्रैल	फारबिसगंज, किशनगंज	ये दोनों ही क्षेत्र धार्मिक रूप से काफी जागरूक हैं। 15-20 बहनों की उपस्थिति में यह मीटिंग की गई, जिसमें सभी प्रवृत्तियों के बारे में विचार-विमर्श हुआ। इन दोनों क्षेत्रों में पाठशाला और मंडल नियमित रूप से चल रहे हैं।
	19 अप्रैल	विराटनगर	यहां भी सभी प्रवृत्तियों के बारे में विचार-विमर्श हुआ। मंडल, पाठशाला का महत्त्व समझाया गया और सभी को संघ से जुड़े रहने की प्रेरणा दी गई।
2.	18 अप्रैल	छत्तीसगढ़ उड़ीसा अंचल	दुर्ग जिला प्रवास राष्ट्रीय अंचल उपाध्यक्ष वंदनाजी धाड़ीवाल, राष्ट्रीय अंचल मंत्री मोनालीजी ओस्तवाल, संयोजिका, कार्यकारिणी टीम के साथ प्रवास हुआ।
	18 अप्रैल	धमधा, अहिवारा, गिरहोला,कोडिया, रेवलीडिह	शासन दीपिका साध्वी श्री शकुंतलाश्रीजी म.सा. आदि ठाणा-7 के दर्शन, वंदन, प्रवचन, सेवा का लाभ मिला। शत-प्रतिशत उपस्थिति के साथ मीटिंग में सभी प्रवृत्तियों के बारे में जानकारी दी गई। समता सर्वमंगल, छात्रवृत्ति, महिला गृह उद्योग के बारे में जानकारी दी गई। वीर माता वंदनाजी छाजेड़ ने संघ के लिए बहुत अच्छे सुझाव दिए और स्वधर्मी परिवार से मुलाकात भी हुई। सभी जगह आजीवन सदस्याएँ बनाई गई। युवती शक्ति से युवतियों को जोड़ा गया। जैन संस्कार पाठ्यक्रम फॉर्म भरवाए गए।
3.	09 से 12 अप्रैल	दिल्ली-पंजाब-हरियाणा-उत्तरप्रदेश-हिमाचल प्रदेश	राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सपनाजी भूरा, वीर माता चंदाजी गुलगुलिया एवं किरणजी जैन का प्रवास हुआ।
	9 अप्रैल	चण्डीगढ़, पंचकुला, जिरकपुर, नालागढ़ व नवाशहर	केसरिया कार्यशाला, वुमन्स मोटिवेशनल फॉर्म और युवती शक्ति के लिए प्रेरणा दी गई। सभी क्षेत्रों में I Jain My Jain लगने वाले शिविरों की प्रभावना की गई है। परिवारांजलि, धोवन पानी, रात्रिभोजन त्याग व संस्कार संवर्द्धन आदि बिंदुओं की प्रेरणा दी गई। परिवारांजलि के 15 फॉर्म भरे गए।
	10 अप्रैल	फगवाड़ा, होशियारपुर, नादौन और जिंद	बंगा में प्रवचन व फगवाड़ा, होशियारपुर और नादौन

			(हिमाचल प्रदेश) में सभा हुई **सबसे बडी उपलब्धि प्रथम बार हिमाचल प्रदेश में आचार्य भगवन् के आयामों का प्रचार-प्रसार हुआ** और लोगो को संस्कार पाठ्यक्रम से जोड़ा गया। उत्क्रांति, परिवारांजलि, समता सर्व मंगल, पाठशाला और शिविर की प्रभावना की गई।
	12 अप्रैल	भटिण्डा, रामामण्डी, कालनवाली, सार्दुलगढ़ व सूरतगढ़	शासन दीपिका साध्वी श्री सुसमृद्धि श्रीजी म.सा. के दर्शन सेवा का लाभ मिला। जैन संस्कार पाठ्यक्रम के लगभग 100 आवेदन पत्र भरवाए गए। लोगों को उत्क्रांति व समता सर्व मंगल का आयाम काफी पसन्द आया।

ओलीजी आयंबिल करने वाली बहनों के नाम-

रेखाजी बोरदिया, रीनाजी पोखरना, सरोजजी सुराणा, सुशीलाजी जैन, चंचलजी मेहता, चंद्रकान्ताजी मेहता,अंगुरबालाजी नाहर, ललिताजी नाहर, मैनाजी नाहर, विजयलक्ष्मीजी नाहर, कोमलजी नाहर, कल्पनाजी पटवारी, समताजी नाहर, सोनाजी नाहर, मीनाजी धींग, रेखाजी चावत, कांताजी लोढ़ा, बंसतादेवी संचेती, लाड़देवी लोढ़ा, प्रेमबाई बाघमार, रोशनबाई सुराणा, माणकजी ढ़ीलीवाल, संगीताजी दुग्गड़, संगीताजी बाबेल, मंजूजी जारोली, सीमाजी मोगरा, शशिकलाजी डांगी, स्नेहलताजी श्रीश्रीमाल, रंजनाजी कर्नावट, सुन्दरदेवी संचेती, ममताजी लुणिया, उर्मिलाजी बोथरा

स्व. श्री प्रदीप कुमार रामपुरिया स्मृति साहित्य पुरस्कार

1. पात्रता :- इस पुरस्कार के अन्तर्गत जैन धर्म, दर्शन, इतिहास, कला एवं संस्कृति तथा जैन साहित्य, काव्य कला एवं संस्कृति और कथा, निबंध, नाटक, संस्मरण एवं जीवनी आदि के संबंध में लिखित मौलिक ग्रंथ पर दिया जाता है।

2. पुरस्कार के नियम :-

(2.1) पुरस्कार हेतु प्रकाशित /अप्रकाशित, (पाण्डुलिपि) दोनों प्रकार की कृतियां निर्धारित आवेदन-पत्र के साथ प्रस्तुत की जा सकती हैं।

(2.2) अन्य संस्थाओं द्वारा पूर्व में पुरस्कृत कृति पर यह पुरस्कार नहीं दिया जावेगा।

(2.3) प्रकाशित कृति का प्रकाशन पुरस्कार हेतु घोषित अवधि में (वर्ष 2016 से पूर्व नहीं) एवं घोषित विषय परिधि में ही होना चाहिये। यानि पुरस्कार हेतु प्रस्तुत कृति का प्रकाशन वर्ष 2016 के पश्चात् का होना चाहिए।

(2.4) पुरस्कार मूल्यांकन के लिए कृति की मुद्रित अथवा पाण्डुलिपि की चार प्रतियाँ नि:शुल्क भेजनी होगी। पाण्डुलिपि की 3 प्रतियाँ आवेदक को पुन: लौटा दी जायेगी। मुद्रित कृतियाँ नहीं लौटाई जावेगी।

(2.5) अप्रकाशित कृति (पाण्डुलिपि) की प्रतियाँ स्पष्ट टंकण की हुई अथवा हस्तलिखित, सुवाच्य एवं जिल्द बंधी होनी चाहिये।

(2.6) प्रतिभागी विद्वानों के लिए यह आवश्यक होगा कि वे कृति के संबंध में स्वयं की कृति होने एवं इसके मौलिक होने का प्रमाण पत्र साथ भेजें।

3. स्वरूप:-

(3.1) पुरस्कार के अंतर्गत संघ की ओर से 51 हजार रुपये की राशि का चैक, अभिनंदन पत्र एवं स्मृति चिह्न किसी विशिष्टि दिवस अथवा गरिमामय समारोह में सम्मान पूर्वक भेंट किया जाएगा।

4. आवृति :- वार्षिक

प्रविष्टियाँ भिजवाने की अंतिम तिथि 31 जुलाई, 2022 है, प्रविष्टियाँ केन्द्रीय कार्यालय के निम्न पते पर भिजवाएँ।

निवेदक : **प्रदीप बोरड़**

(संयोजक : स्व. श्री प्रदीप कुमार रामपुरिया स्मृति साहित्य पुरस्कार समिति)

प्रविष्टियाँ भिजवाने का पता

केन्द्रीय कार्यालय, श्री अ.भा.सा. जैन संघ, समता भवन, आचार्य श्री नानेश मार्ग, नोखा रोड, गंगाशहर, बीकानेर (राज.)-334001
फोन 0151-2270261, 2270359, मो.नं. - 9116109777 ई-मेल :- ho@sadhumargi.com

समता शाखा रिपोर्ट

क्रमांक	अंचल का नाम	आंचलिक गतिविधि	03-04	10-04	17-04	24-04
1	मेवाड़	आंचलिक उपस्थिति	1947	1821	1547	1741
		आंचलिक क्षेत्र	94	93	91	91
2	बीकानेर-मारवाड़	आंचलिक उपस्थिति	597	567	640	533
		आंचलिक क्षेत्र	45	42	43	41
3	जयपुर-ब्यावर	आंचलिक उपस्थिति	357	343	323	392
		आंचलिक क्षेत्र	27	28	28	28
4	मध्यप्रदेश	आंचलिक उपस्थिति	1160	1155	1033	1266
		आंचलिक क्षेत्र	77	75	76	76
5	छत्तीसगढ़-उड़ीसा	आंचलिक उपस्थिति	2112	2272	2320	2262
		आंचलिक क्षेत्र	166	163	156	160
6	कर्नाटक-तेलंगाना-आंध्रप्रदेश	आंचलिक उपस्थिति	487	354	404	413
		आंचलिक क्षेत्र	26	25	21	23
7	तमिलनाडु	आंचलिक उपस्थिति	306	295	289	320
		आंचलिक क्षेत्र	13	13	12	13
8	मुंबई-गुजरात-यू.ए.ई	आंचलिक उपस्थिति	554	541	553	723
		आंचलिक क्षेत्र	32	33	32	37
9	महाराष्ट्र-विदर्भ-खानदेश	आंचलिक उपस्थिति	501	414	514	469
		आंचलिक क्षेत्र	48	43	48	42
10	बंगाल-बिहार-नेपाल-भूटान-झारखण्ड-आंशिक उड़ीसा	आंचलिक उपस्थिति	401	364	350	286
		आंचलिक क्षेत्र	41	41	42	43
11	पूर्वोत्तर	आंचलिक उपस्थिति	254	209	224	239
		आंचलिक क्षेत्र	28	27	26	26
12	दिल्ली-पंजाब-हरियाणा-उत्तरप्रदेश	आंचलिक उपस्थिति	100	112	99	115
		आंचलिक क्षेत्र	9	10	8	8
13	अंतरराष्ट्रीय शाखा	आंचलिक उपस्थिति	18	20	22	17
		आंचलिक क्षेत्र	8	11	10	10
संयुक्त रिपोर्ट						
कुल उपस्थिति			**8794**	**8467**	**8318**	**8776**
कुल क्षेत्र			**614**	**604**	**593**	**598**

समता शाखा में सर्वाधिक उपस्थिति दर्ज़ करवाने वाले प्रथम 10 संघों की सूची

क्रमांक	संघ का नाम	उपस्थिति संख्या	क्रमांक	संघ का नाम	उपस्थिति संख्या
1	रायपुर	1530	6	दुर्ग	625
2	उदयपुर	1225	7	बड़ीसादड़ी (उत्क्रांति ग्राम)	602
3	सूरत	1013	8	रतलाम	515
4	राजनांदगाँव	832	9	बैंगलुरू	491
5	चैन्नई	730	10	पुणे	472

विविध समाचार

शहादा। प्रभु महावीर भगवान जन्म कल्याणक एवं व्यसनमुक्ति के प्रणेता आचार्य श्री रामलालजी म. सा. के जन्मोत्सव के पावन अवसर पर निम्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया :-

12-4-22 को व्यसनमुक्ति शिविर का आयोजन डॉ. कृष्णाजी भावले के मार्गदर्शन में डॉ. लक्ष्मणजी सोनार की प्रार्थना हॉस्पिटल में किया गया, जिसका 60 मरीजों ने लाभ लिया।

14-4-22 को समता भवन में ज़रूरतमन्द लोगों के लिए अन्नदानम् का आयोजन किया गया, जिसका लगभग 190 लोगों ने लाभ लिया।

15-4-22 को प्रात: 7 से 8 नवकार मंत्र जाप, नानेश चालीसा एवं रामेश चालीसा का पठन लगभग 110 श्रावक - श्राविकाओं द्वारा किया गया।

17-4-22 सर्वे संतु निरामया के अंतर्गत चिकित्सा सेवा शिविर का आयोजन प्रकाशा ग्राम के श्री सद्गुरु धर्म केदारेश्वर वृद्धाश्रम में किया गया, जहाँ 35 वृद्धों को प्राथमिक उपचार एवं नि:शुल्क दवा प्रदान की गई। शिविर में डॉ. पंकजजी लोढा ने सेवा प्रदान की। वृद्धाश्रम के लोगों के लिए भोजन व्यवस्था की गई। सभी युवाओं ने सहयोग एवं सेवा प्रदान की।

-दिलीप कोटडिया

डोंडीलोहारा। भगवान महावीर जन्मकल्याणक एवं आचार्य प्रवर 1008 श्री रामलालजी म.सा. के जन्मदिवस के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित हुए। जीवदया के लिए समता जीवदया समिति ने बड़ी टंकी बनाकर दी एवं भोजन वितरण किया गया। प्रात: प्रार्थना एवं रात्रि में जाप, चालीसा, गुणानुवाद तथा धार्मिक परीक्षा का आयोजन किया गया। सभा में युवाओं एवं महिला मंडल ने गुरुभक्ति पर भाव रखे। सभा का संचालन युवा संघ अध्यक्ष ने किया।

सर्वे संतु निरामया के अंतर्गत नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन स्थानीय समता चिकित्सालय में किया गया, जिसमें 6 चिकित्सकों ने सेवाएँ दी। कुल 42 मरीजों ने इस स्वास्थ्य शिविर का लाभ लिया।

-सौरभ डोसी

उत्क्रान्ति विवाह और कार्यक्रम

समाज में व्याप्त कुरीतियों को हटाने तथा अनावश्यक खर्चों पर रोक लगाकर साधुमार्गी समाज को सुदृढ़ बनाने के लिए परम प्रतापी आचार्य प्रवर 1008 श्री रामलालजी म.सा. द्वारा उद्घोषित उत्क्रान्ति की आभा पूरे देश में फैल रही है। अनेक संघ उत्क्रान्ति की प्रेरणा लेकर अपने संघों को उत्क्रान्ति ग्राम/नगर घोषित करने के लिए प्रयासरत हैं। देशभर में जैन परिवारों में मांगलिक कार्यक्रम हो रहे हैं। जिन्होंने अपने कार्यक्रम उत्क्रान्ति के नियमों अनुसार सम्पन्न किये, उन परिवारों को हम धन्यवाद एवं साधुवाद देते हैं। अब तक प्राप्त उत्क्रांति कार्यक्रमों की जानकारी इस प्रकार है -

1. भीलवाड़ा निवासी मूलावत परिवार में विनीतजी मुलावत (सुपुत्र स्व. श्री कन्हैयालालजी मूलावत) का सेवानिवृत्ति समारोह व स्वरुचि भोज 30-10-2021 को सुसम्पन्न हुआ। **-दीपक बेताला**

2. भीलवाड़ा निवासी अनिलजी सिसोदिया के सुपुत्र अनुरितजी का मंगल परिणय सुरेन्द्रजी चंडालिया की सुपुत्री अपर्णाजी से 26-12-2021 को सुसम्पन्न हुआ। **-अमित करणपुरिया**

3. भीलवाड़ा निवासी/कपासन प्रवासी श्रीमती मीनादेवी-दिलीपजी बाघमार की सुपुत्री प्रतीका का शुभविवाह श्रीमती विमलादेवी-सुशीलजी रांका के सुपुत्र हार्दिकजी से 19-04-2022 को सुसम्पन्न हुआ। **-दीपक बेताला**

4. भीलवाड़ा निवासी अशोकजी-अभिषेकजी साँखला का नूतन गृह प्रवेश कार्यक्रम एवं स्वरुचि भोज 6 मई 2022 को भीलवाड़ा में सुसम्पन्न हुआ।

-दीपक बेताला

5. देशनोक निवासी शांतिलालजी सुराणा की सुपुत्री पूजाजी का मंगल परिणय बीकानेर निवासी मुदितजी बैद से 23-01-2022 को सुसम्पन्न हुआ।

-जयंत आँचलिया

6. देशनोक निवासी कमलजी संचेती की सुपुत्री रोशनीजी संचेती का मंगल परिणय गंगाशहर निवासी महावीरजी सेठिया के संग 28-11-2021 को सुसम्पन्न हुआ। **-जयंत आँचलिया**

7. देशनोक निवासी शांतिलालजी बरड़िया के सुपुत्र जयंतजी बरडिया का मंगल परिणय सुश्री कोमलजी से 1-12-2021 को सुसम्पन्न हुआ।

- जयंत आँचलिया

8. देशनोक निवासी रमेशकुमारजी सांड का नूतन गृह प्रवेश 05-02-2022 को सुसम्पन्न हुआ।

-जयंत आंचलिया

9. देशनोक निवासी सूरजमलजी भूरा के सुपुत्र अरविन्दजी का मंगल परिणय नोखामंडी निवासी आरतीजी से 05-02-2022 को सुसम्पन्न हुआ।

-जयंत आंचलिया

10. देशनोक निवासी शांतिलालजी भूरा के सुपुत्र सुमितजी का मंगल परिणय भीनासर निवासी करिश्माजी से 06-02-2022 को सुसम्पन्न हुआ।

-जयंत आंचलिया

11. देशनोक निवासी नवरत्नजी कातेला के सुपुत्र देवेन्द्रजी (ओम) का मंगल परिणय कालू निवासी सुश्री प्रेक्षाजी से 18-02-2022 को सुसम्पन्न हुआ। **-जयंत आंचलिया**

12. देशनोक निवासी विजयकुमारजी सांड की सुपुत्री रोशनीजी का मंगल परिणय नोखा निवासी मानिकचंदजी मरोठी के सुपुत्र अभिषेकजी से 18-02-2022 को सुसम्पन्न हुआ। **-जयंत आंचलिया**

13. देशनोक निवासी शांतिलालजी बुच्चा परिवार का नूतन गृह प्रवेश 10-4-2022 को सुसम्पन्न हुआ। **-जयंत आंचलिया**

14. बड़ीसादड़ी निवासी हिम्मतसिंहजी-रेखाजी मेहता की सुपुत्री रेणुकाजी का मंगल परिणय डूंगला निवासी विमलकुमारजी-पिस्ताजी मेहता के सुपुत्र रौनकजी से 30-01-2022 को सुसम्पन्न हुआ।

-नरेंद्र रांका

15. बड़ीसादड़ी निवासी शांतिलालजी-सुनीताजी रांका की सुपुत्री दिव्या का मंगल परिणय डूंगला निवासी स्व. श्री कालूलालजी-विजियादेवी मेहता के सुपुत्र हंसराजजी से 05-02-2022 को सुसम्पन्न हुआ। **-प्रकाशचंद मेहता**

16. कपासन निवासी श्रीमती ललितादेवी-अरुणजी बाघमार की सुपुत्री रविनाजी का शुभविवाह श्रीमती मंजूदेवी-प्रवीणजी ओस्तवाल के सुपुत्र निखिलजी से 15-04-2022 को सुसम्पन्न हुआ।

-दीपक बेताला

17. कपासन निवासी शांतिलालजी-सायरदेवी परमार के सुपुत्र संजयजी का मंगल परिणय कपासन निवासी स्व. श्री शांतिलालजी-कमलादेवी संचेती की सुपुत्री मीनाजी से 21-04-2022 को सुसम्पन्न हुआ। **- मदनलाल एम. चंडालिया**

18. कपासन (डिण्डोली) निवासी अशोककुमारजी-कल्पनादेवी तातेड़ की सुपुत्री डिम्पलजी (अंकिता) का मंगल परिणय चित्तौड़गढ़ निवासी अर्जुनलालजी-लीलादेवी सोनगरा के सुपुत्र गौरवजी से 21-04-2022 को सुसम्पन्न हुआ।

-गजेन्द्र बाघमार

19. कोयम्बटूर निवासी दिनेशजी खींचा के सुपुत्र अंकुशजी का मंगल परिणय चैन्नई निवासी सुश्री चेतनाजी से 29-11-2021 को सुसम्पन्न हुआ।

-कन्हैयालाल सामसुखा

20. चित्तौड़गढ़ निवासी सुशीलजी-मंजूदेवी पोखरना के सुपुत्र शुभम्जी का मंगल परिणय मंगलवाड़ निवासी हस्तीमलजी-ऊषादेवी मांडावत की सुपुत्री प्रियंकाजी से 13-12-2021 को सुसम्पन्न हुआ। **-अनूप पोखरना**

21. दिनहट्टा निवासी श्रीमती ललितादेवी-

सुमतिकुमारजी सेठिया की सुपुत्री खुशबूजी का मंगल परिणय कोलकाता निवासी श्रीमती कांतादेवी-अजयकुमारजी दुगड़ के सुपुत्र ऋषभजी से 18-02-2022 को सुसम्पन्न हुआ। **-प्रकाशचंद दुगड़**

22. नागदा जंक्शन निवासी सी.ए. कमलनयनजी चपलोत (उत्क्रान्ति संयोजक-मध्यप्रदेश) के वर्षीतप निमित्त तप महोत्सव समारोह 25-04-2022 को सुसम्पन्न हुआ। **-चंद्रशेखर खिंदावत**

आपके क्षेत्र में कहीं पर भी कोई आयोजन उत्क्रान्ति के अनुसार होता है तो उसकी जानकारी हमारे तक अवश्य भेजें, ताकि साधुमार्गी संघ की सभी पत्रिकाओं में प्रकाशित की जा सके। उत्क्रान्ति से संबंधित किसी भी प्रकार की शंका यदि आपके मन में हो तो नि:संकोच आप अपने सवाल हमें भेज सकते हैं। हम आपके सवालों का जल्द ही समाधान करने का प्रयास करेंगे।

- हितेश सिपानी (सूरत), उत्क्रान्ति-राष्ट्रीय संयोजक, श्री अ.भा.सा. जैन समता युवा संघ, मो. 9374689000

श्रीमद् अंतकृद्दशांग सूत्र - 11

29-30 अप्रैल , 2022 के अंक से आगे...

प्रश्न 196. छठे वर्ग के पन्द्रहवें अध्ययन में किसका वर्णन आता है?

उत्तर . छठे वर्ग के पन्द्रहवें अध्ययन में पोलासपुर के अतिमुक्त कुमार का वर्णन आता है।

प्रश्न 197. श्रमण भगवान महावीर स्वामी के कौन से शिष्य बेले के पारणे के दिन पोलासपुर नगर में भिक्षार्थ भ्रमण करते हैं?

उत्तर . श्रमण भगवान महावीर स्वामी के ज्येष्ठ शिष्य इन्द्रभूति गौतम अनगार बेले के पारणे के दिन पोलासपुर नगर में भिक्षार्थ भ्रमण करते हैं।

प्रश्न 198. अतिमुक्त कुमार द्वारा प्रव्रजित होने कि लिए अनुज्ञा माँगने पर माता-पिता ने क्या कहा?

उत्तर . अतिमुक्त कुमार द्वारा अनुज्ञा माँगने पर माता-पिता कहते हैं कि वे उनकी (अतिमुक्त कुमार को) शोभा राजा के रूप में देखना चाहते हैं।

प्रश्न 199. राज्याभिषेक होने के बाद राजा अतिमुक्त ने क्या आज्ञा दी?

उत्तर . राज्याभिषेक होने के बाद राजा अतिमुक्त ने रजोहरण एवं पात्र मँगवाने की तथा नाई को बुलवाने की आज्ञा दी।

प्रश्न 200. अतिमुक्त अनगार कितने अंगों का अध्ययन करते हैं एवं अंत में किस पर्वत पर संथारा ग्रहण कर सिद्ध, बुद्ध, मुक्त होते हैं?

उत्तर . अतिमुक्त अनगार 11 अंगों का अध्ययन करते हैं एवं अंत में विपुल पर्वत पर संथारा ग्रहण कर सिद्ध, बुद्ध, मुक्त होते हैं।

प्रश्न 201. श्रीमद् अंतकृद्दशांग सूत्र के सातवें वर्ग में कितने अध्ययन हैं?

उत्तर . श्रीमद् अंतकृद्दशांग सूत्र के सातवें वर्ग में 13 अध्ययन हैं।

प्रश्न 202. सातवें वर्ग के प्रथम अध्ययन में किसका वर्णन आया है?

उत्तर . सातवें वर्ग के प्रथम अध्ययन में नन्दा महारानी का वर्णन आया है।

प्रश्न 203. सातवें अध्ययन में वर्णित सभी 13 महारानियों ने संयम अंगीकार कर कितने अंगों का अध्ययन किया?

उत्तर . सातवें अध्ययन में वर्णित सभी 13 महारानियों ने संयम अंगीकार कर 11 अंगों का अध्ययन किया।

प्रश्न 204. सभी महारानियों ने कितने वर्षों तक संयम पर्याय का पालन किया?

उत्तर . सभी महारानियों ने 20 वर्षों तक संयम पर्याय का पालन किया।

प्रश्न 205. श्रीमद् अंतकृद्दशांग सूत्र के आठवें वर्ग में किनका वर्णन आया है?

उत्तर . श्रीमद् अंतकृद्दशांग सूत्र के आठवें वर्ग में काली, सुकाली, महाकाली आदि 10 महारानियों का वर्णन आया है।

प्रश्न 206. काली महारानी संयम अंगीकार करने के पश्चात् कौन-सा तप स्वीकार करती हैं?

उत्तर काली महारानी संयम अंगीकार करने के पश्चात् रत्नावली तप को स्वीकार करती हैं।

प्रश्न 207. रत्नावली तप की आराधना में कितना समय लगता है?

उत्तर रत्नावली तप की आराधना में कुल 5 वर्ष 2 महीने और 28 दिन लगते हैं।

प्रश्न 208. काली आर्या ने कितने वर्षों तक संयम पर्याय का पालन किया?

उत्तर . काली आर्या ने लगभग 8 वर्षों तक संयम पर्याय का पालन किया।

प्रश्न 209. सुकाली आर्या कौन से तप की आराधना करती हैं?

उत्तर . सुकाली आर्या कनकावली तप की आराधना करती हैं।

प्रश्न 210. कनकावली तप की आराधना में कितना समय लगता है?

उत्तर . कनकावली तप की आराधना में कुल 5 वर्ष 9 महीने और 18 दिन लगते हैं।

प्रश्न 211. सुकाली आर्या कितने महीने का संलेखना संथारा ग्रहण कर सिद्ध, बुद्ध, मुक्त होती हैं?

उत्तर . सुकाली आर्या एक महीने का संलेखना संथारा ग्रहण कर सिद्ध, बुद्ध, मुक्त होती हैं।

-क्रमशः

श्री गणेश जैन छात्रावास, उदयपुर (राज.)

- श्री अ.भा. साधुमार्गी जैन संघ द्वारा संचालित उदयपुर स्थित श्री गणेश जैन छात्रावास में **दिनांक 01 जुलाई, 2022 से छात्रों की प्रवेश प्रक्रिया प्रारम्भ की जा रही है।** कक्षा 12वीं उत्तीर्ण विद्यार्थी जो आगे का अध्ययन कर रहे हैं, छात्रावास के लिए आवेदन कर सकते हैं। https://sadhumargi.com/application-form/ से आप आवेदन-पत्र डाउनलोड कर भरकर भिजवा सकते हैं। आवेदन शुल्क रू. 150/- आवेदन के साथ जमा करवावें। अधिक जानकारी के लिए मो.नं. **9785753362** पर सम्पर्क करें।

- साथ ही श्री गणेश जैन छात्रावास, उदयपुर के लिए **गृहपति (वार्डन)** की आवश्यकता है। स्नातक उत्तीर्ण एवं कम्प्यूटर का बेसिक ज्ञान रखने वाले अभ्यर्थी इस पद हेतु आवेदन कर सकते हैं। आवेदक को संबंधित क्षेत्र का अनुभव होना आवश्यक है। ईच्छुक पात्र अभ्यर्थी अपना सी.वी. एवं आवेदन-पत्र ई-मेल या व्हाट्सएप्प के माध्यम से भिजवावें।

व्हाट्सएप्प नं. : 7231866008 ई-मेल asndkudaipur2018@gmail.com

आचार्य श्री नानेश ध्यान केन्द्र

राणाप्रताप नगर, रेलवे स्टेशन के पास, ओस्तवाल प्लाजा के सामने, सुन्दरवास, उदयपुर-313001 (राज.)

परमश्रद्धेय आचार्य प्रवर 1008 श्री रामलालजी म.सा. की नेश्राय में सभी चारित्रात्माओं की विचरण सूची

विभाग-1 दिनांक-16-05-2022

मेवाड़ अंचल, बीकानेर-मारवाड़ अंचल, जयपुर-ब्यावर अंचल

क्र. स.	चारित्रात्माओं के नाम	विराजने का स्थान	सक्रिय व्यक्ति का नाम व नम्बर	क्र. स.	चारित्रात्माओं के नाम	विराजने का स्थान	सक्रिय व्यक्ति का नाम व नम्बर
1	**परमश्रद्धेय आचार्य प्रवर 1008 श्री रामलालजी म.सा.** **बहुश्रुत वाचनाचार्य उपाध्याय प्रवर श्री राजेशमुनिजी म.सा.** श्री मनीषमुनिजी म.सा. श्री नीरजमुनिजी म.सा. श्री लाघवमुनिजी म.सा. श्री शोभनमुनिजी म.सा. श्री आदर्शमुनिजी म.सा. श्री इभ्यमुनिजी म.सा. श्री मयंकमुनिजी म.सा. श्री गुणीशमुनिजी म.सा.	गौतम भवन, देवरिया, **भीलवाड़ा** (राज.)	सुरेशजी बोरदिया 9082284588 छीतरमलजी सूर्या 9460575828 महेशजी नाहटा 9406201351 7977370892	2	शासन प्रभावक श्री सेवंतमुनिजी म.सा. श्री नरेन्द्रमुनिजी म.सा. श्री विनयमुनिजी म.सा. श्री अनंतमुनिजी म.सा. श्री मधुरमुनिजी म.सा. श्री प्राणेशमुनिजी म.सा. श्री प्रमोदमुनिजी म.सा. श्री गगनमुनिजी म.सा. श्री नवोन्मेषमुनिजी म.सा.	समता भवन, आचार्य श्री नानेश मार्ग, खटीकान हथाई के पास, **ब्यावर, अजमेर** (राज.)	अरविन्दजी मूथा 9414010326 चेतनजी हिंगड़ 7597188424
3	शासन दीपक श्री रमेशमुनिजी म.सा. श्री राकेशमुनिजी म.सा. श्री राजरत्नमुनिजी म.सा.	महिला समता भवन, शिवा बस्ती, **गंगाशहर बीकानेर** (राज.)	कौशलजी दुग्गड़ 9414137121 9001037121 विमलजी सेठिया 9460172673	4	शासन दीपक श्री वीरेन्द्रमुनिजी म.सा. श्री गौतममुनिजी म.सा. श्री प्रशममुनिजी म.सा. श्री चन्द्रेशमुनिजी म.सा. श्री संजयमुनिजी म.सा. श्री जयेशमुनिजी म.सा. श्री हिमांशुमुनिजी म.सा. श्री हृषिकेशमुनिजी म.सा. श्री सूर्यप्रभमुनिजी म.सा. श्री मंगलमुनिजी म.सा.	सेठिया कोटड़ी, कंसेरा बाजार के पास, मरोठी सेठिया मोहल्ला, **बीकानेर** (राज.)	मोतीलालजी बांठिया 9829559991 इन्दरचंदजी दुग्गड़ 9351383508
5	शासन दीपक श्री आदित्यमुनिजी म.सा. श्री अटलमुनिजी म.सा. श्री राजनमुनिजी म.सा.	समता भवन, रायपुर, **भीलवाड़ा** (राज.)	कन्हैलालजी बोरदिया 9461178703	6	शासन दीपक श्री चिन्मयमुनिजी म.सा. श्री अमितमुनिजी म.सा. श्री उम्मेदमुनिजी म.सा.	मूंदड़ा पैट्रोल पम्प, सिरोही, **टोंक** (राज.)	सुशीलजी बम्ब 9414377977 दिनेशजी जैन 9251550847 9413390445
7	शासन दीपक श्री मुदितमुनिजी म.सा. श्री शमितमुनिजी म.सा. श्री गौरवमुनिजी म.सा. श्री यत्नेशमुनिजी म.सा. श्री मुक्तेश्वरमुनिजी म.सा.	प्राज्ञ भवन, अरिहंत कॉलोनी, **अजमेर** (राज.)	रतनलालजी सॉंखला 9829072098 सुधीरजी सॉंखला 9829070402	8	शासन दीपक श्री श्रुतप्रभमुनिजी म.सा. श्री निःश्रेयशमुनिजी म.सा.	जैन धर्मशाला भवन, मोराझड़ी, **अजमेर** (राज.)	अनिलजी जैन 9950426017 चेतनजी जैन 9414003500
9	शासन दीपिका साध्वी श्री शांताकँवरजी म.सा. साध्वी श्री सुमनप्रभाजी म.सा. साध्वी श्री रौनकश्रीजी म.सा. साध्वी श्री सुखदाश्रीजी म.सा.	समता भवन, गुडली, **उदयपुर** (राज.)	नरेशजी कावड़िया 9950300499 तरुणजी कावड़िया 8005710568	10	शासन दीपिका साध्वी श्री रोशनकँवरजी म.सा. साध्वी श्री चंचलकँवरजी म.सा. साध्वी श्री परागश्रीजी म.सा. साध्वी श्री सुरक्षाश्रीजी म.सा. साध्वी श्री उमंगश्रीजी म.सा. साध्वी श्री प्राचीश्रीजी म.सा. साध्वी श्री सुनिधिश्रीजी म.सा. साध्वी श्री प्रकृतिश्रीजी म.सा. साध्वी श्री सुवृष्टिश्रीजी म.सा. साध्वी श्री वाचनाश्रीजी म.सा. साध्वी श्री सत्कारश्रीजी म.सा.	कांकरिया डेलान, नयाबास **ब्यावर, अजमेर** (राज.)	अरविन्दजी मूथा 9414010326 चेतनजी हिंगड़ 75971 88424
11	शासन दीपिका साध्वी श्री सुशीलाकँवरजी म.सा. (उदयपुर वाले) साध्वी श्री कमलश्रीजी म.सा. साध्वी श्री सिद्धमणिजी म.सा.	11, डॉ. मदनजी कोठारी का निवास, पार्श्वनाथ	पारसजी डागा 9413300423 अर्जुनजी लोढ़ा, उदयपुर	12	शासन दीपिका साध्वी श्री प्रेमलताजी म.सा. (राजनांदगाँव वाले) साध्वी श्री पुष्पलताजी म.सा. साध्वी श्री जिनप्रभाजी म.सा. साध्वी श्री सिद्धप्रभाजी म.सा.	समता भवन, भदेसर, **चित्तौडगढ़** (राज.)	सागरमलजी कच्छारा 9982341162 अभयजी मोदी 9057533100

	साध्वी श्री अर्पिताश्रीजी म.सा. साध्वी श्री मृगांकश्रीजी म.सा.	नगर सोसायटी सेक्टर 3, हिरण मगरी, **उदयपुर** (राज.)	8949942495		साध्वी श्री अनुप्रेक्षाश्रीजी म.सा.		
13	पर्यायज्येष्ठा साध्वी श्री पारसकँवर जी म.सा. शासन दीपिका साध्वी श्री कमलप्रभाजी म.सा. साध्वीश्री सुमतिकँवरजी म. सा. साध्वी श्री हर्षिलाश्रीजी म.सा. साध्वीश्री ज्योत्सनाश्रीजी म.सा. साध्वी श्री पूर्णिमाश्रीजी म.सा. साध्वी श्री मणिप्रभाजी म.सा. साध्वी श्री विशालप्रभाजी म.सा. साध्वी श्री कनकप्रभाजी म.सा. साध्वी श्री संयमप्रभाजी म.सा. साध्वी श्री सुसमृद्धिश्रीजी म.सा. साध्वी श्री सुविधाश्रीजी म.सा. साध्वी श्री सुचारुश्रीजी म.सा. साध्वी श्री प्रथमाश्रीजी म.सा. साध्वी श्री सांत्वनाश्रीजी म.सा. साध्वी श्री लवियशाश्रीजी म.सा. साध्वी श्री जयामिश्रीजी म.सा. साध्वी श्री कौमुदीश्रीजी म.सा.	समता साधना भवन, मालू कोटड़ी, रांगडी चौक, **बीकानेर** (राज.)	मोतीलालजी बांठिया 9829559991 इन्दरचंदजी दुग्गड़ 9351383508	14	शासन दीपिका साध्वी श्री सुशीलाकँवर जी म.सा. (बीकानेर वाले) साध्वी श्री राजमतिजी म.सा. साध्वी श्री तरुलताश्रीजी म.सा. साध्वी श्री कविताश्रीजी म.सा. साध्वी श्री विभाश्रीजी म.सा. साध्वी श्री अंजलिश्रीजी म.सा. साध्वी श्री सम्यक्श्रीजी म.सा.	समता साधना भवन, कानोड़, **उदयपुर** (राज.)	रमेशजी कुदाल 9414683309 तखतमलजी लसोड़ 9166663441
15	शासन दीपिका साध्वी श्री विमलाकँवर जी म.सा. साध्वी श्री सुमित्राश्रीजी म.सा. साध्वी श्री लक्षिताश्रीजी म.सा. साध्वी श्री विशाखाश्रीजी म.सा. साध्वी श्री प्रगतिश्रीजी म.सा. साध्वी श्री प्रीतिश्रीजी म.सा. साध्वी श्री मंजरीश्रीजी म.सा.	ऋषभ भवन, आयड़, **उदयपुर** (राज.)	पारसजी डागा 9413300423 अर्जुनजी लोढ़ा 8949942495	16	शासन दीपिका साध्वी श्री कल्याणकँवर जी म.सा. साध्वी श्री लब्धिश्रीजी म.सा. साध्वी श्री सन्निधिश्रीजी म.सा. साध्वी श्री वरदाश्रीजी म.सा.	साकेत बिल्डिंग, बोथरा चौक–2, **गंगाशहर,** बीकानेर (राज.)	कौशलजी दुग्गड़ 9414137121 9001037121 विमलजी सेठिया 9460172673
17	शासन दीपिका साध्वी श्री चेतनश्रीजी म.सा. साध्वी श्री निरंजनाश्रीजी म.सा. साध्वी श्री ललिताश्रीजी म.सा. साध्वी श्री सूर्यमणिजी म.सा. साध्वी श्री सुरभिश्रीजी म.सा. साध्वी श्री सुषमाश्रीजी म.सा. साध्वीश्री प्रणतप्रज्ञाश्रीजी म.सा.	समता भवन, काशीपुरी, **भीलवाड़ा** (राज.)	बलवंतजी रांका 9829178431 पारसमलजी कूकड़ा 9462241948	18	शासन दीपिका साध्वी श्री सुशीलाकँवरजी म.सा. (गोडी वाले) साध्वी श्री शांतप्रभाजी म.सा. साध्वी श्री मधुबालाजी म.सा. साध्वी श्री पंकजश्रीजी म.सा. साध्वी श्री गरिमाश्रीजी म.सा. साध्वी श्री सरोजश्रीजी म.सा. साध्वी श्री विवेकश्रीजी म.सा. साध्वी श्री पूनिताश्रीजी म.सा. साध्वी श्री मुदितप्रज्ञाश्रीजी म.सा. साध्वी श्री सम्पन्नताश्रीजी म.सा. साध्वी श्री जलजश्रीजी म.सा.	कोठारी साहब की हवेली, भड़भूजा घाटी, **उदयपुर** (राज.)	पारसजी डागा 9413300423 अर्जुनजी लोढ़ा 8949942495
19	शासन दीपिका साध्वी श्री समताश्रीजी म.सा. साध्वी श्री रविप्रभाजी म.सा. साध्वी श्री अक्षयप्रभाजी म.सा. साध्वी श्री स्वर्णज्योतिजी म.सा. साध्वी श्री प्रसिद्धिश्रीजी म.सा.	रणजीतजी खटोड़ का निवास, जैन कॉलोनी, मावली, **उदयपुर** (राज.)	रणजीतजी खटोड़ 9352790400	20	शासन दीपिका साध्वी श्री किरणप्रभाजी म.सा. साध्वी श्री भावनाश्रीजी म.सा. साध्वी श्री अनुरागश्रीजी म.सा. साध्वी श्री संभाव्यश्रीजी म.सा.	जैन स्थानक भवन, छोटीसादड़ी, **प्रतापगढ़** (राज.)	विजयजी नाहर, छोटीसादड़ी 9799080638
21	शासन दीपिका साध्वी श्री मंजुलाश्रीजी म.सा. (देशनोक वाले) साध्वी श्री प्रभातश्रीजी म.सा. साध्वी श्री संस्कारश्रीजी म.सा साध्वी श्री पूर्णाश्रीजी म.सा. साध्वी श्री खुशालश्रीजी म.सा.	जेठमलजी अनिलजी मुणोत का निवास, लक्ष्मीनगर, **जोधपुर** (राज.)	गुलाबजी चौपड़ा 9414196356 9057121008 किशोरजी सांखल 9414921151	22	शासन दीपिका साध्वी श्री सुदर्शनाश्रीजी म.सा. साध्वी श्री आदर्शप्रभाजी म.सा साध्वी श्री गुणसुन्दरीजी म.सा. साध्वी श्री समर्पिताश्रीजी म.सा. साध्वी श्री प्रभूताश्रीजी म.सा. साध्वी श्री संवरश्रीजी म. सा.	समता भवन, भिण्डर, **उदयपुर** (राज.)	रोशनलालजी वया, भिण्डर 9460726958

			7073901008		साध्वी श्री ऋतुश्रीजी म.सा. साध्वी श्री गुंजनश्रीजी म.सा. साध्वी श्री प्रीतिश्रीजी म.सा.		
23	शासन दीपिका साध्वी श्री चन्द्रप्रभाजी म.सा. साध्वी श्री सुजाताश्रीजी म.सा. साध्वी श्री सुमेधाश्रीजी म.सा. साध्वी श्री समिधाश्रीजी म.सा. साध्वीश्री जीतयशाश्रीजी म.सा. साध्वी श्री जागृतिश्रीजी म.सा.	रत्न स्वाध्याय भवन, रिजर्व बैंक के पास, तख्तेशाही रोड, कानोता बाग, **जयपुर** (राज.)	मुकेशजी जारोली 9351149600 राजकुमारजी नाहर 9928074897	24	शासन दीपिका साध्वी श्री मुक्तिप्रभाजी म.सा. साध्वी श्री अर्चिताश्रीजी म.सा. साध्वी श्री नीरजश्रीजी म.सा. साध्वी श्री श्रुतिश्रीजी म.सा. साध्वी श्री प्रज्ञप्तिश्रीजी म.सा. साध्वीश्री संयमसुगंधाश्रीजी म.सा.	समता भवन, महावीर नगर, **पाली** (राज.)	अशोककुमारजी श्रीश्रीमाल 9414120829 ललितजी कूकड़ा 9414610121
25	पर्यायज्येष्ठा साध्वी श्री वंदनाश्रीजी म.सा. शासन दीपिका साध्वी श्री विरक्ताश्रीजी म.सा. साध्वीश्री सुव्रतयशाश्रीजी म.सा. साध्वी श्री अवियशाजी म.सा.	जैन स्थानक भवन, आमदला, **भीलवाड़ा** (राज.)	दिलीपजी संचेती 6348135536	26	शासन दीपिका साध्वी श्री सुभद्राश्रीजी म.सा. साध्वी श्री समीक्षणाश्रीजी म.सा. साध्वी श्री रूपयशाश्रीजी म.सा.	शंकर समता भवन, शास्त्री नगर, **भीलवाड़ा** (राज.).	बलवंतजी रांका 9829178431 पारसमलजी कूकड़ा 9462241948
27	शासन दीपिका साध्वी श्री ज्योतिप्रभाजी म.सा. साध्वीश्री गुणरंजनाश्रीजी म.सा. साध्वी श्री सुवर्णाश्रीजी म.सा.	महावीर भवन, सतखंडा, **चित्तौड़गढ़** (राज.)	चन्दनसिंहजी सिंघवी 8003322062	28	शासन दीपिका साध्वी श्री विद्यावतीजी म.सा. साध्वी श्री नमनश्रीजी म.सा. साध्वी श्री प्रतिज्ञाश्रीजी म.सा.	अरविन्दजी मूथा की बगीची, विनोद नगर, **ब्यावर, अजमेर** (राज.)	अरविन्दजी मूथा 9414010326 चेतनजी हिंगड़ 75971 88424
29	शासन दीपिका साध्वी श्री विनयश्रीजी म.सा. साध्वी श्री सुरभिश्रीजी म.सा. साध्वी श्री सुरिद्धिश्रीजी म.सा. साध्वी श्री सुसिद्धिश्रीजी म.सा. साध्वी श्री अनाकारश्रीजी म.सा. साध्वीश्री काव्ययशाश्रीजी म.सा. साध्वी श्री तारिकाश्रीजी म.सा. साध्वी श्री शाश्वतश्रीजी म.सा.	दिनेशजी शर्मा का निवास, देवरिया, **भीलवाड़ा** (राज.)	छित्तरमलजी सूर्या 9460575828	30	शासन दीपिका साध्वी श्री सुप्रतिभाश्रीजी म.सा. साध्वी श्री सुभगश्रीजी म.सा. साध्वी श्री सुरक्षणश्रीजी म.सा.	सुमितजी राठौड़ का निवास, झुना, **पाली** (राज.)	सुमितजी राठौड़ 8209930287
31	शासन दीपिका साध्वी श्री श्वेताश्रीजी म.सा. साध्वी श्री नूतनश्रीजी म.सा. साध्वी श्री ऋषिताश्रीजी म.सा. साध्वी श्री विश्रुतश्रीजी म.सा.	जैन जवाहर भवन, जैन चौक, नोखा, **बीकानेर** (राज.)	किशनलालजी कांकरिया 9414147607 मदनलालजी पारख 9414417067	32	शासन दीपिका साध्वी श्री लक्ष्यप्रभाजी म.सा. साध्वी श्री मीताश्रीजी म.सा. साध्वी श्री लक्ष्यज्योतिजी म.सा. साध्वी श्री निशान्तश्रीजी म.सा.	श्री जैन जवाहर विद्यापीठ, भीनासर, **बीकानेर** (राज.)	कौशलजी दुग्गड़ 9414137121 9001037121 विमलजी सेठिया 9460172673
33	शासन दीपिका साध्वी श्री करुणाश्रीजी म.सा. साध्वी श्री इंगिताश्रीजी म.सा. साध्वी श्री जिज्ञासाश्रीजी म.सा. साध्वी श्री कृतिश्रीजी म.सा.	समता भवन, बड़ीसादड़ी, **चित्तौडगढ़** (राज.)	महेन्द्रजी सामोता 9928015723	34	शासन दीपिका साध्वी श्री वैभवप्रभाजी म.सा. साध्वी श्री लधिमाश्रीजी म.सा. साध्वी श्री हिमानीश्रीजी म.सा. साध्वी श्री शुभदाश्रीजी म.सा.	पारखजी का निवास, अमर नगर, **जोधपुर** (राज.)	गुलाबजी चौपड़ा 9414196356 9057121008 किशोरजी सांखला 9414921151 7073901008
35	पर्यायज्येष्ठा साध्वी श्री सुबोधप्रभाजी म.सा. शासन दीपिका साध्वी श्री मननप्रज्ञाजी म.सा. साध्वी श्री रमणश्रीजी म.सा. साध्वी श्री समयाश्रीजी म.सा.	पारख भवन, मस्जिद चौक, नोखा, **बीकानेर** (राज.)	किशनलालजी कांकरिया 9414147607 मदनलालजी पारख 9414417067	36	शासन दीपिका साध्वी श्री विकासश्रीजी म.सा. साध्वी श्री अपूर्वश्रीजी म.सा. साध्वी श्री चिरागश्रीजी म.सा. साध्वी श्री मतिज्ञाश्रीजी म.सा. साध्वी श्री मैनासुन्दरीजी म.सा. साध्वी श्री मानसश्रीजी म.सा.	जैन स्थानक भवन (कोठारी भवन), सरदारपुरा, **जोधपुर** (राज.)	गुलाबजी चौपड़ा 9414196356 9057121008 किशोरजी सांखला 9414921151 7073901008
37	शासन दीपिका साध्वी श्री पूजिताश्रीजी म.सा. साध्वी श्री महकश्री जी म.सा. साध्वी श्री रुचिश्रीजी म.सा.	समता भवन, महावीर नगर, **पाली** (राज.)	अशोकजी श्रीश्रीमाल 9414120829 ललितजी कूकड़ा 9414610121	38	शासन दीपिका साध्वी श्री प्रमिलाश्रीजी म.सा. साध्वी श्री सुप्रियाश्रीजी म.सा. साध्वी श्री अनुजाश्रीजी म.सा.	भंवरलालजी चौपड़ा का निवास, विश्वकर्मा नगर, बदवासिया, **जोधपुर** (राज.)	गुलाबजी चौपड़ा 9414196356 9057121008 किशोरजी सांखला 9414921151 7073901008
39	शासन दीपिका साध्वी श्री शर्मिलाश्रीजी म.सा.	श्री जैन जवाहर	मोतीलालजी बुच्चा	40	शासन दीपिका साध्वी श्री पावनश्रीजी म.सा.	समता भवन, चिकारडा,	प्रहलादजी लोढ़ा 9929201607

	साध्वी श्री सुगुप्तिश्रीजी म.सा. साध्वी श्री सुप्रीतिश्रीजी म.सा. साध्वी श्री सोऽम्श्रीजी म.सा.	मण्डल, देशनोक, **बीकानेर** (राज.)	6350348268 पानमलजी भूरा 8094812556		साध्वी श्री प्रज्ञाश्रीजी म.सा. साध्वी श्री प्रेक्षाश्रीजी म. सा. साध्वी श्री प्रणतिश्रीजी म.सा.	**चित्तौड़गढ़** (राज.)	
41	शासन दीपिका साध्वी श्री चिंतनप्रज्ञाजी म.सा. साध्वी श्री अर्जिताश्रीजी म.सा. साध्वी श्री सौम्यताश्रीजी म.सा.	दिनेशजी कोठारी का निवास, आदिनाथ कॉलोनी, **उदयपुर** (राज.)	पारसजी डागा 9413300423 अर्जुनजी लोढ़ा 8949942495	42	शासन दीपिका साध्वी श्री रश्मिश्रीजी म.सा. साध्वी श्री उन्नतिश्रीजी म.सा. साध्वी श्री सम्पदाश्रीजी म.सा.	समता भवन, गंगापुर, **भीलवाड़ा** (राज.)	पवनजी कोठारी 9414220772
43	शासन दीपिका साध्वी श्री सुप्रज्ञाश्रीजी म.सा. साध्वी श्री सुश्रद्धाश्रीजी म.सा. साध्वी श्री सुरचिताश्रीजी म.सा.	समता भवन, सूरतगढ़, **श्रीगंगानगर** (राज.)	पूनमचंदजी सुराणा 9351092281	44	शासन दीपिका साध्वी श्री सुरुचिश्रीजी म.सा. साध्वी श्री सुसौम्यश्रीजी म.सा. साध्वी श्री सुहर्षाश्रीजी म.सा.	महावीर भवन, पाण्डोली स्टेशन, **चित्तौड़गढ़** (राज.)	पुखराजजी जैन 9680096144
45	शासन दीपिका साध्वी श्री ऋजुताश्रीजी म.सा. साध्वी श्री श्रेयाश्रीजी म.सा. साध्वी श्री मुस्कानश्रीजी म.सा.	अभयजी जैन का निवास, सिविल लाइन्स, **टोंक** (राज.)	सुनीलजी बम्ब 9414227645	46	पर्यायज्येष्ठा साध्वी श्री लघुताश्रीजी म.सा. शासन दीपिका साध्वी श्री संयतिश्रीजी म.सा. साध्वी श्री साक्षीश्रीजी म.सा. साध्वी श्री वरणश्रीजी म.सा.	कांकरिया पौषधशाला, पावटा बी रोड, **जोधपुर** (राज.)	गुलाबजी चौपड़ा 9414196356 9057121008 किशोरजी सांखला 9414921151 7073901008
47	शासन दीपिका साध्वी श्री अभिप्साश्रीजी म.सा साध्वी श्री पुष्पिकाश्रीजी म.सा. साध्वी श्री सुहानीश्रीजी म.सा.	मानसिंहजी का निवास, इन्द्रोका, **जोधपुर** (राज.)	मानसिंहजी 8107004645	48	शासन दीपिका साध्वी श्री भाग्यश्रीजी म.सा. साध्वी श्री भव्याश्रीजी म.सा. साध्वी श्री रम्याश्रीजी म.सा.	रामलालजी जैन का निवास, सोइंतरा, **जोधपुर** (राज.)	प्रकाशजी जैन 9928913383
49	शासन दीपिका साध्वी श्री प्रखरश्रीजी म.सा. साध्वी श्री भवपारश्रीजी म.सा. साध्वीश्री चन्द्रकलाश्रीजी म.सा. साध्वी श्री जयंकराश्रीजी म.सा.	महावीर भवन, सांडिया, **पाली** (राज.)	सुरेशजी सुराना 9829023158 महावीरजी पावेचा 9928260741	50	शासन दीपिका साध्वी श्री निखारश्रीजी म.सा. साध्वी श्री खंतीप्रियाश्रीजी म.सा. साध्वी श्री खामेमिश्रीजी म.सा. साध्वी श्री रमामिश्रीजी म.सा. साध्वी श्री रिभिताश्रीजी म.सा.	उत्तमजी जैन का निवास, ज्ञानगढ़, **राजसमंद** (राज.)	उत्तमजी जैन 9829048727
51	शासन दीपिका साध्वी श्री प्रियंकाश्रीजी म.सा. साध्वी श्री ह्रींकारश्रीजी म.सा. साध्वी श्री शीलसुगंधाश्रीजी म.सा. साध्वी श्री श्रुतिप्रज्ञाजी म.सा.	सुरेन्द्रजी जैन का निवास, सोल खुर्द, **अजमेर** (राज.)	विनोदजी जैन 9829249859	52	शासन दीपिका साध्वी श्री मर्यादाश्रीजी म.सा. साध्वी श्री अरुणिमाश्रीजी म.सा. साध्वी श्री अक्षिताश्रीजी म.सा.	महावीर भवन, अन्टाली, **भीलवाड़ा** (राज.)	पारसमलजी बाबेल 9950512415

विभाग-2

मालवा अंचल, छत्तीसगढ़-उड़ीसा अंचल

1	शासन दीपक श्री प्रकाशमुनिजी म.सा. श्री हेमगिरीमुनिजी म.सा. श्री किशोरमुनिजी म.सा.	वर्धमान जैन स्थानक भवन, बामनिया, **झाबुआ** (म.प्र.)	मनोजजी व्होरा 9589009589 9425970136	2	शासन दीपक श्री अक्षयमुनिजी म.सा. श्री दिनेशमुनिजी म.सा.	जैन स्थानक भवन, गुंडरदेही, **बालोद** (छ.ग.)	अमितजी देशलहरा 8435210000
3	शासन दीपक श्री हेमन्तमुनिजी म.सा. श्री सौरभमुनिजी म.सा.	चौपड़ा स्वाध्याय भवन, भिलाई–3, **दुर्ग** (छ.ग.)	कोमलजी पारख 9827939671	4	शासन दीपक श्री हर्षितमुनिजी म.सा. श्री दिव्यदर्शनमुनिजी म.सा.	शिवांशी स्कूल, बजरंगपुर, **रायपुर** (छ.ग.)	गंभीरजी सांखला 9425503603
5	शासन दीपक श्री धीरजमुनिजी म.सा. श्री लक्षितमुनिजी म.सा.	जैन भवन, धमधा, **दुर्ग** (छ.ग.)	पारसजी छाजेड़ 9425568471	6	शासन दीपक श्री जयप्रभमुनिजी म.सा. श्री अनन्यमुनिजी म.सा.	समता भवन, मंडी मार्ग, बदनावर, **धार** (म.प्र.)	अनिलजी लुणिया 9977477448
7	शासन दीपक श्री सुमितमुनिजी म.सा.	जैन स्थानक भवन, संत	कपूरजी कोठारी	8	पर्यायज्येष्ठा साध्वी श्री कस्तूरकँवरजी म.सा.	समता सदन, पुलिस कंट्रोल	बाबूलालजी पितलिया

	श्री ब्रह्मऋषिमुनिजी म.सा. श्री ऋजुप्रज्ञमुनिजी म.सा.	नगर, **रतलाम** (म.प्र.)	9926719377 सुमितजी कटारिया 7879621094		शासन दीपिका साध्वी श्री चंदनबालाजी म.सा. (पिपलियामण्डी) साध्वी श्री शारदाश्रीजी म.सा. साध्वी श्री दिव्यप्रभाजी म.सा. साध्वी श्री लक्षिताश्रीजी म.सा. साध्वी श्री यशस्वीश्रीजी म.सा. साध्वी श्री मनस्वीश्रीजी म.सा. साध्वी श्री विशुद्धिश्रीजी म.सा.	रूम के सामने, रोम टॉवर वाली गली न. –2, नई आबादी, **मन्दसौर** (म.प्र.)	9425369562 नरेन्द्रकुमारजी चौधरी 9425369547
9	शासन दीपिका साध्वी श्री जयश्रीजी म.सा. साध्वी श्री प्रभावनाश्रीजी म.सा. साध्वीश्री चितरंजनाश्रीजी म.सा. साध्वी श्री चंदनाश्रीजी म.सा. (इन्दौर वाले) साध्वी श्री सुनीताश्रीजी म.सा. साध्वी श्री मल्लिकाश्रीजी म.सा. साध्वी श्री कृतिकाश्रीजी म.सा. साध्वी श्री कृणिकाश्रीजी म.सा.	समता भवन, संजय गाँधी उद्यान के सामने, नई आबादी, **मन्दसौर** (म.प्र.)	बाबूलालजी पितलिया 9425369562 नरेन्द्रकुमारजी चौधरी 9425369547	10	शासन दीपिका साध्वी श्री सुशीलाकँवरजी म.सा. (महा. वाले) साध्वी श्री वनिताश्रीजी म.सा. साध्वी श्री साधनाश्रीजी म.सा. साध्वी श्री चंदनाश्रीजी म.सा. (बड़ीसादड़ी वाले) साध्वी श्री अर्पणाश्रीजी म.सा. (बड़ीसादड़ी वाले) साध्वी श्री निष्ठाश्रीजी म.सा. साध्वीश्री निरामगंधाश्रीजी म.सा.	अभिषेकजी कांठेड का निवास, जवाहर नगर, **नीमच** (म.प्र.)	शोकिनजी मुणोत 9425106189 6261923732 अशोकजी मोगरा 9329444345
11	शासन दीपिका साध्वी श्री शकुन्तलाश्रीजी म.सा. साध्वी श्री चरित्रप्रभाजी म.सा. साध्वी श्री हर्षिताश्रीजी म.सा.	ललितजी पारख का निवास, बेलगाँव, **राजनांदगाँव** (छ.ग.)	ललितजी पारख 9424156505	12	शासन दीपिका साध्वी श्री प्रेमलताजी म.सा. (मंदसौर वाले) साध्वी श्री कुसुमकांताजी म.सा. (जावरा) साध्वीश्री कल्पमणिश्रीजी म.सा. साध्वी श्री समीक्षाश्रीजी म.सा. साध्वी श्री स्तुतिश्रीजी म.सा.	समता भवन, पिपलियामंडी, **मंदसौर** (म.प्र.)	मनोहरजी खिन्दावत 9425105061 पारसमलजी भण्डारी 8964868181
13	शासन दीपिका साध्वी श्री श्रीकांताजी म.सा. साध्वी चंदनबालाजी म.सा. (बड़ावदा वाले) साध्वी श्री रंजनाश्रीजी म.सा. साध्वी श्री प्रियलक्षणाजी म.सा. साध्वीश्री सुलोचनाश्रीजी म.सा. साध्वी श्री जयंतश्रीजी म.सा. साध्वी श्री मधुश्रीजी म.सा. साध्वी श्री मुक्ताश्रीजी म.सा. साध्वी श्री सुमंगलाश्रीजी म.सा. साध्वी श्री अविचलश्रीजी म.सा. साध्वी श्री प्रांजलश्रीजी म.सा. साध्वी श्री विरलश्रीजी म.सा. साध्वी श्री महिताश्रीजी म.सा. साध्वी श्री प्रतिक्षाश्रीजी म.सा. साध्वी श्री प्रियताश्रीजी म.सा. साध्वी श्री अविकारश्रीजी म.सा. साध्वी श्री मीनाक्षीश्रीजी म.सा. साध्वी श्री छवियशाश्रीजी म.सा. साध्वी श्री पीहिताश्रीजी म.सा. साध्वीश्री पर्युपासनाश्रीजी म.सा.	समता भवन, यशवंत निवास रोड, **इंदौर** (म.प्र.)	तेजकुमारजी तातेड़ 9826033624 ललितजी दुग्गड़ 9827013200	14	शासन दीपिका साध्वी श्री प्रीतिसुधाजी म.सा. साध्वी श्री करिश्माश्रीजी म.सा. साध्वी श्री सुवासश्रीजी म.सा. साध्वी श्री सुरम्यश्रीजी म.सा. साध्वीश्री कीर्तियशाश्रीजी म.सा.	समता सदन, घास बाजार, **रतलाम** (म.प्र.)	कपूरजी कोठारी 9926719377 सुमितजी कटारिया 7879621094
15	शासन दीपिका साध्वी श्री मनोरमाश्रीजी म.सा. साध्वी श्री सरोजबालाजी म.सा. साध्वी श्री सुमुक्तिश्रीजी म.सा. साध्वी श्री सुविरागश्रीजी म.सा साध्वी श्री सुविराजश्रीजी म.सा. साध्वी श्री सुअर्चाश्रीजी म.सा.	समता भवन, जवाहरपेठ, जावरा, **रतलाम** (म.प्र.)	अभयकुमारजी भण्डारी 8989605240 नरेशजी मेहता 9425124737	16	शासन दीपिका साध्वी श्री कुसुमकांताजी म.सा. साध्वी श्री सुनेहाश्रीजी म.सा. साध्वी श्री सुशक्तिश्रीजी म.सा.	रामकृष्णा पब्लिक स्कूल, कवर्धा, **कबीरधाम** (छ.ग.)	अतुलजी देशलहरा 9425241508
17	शासन दीपिका साध्वी श्री अरुणाश्रीजी म.सा. साध्वी श्री उपासनाश्रीजी म.सा. साध्वी श्री वीतरागश्रीजी म.सा. साध्वी श्री राजुलश्रीजी म.सा.	महावीर भवन, पीपलखूंटा, **रतलाम** (म.प्र.)	बद्रीलालजी 7829119775	18	शासन दीपिका साध्वी श्री दर्शनाश्रीजी म.सा. साध्वी श्री रिद्धप्रभाजी म.सा. साध्वीश्री श्रुतशीलाश्रीजी म.सा. साध्वी श्री जिनेन्द्रप्रज्ञाश्रीजी म.सा.	भंवरसिंहजी राजपूत का निवास, **नयाखेड़ा,** मन्दसौर (म.प्र.)	बाबूलालजी पितलिया 9425369562 नरेन्द्रकुमारजी चौधरी 9425369547
19	शासन दीपिका साध्वी श्री प्रमोदश्रीजी म.सा.	अभयजी जैन का निवास,	तेजकुमारजी तातेड़	20	शासन दीपिका साध्वी श्री हेमप्रभाजी म.सा.	समता भवन शिवपारा, **दुर्ग**	श्री सुभाषजी छाजेड

	साध्वी श्री कृतज्ञाजी म.सा. साध्वी श्री स्वागतश्रीजी म.सा. साध्वी श्री सुगुणाश्रीजी म.सा.	तिलक पथ, **इन्दौर** (म.प्र.)	9826033624 ललितजी 9827013200		साध्वी श्री सुमेरुश्रीजी म.सा. साध्वी श्री निर्मलयशाश्रीजी म.सा. साध्वीश्री नियतयशाश्रीजी म.सा.	(छ.ग.)	9893628100 नवीनजी बोथरा 9827174330
21	शासन दीपिका साध्वी श्री रजतमणिजी म.सा. साध्वी श्री प्रज्ञाश्रीजी म.सा. (उड़ीसा) साध्वी श्री चन्द्रिकाश्रीजी म.सा.	धाड़ीवाल ज्ञान भवन, सदर बाजार, **रायपुर** (छ.ग.)	उदयजी पारख 9424127849 कन्हैयाजी लुणावत 9302688808 7714013048	22	शासन दीपिका साध्वी श्री अर्पणाश्रीजी म.सा. (कानोड वाले) साध्वी श्री मर्मज्ञश्रीजी म.सा. साध्वी श्री प्रत्युषाश्रीजी म.सा.	अभिषेकजी कांठेड़ का निवास,जवाहर नगर, **नीमच** (म.प्र.)	शोकिनजी मुणोत 9425106189 6261923732 अशोकजी मोगरा 9329444345
23	शासन दीपिका साध्वी श्री मंजुलाश्रीजी म.सा. (भीनासर वाले) साध्वीश्री सुसारिकाश्रीजी म.सा. साध्वी श्री सुपरश्रीजी म.सा. साध्वी श्री सुरक्तिश्रीजी म.सा. साध्वीश्री सुनवनिधिश्रीजी म.सा.	अशोकजी लूणकर का निवास, अंजड़, **बडवानी** (म.प्र.)	अशोकजी लूणकर 9425088222 विमलजी लोढ़ा 9424533322	24	शासन दीपिका साध्वी श्री सुयशाश्रीजी म.सा. साध्वी श्री हितैषीश्रीजी म.सा. साध्वी श्री रुचिराश्रीजी म.सा. साध्वी श्री सुपद्मश्रीजी म.सा. साध्वी श्री सुदक्षाश्रीजी म.सा. साध्वी श्री सौम्यसुगंधाश्रीजी म.सा. साध्वी श्री दीपिकाश्रीजी म.सा.	समता भवन, गोपाल गौशाला कॉलोनी, **रतलाम** (म.प्र.)	कपूरजी कोठारी 9926719377 सुमितजी कटारिया 7879621094
25	शासन दीपिका साध्वी श्री सुभक्तिश्रीजी म.सा. साध्वी श्री सुऋचाश्रीजी म.सा. साध्वी श्री पल्लवश्रीजी म.सा.	गोविन्दराम जी बोथरा का निवास, बुधवारा, **बुरहानपुर** (म.प्र.)	अरुणजी लुंकड 9039721546 पंकजजी मेहता 9826622271	26	शासन दीपिका साध्वी श्री सरिश्माश्रीजी म.सा. साध्वी श्री अणिमाश्रीजी म.सा. साध्वी श्री सर्वज्ञश्रीजी म.सा. साध्वी श्री ख्यातिश्रीजी म.सा.	सतीशजी कौरव का निवास, बरांझ, **नरसिंहपुर** (म.प्र.)	सतीशजी कौरव 9926956340
27	शासन दीपिका साध्वी श्री समियाश्रीजी म.सा. साध्वी श्री कामनाश्रीजी म.सा. साध्वी श्री सुधृतिश्रीजी म.सा. साध्वीश्री मृदुलप्रज्ञाश्रीजी म.सा.	जैन भवन, देवकर, **बेमेतरा** (छ.ग.)	रमेशजी बोहरा, देवकर 9993280160	28	शासन दीपिका साध्वी श्री शृंगारश्रीजी म.सा. साध्वी श्री दीक्षिताश्रीजी म.सा. साध्वी श्री निर्वेदश्रीजी म.सा.	बसन्तीलालजी नांदेचा का निवास, **बदनावर,** धार (म.प्र.)	अनिलजी लुणिया 9977477448
29	शासन दीपिका साध्वी श्री सुरीलीश्रीजी म.सा. साध्वी श्री चिरन्तनश्रीजी म.सा. साध्वी श्री इहिताश्रीजी म.सा. साध्वी श्री रोहिताश्रीजी म.सा.	मिलिक्ट्री कैम्प, बामुर, **अंगुल** (उड़ीसा)	विनोदजी डागा 9331018261				

विभाग-3

मुम्बई-गुजरात अंचल, महाराष्ट्र-विदर्भ-खानदेश अंचल

1	शासन दीपक श्री पदममुनिजी म.सा. श्री उदितमुनिजी म.सा. श्री प्रणतमुनिजी म.सा.	जैन स्थानक भवन, मुक्ताईनगर, **जलगाँव** (महा.)	सागरजी भण्डारी 9422282251	2	शासन दीपक श्री निश्चलमुनिजी म.सा. श्री मदनमुनिजी म.सा. श्री रोहितमुनिजी म.सा.	जैन स्थानक भवन, सुकेणा, **नाशिक** (महा.)	ललितजी गाँध 9822502023 अशोकजी कर्नावट 9767924232
3	शासन दीपक श्री सुबाहुमुनिजी म.सा. श्री भूतिप्रज्ञमुनिजी म.सा.	जैन स्थानक भवन, फागना, **धुलिया** (महा.)	किशोरजी संघवी 8275563563	4	शासन दीपिका साध्वी श्री कल्पनाश्रीजी म.सा. साध्वीश्री स्थितप्रज्ञाश्रीजी म.सा. साध्वी श्री जयघोषाश्रीजी म.सा.	जैन स्थानक भवन, सुंदरनगर, भेस्तान, **सूरत** (गुज.)	उमेशजी मेहता 9724163092 कांतिलालजी मेहता 9824187060
5	शासन दीपिका साध्वी श्री उज्ज्वलप्रभाजी म.सा. साध्वी श्री प्रमितिश्रीजी म.सा. साध्वीश्री मणामगंधाश्रीजी म.सा.	03, समता भवन, रविदर्शन सोसायटी, न्यू सिविल रोड, **सूरत** (गुज.)	उमेशजी मेहता 9724163092	6	शासन दीपिका साध्वी श्री सौम्यशीलाजी म.सा. साध्वी श्री विवेकशीलाजी म.सा. साध्वी श्री सुयशप्रज्ञाजी म.सा. साध्वी श्री जयप्रज्ञाजी म.सा.	हनुमान मंदिर, बोरखेड़ी, **नागपुर** (महा.)	कृष्णाजी ढुके 9545557040 ज्ञानचंदजी जैन 7020835683 9423434959
7	शासन दीपिका साध्वी श्री दिव्यदेशनाश्रीजी म.सा. साध्वी श्री नवकारश्रीजी म.सा. साध्वी श्री भाविताश्रीजी म.सा. साध्वी श्री शुभंकराश्रीजी म.सा.	डॉ.अनिलजी का निवास, वडाला, **सोलापुर** (महा.)	धर्मीचंदजी चौरड़िया 9423588404				

विभाग-4

दिल्ली-पंजाब-हरियाणा अंचल

1	शासन दीपिका साध्वी श्री मनीषाश्रीजी म.सा.	जैन स्थानक	रमेशचंदजी गोलेछा	2	शासन दीपिका साध्वी श्री विजेताश्रीजी म.सा.	जैन स्थानक भवन,	रमेशचंदजी गोलेछा

	साध्वी श्री धैर्यप्रभाजी म.सा. साध्वी श्री मृणालकँवरजी म.सा.	भवन, **शक्तिनगर एक्सटेंसन, दिल्ली**	9810074206		साध्वी श्री विराटश्रीजी म.सा. साध्वी श्री जयतिश्रीजी म.सा. साध्वी श्री पूर्वीश्रीजी म.सा. साध्वी श्री सुश्रियाश्रीजी म.सा. साध्वी श्री शिक्षिताश्रीजी म.सा. साध्वी श्री शशांकश्रीजी म.सा.	**राणाप्रताप बाग, दिल्ली**	9810074206 जतनजी भूरा 9811160100
3	शासन दीपिका साध्वी श्री प्रशांतश्रीजी म.सा. साध्वी श्री प्रबोधश्रीजी म.सा. साध्वी श्री प्रणवश्रीजी म.सा. साध्वी श्री प्रशस्तिश्रीजी म.सा.	सुरेन्द्रजी जैन का निवास, हुड्डा, **सिरसा** (हरि.)	सुरेन्द्रजी जैन 7015858164 पूनमचंदजी सुराणा 9351092281				

विभाग-5

तमिलनाडु अंचल, कर्नाटक-आंध्रप्रदेश अंचल, बंगाल-बिहार-नेपाल अंचल, त्रिपुरा-भूटान अंचल, पूर्वोत्तर अंचल

1	शासन दीपक श्री छत्रांकमुनिजी म.सा. श्री निर्वाणमुनिजी म.सा.	जैन स्थानक भवन, मल्लेश्वरम्, **बैंगलूरु** (कर्ना.)	किशोरजी कर्नावट 9845038597 कमलेशजी बोहरा 9972580105	2	शासन दीपक श्री विदेहमुनिजी म.सा. श्री उत्तमयशमुनिजी म.सा.	गौशाला परिसर, जंगमपल्ली, **कामारेड्डी** (तेलंगाना)	विजयजी कटारिया 9848027457 प्रदीपजी बोहरा 9849549300
3	शासन दीपिका साध्वी श्री सुप्रभाजी म.सा. साध्वी श्री सत्यप्रभाजी म.सा. साध्वी श्री पुण्यप्रभाजी म.सा. साध्वी श्री सन्मतिशीलाजी म.सा.	ललितजी बुरड़ का निवास, केशवपुर **हुबली** (कर्ना.)	संजयजी कटारिया 9886700511	4	शासन दीपिका साध्वी श्री अर्चनाश्रीजी म.सा. साध्वीश्री मल्लिप्रज्ञाश्रीजी म.सा. साध्वी श्री प्रतिष्ठाश्रीजी म.सा. साध्वी श्री रुचिताश्रीजी म.सा.	वर्द्धमान जैन स्थानक भवन, कंचगार गली, **हुबली** (कर्ना.)	संजयजी कटारिया 9886700511
5	शासन दीपिका साध्वी श्री समीहाश्रीजी म.सा. साध्वी श्री निर्जराश्रीजी म.सा. साध्वी श्री संहिताश्रीजी म.सा. साध्वी श्री छविप्रज्ञाश्रीजी म.सा.	कांकरिया गेस्ट हाऊस, किलपॉक, **चैन्नई** (तमि.)	विजयसिंहजी पींचा 988449700				

विनय

(आचार्य प्रवर 1008 श्री जवाहरलाल जी म.सा.)

- मृदुता का महान् गुण है विनय और वह मान पर विजय प्राप्त करने से आता है। जिसमें नम्रता होती है, वही महान् समझा जाता है।
- जैसे पृथ्वी के सहारे के बिना वृक्ष आदि स्थिर नही रह सकते, उसी प्रकार समस्त गुणों की आधार भूमिका विनयशीलता है। विनयशीलता के अभाव में कोईं भी गुण स्थिर नहीं रह सकता।
- अहंकार का त्याग करके नम्रता धारण करने वाले, मनुष्य रूप में देव हैं, चाहे वे कितने ही गरीब हों। जिसके सिर पर अहंकार का भूत सवार रहता है, वह धनवान होकर भी तुच्छ है, नगण्य है।
- सम्पत्ति पाकर सज्जन पुरुष अधिक नम्र हो जाता है।
- मनुष्य में जितनी ज्यादा विनयशीलता होगी, उसकी पुण्याई उतनी ही ज्यादा बढ़ेगी।
- अहंकार के द्वारा बड़े होने से कोई बड़ा नहीं होता। सच्चा बड़प्पन दूसरों को बड़ा बनाकर आप के छोटा बनने से आता है।

चिंतन की कड़ियाँ

जीवन के सत्य

अहंकार और ममकार की भावना को नष्ट किये बिना जीवन के सत्य को प्राप्त नहीं किया जा सकता।

-परम पूज्य आचार्य प्रवर 1008 श्री रामलालजी म.सा.
(नीरव का रव)

आंचलिक रिपोर्ट

सभी क्षेत्रों में चारित्रात्माएँ सुख-सातापूर्वक विराजमान हैं।

केसरिया कार्यशाला-

श्रीमद् भगवतीसूत्र शतक-2 उद्देशक 5 के आधार से **सवणे णाणे** पर 10 महीने से जो केसरिया कार्यशाला चल रही है, उसका यह 9वाँ पड़ाव था अक्रिया।

अप्रैल माह में आयोजित केसरिया कार्यशाला "अक्रिया" गतिविधि

क्षेत्र	प्रतिभागियों की सं.	क्षेत्र	प्रतिभागियों की सं.	क्षेत्र	प्रतिभागियों की सं.	क्षेत्र	प्रतिभागियों की सं.
मेवाड़ अंचल		**जयपुर-ब्यावर अंचल**		राजनांदगांव	23	**कर्नाटक-आंध्रप्रदेश अंचल**	
कानोड़	21	ब्यावर	30	कवर्धा	17	हैदराबाद	20
निम्बाहेड़ा	30	बजरिया	7	खरियार रोड	7	होलेनरसिंहपुर	5
चित्तौड़गढ़	13	अलीगढ़	13	नगरी	6	मैसूर	35
लसड़ावन	11	सवाईमाधोपुर	13	धमधा	9	बैंगलोर	52
उदयपुर	10	चौथ का बरवाड़ा	9	नुआपाडा	7	**मुम्बई-गुजरात अंचल**	
भीम	15	जयपुर	32	डौंडी	15	चिखली	10
प्रतापगढ़	16	**मध्यप्रदेश अंचल**		सुकमा	15	वापी	8
कांकरोली	12	हरदा	7	अर्जुनी	7	अहमदाबाद	38
भदेसर	11	रतलाम	19	कलंगपुर	7	पूणे	5
बड़ीसादड़ी	20	कानवन	12	दल्ली	7	दुबई	
बम्बोरा	25	जावरा	10	साजा	12	सूरत	16
बीकानेर-मारवाड़ अंचल		बदनावर	12	गुण्डरदेही	12	**महाराष्ट्र-विदर्भ-खानदेश अंचल**	
बीकानेर	50	जावद	11	जगदलपुर	18	देवली	8
सूरतगढ़	5	बिरमावल		भिलाई	3	बीड	11
रानीबाजार	7	**छत्तीसगढ़-उड़ीसा अंचल**		दुर्ग	24	लातूर	10
बालोतरा	13	अम्बागढ़ चौकी	8	थान खमरिया	6	परोला	15
जोधपुर	15	खैरागढ़	15	बेरला	9	कर्जत	35
बालेसर	10	अहिवारा	7	रायपुर	56	निमगुल	7
बाड़मेर	6	बालोद	9	भाटापारा	7	यवतमाल	16
रावतसर	6	कोंडागांव	21	देवकर	7	मलकापुर	8
नोखा	13	डोंगरगांव	9	ठेलकादीह	4		

कोपरगाँव	29	परतवाड़ा	20	तिसगाँव	8	म्हसावद	7
कारंजा लाड	9	जलगाँव	15	औरंगाबाद	15	राहुरी	6
नागपुर	17	शिरपुर	23	नन्दुरबार	11	श्री रामपुर	5
देवली	10	परली	10	अकोला	14	**बंगाल-बिहार-नेपाल-भूटान**	
सावलीविहिर	8	अक्कलकुआ	15	दोंडाइचा	7	**अंचल**	
वान्याविहिर	7	धुलिया	12	गेवराई	6	हावड़ा	25
सिन्नर	8	शहादा	13	सटाना	8	अलीपुरद्वार	12
सेवली	11	लासुर	30	शहादा	13	कोलकाता	25
विहामांडवा	10	सिंदखेड़ा	8	मोलगी	4	इस्लामपुर	6
नासिक	5	भड़गाँव	21	नान्दूर	8	**पूर्वोत्तर अंचल**	
मुरुड	11	पतरवाड़ा	20	करमाला	28	सिलापथार	20
सोलापुर	8	शिरूड़	8	लासुर स्टेशन	30	गुवाहाटी	16
बेलापुर	20	धामनगाँव	13	हिंगोली	10	कोकराझार	6
राहता	16	परली	10	भराड़ी	23	**कुल**	**1867**
राहुरी फैक्ट्री	8	अम्बाजोगाई	21	देवगाँव	8		

युवती शक्ति-

युवती शक्ति के इतिहास में पहली बार ऑफलाइन एक्टिविटी:-

Offline Planet (Let's meet without Internet)

बहुत हुए ऑनलाइन इवेंट, ऑनलाइन मीट, ऑनलाइन सेशंस, युवतियों को दरकार थी एक ऐसी ऑफलाइन एक्टिविटी की, जिससे वे अपने स्थानीय संघ में सारी युवतियों से परिचय कर एक-दूसरे से दोस्ती कर संघ सेवा की ओर अग्रसर होते हुए अपने व्यक्तित्व में और भी निखार ला सकें। इस एक्टिविटी को क्रियान्वित करने हेतु युवती शक्ति द्वारा जो योजना बनाई गई, वह इस प्रकार है : सभी अंचलों की अंचल संयोजिकाओं ने अपने-अपने अंचल के सभी क्षेत्रों की स्थानीय संयोजिकाओं से वन टू वन कान्टेक्ट रखा एवं एक्टिविटी से सम्बन्धित सभी पहलुओं पर समय-समय पर जानकारी दी गई।

नवकार मंत्र पर आधारित रोचक खेल चार Round में खेलाए गये।

Round-1. Action Game - पाँच पदों की महिमा पर आधारित था।

Round-2.Memory Game- कल से आज तक- इस राउंड में युवती शक्ति की शुरुआत से लेकर अब तक संपन्न हो चुकी गतिविधियों के नाम पर Memory Game खेलाया गया।

Round-3.Brain Game जिसमें प्रभु महावीर के जीवन पर आधारित प्रश्न पूछे गए तथा रामेश चालीसा पर आधारित **मुझे पहचानो** गेम खेलाया गया। आचार्य श्री रामेश चालीसा से सम्बन्धित पिक्टोरियल रीप्रजेंटेशन के प्रश्न पूछे गए, जिसके जवाब में युवतियों को चालीसा के पद ही लिखने थे।

Round-4.Word Game- अंताक्षरी गेम में आचार्य श्री रामेश चालीसा के ही शब्दों को अंताक्षरी के रूप में पिरोना था।

इस गतिविधि को 12 अंचलों के 110 क्षेत्रों और लगभग 1000 से अधिक युवतियों के साथ सफल बनाने में सभी अंचल संयोजिका और स्थानीय संयोजिका का सहयोग रहा। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय

स्थान प्राप्त करने वाली युवतियों को स्थानीय संघ द्वारा पुरस्कार राशि प्रदान की गयी तथा सभी प्रतिभागियों को सात्वंना पुरस्कार दिये गये।

नीमच (मालवा) में स्थानीय संयोजिका विनीताजी कांठेड़ ने अपने सभी 10 क्षेत्रों में गतिविधि करवाई।

इसी के साथ ***Offline Planet (Let's meet without Internet)*** की रूपरेखा तैयार करने में जयश्रीजी दस्साणी-विश्वनाथचारली, रुचिताजी गिड़िया-राजनांदगाँव, नीताजी छिप्पानी-रतलाम, खुशीजी मुनोत-जलगाँव और मोनिकाजी भंडारी-सूरत का विशेष योगदान था।

Offline Planet
(Let's meet without Internet)

अंचल का नाम	कुल क्षेत्र	प्रतिभागी क्षेत्र	प्रतिशत (%)
मेवाड़	33	14	42.42
बीकानेर मारवाड़	21	08	38.09
जयपुर ब्यावर	10	07	70
मध्यप्रदेश	53	27	50.94
छत्तीसगढ उड़ीसा	34	19	55.88
कर्नाटक आंध्रप्रदेश	10	09	90
तमिलनाडु	08	01	12.5
मुम्बई गुजरात	09	04	44.44
महाराष्ट्र विदर्भ खानदेश	22	10	45.45
बंगाल बिहार नेपाल भूटान	21	03	14.28
पूर्वोत्तर	27	12	44.44
दिल्ली पंजाब हरियाणा उत्तरप्रदेश	09	05	55.55

साथ ही नोखा, नागौर और ब्यावर क्षेत्र में
खुशियों का पिटारा गतिविधि करवाई गई।

वुमन्स मोटिवेशनल फोरम

शासनपति श्रमण भगवान श्री महावीर स्वामी के 2621वें जन्म कल्याणक दिवस पर 16 अप्रैल 2022 को **वीर से महावीर तक एक यात्रा** (भाग-2) पर ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता आयोजित की गई। भगवान महावीर के उपदेश तथा आचार्य श्री रामेश के 24 चिंतन बिन्दुओं पर आधारित प्रश्नोत्तरी रखी गई थी।

सम्पूर्ण संघ के लिए आयोजित इस प्रतियोगिता में 3200 से ज्यादा प्रतिभागियों ने पुरुषार्थ किया। प्रतियोगिता में श्रावक एवं श्राविका दोनों ही वर्गों से 3 शीर्ष राष्ट्रीय विजेता एवं 12 अंचल विजेताओं के नाम घोषित किए गए। सभी विजेताओं को पुरस्कार राशि एवं प्रमाण-पत्र से सम्मानित किया गया।

आगामी गतिविधि- **तपस्या एवं पारणा** विषय पर आधारित होनी सम्भावित है।

।।जय गुरु नाना।। ।।जय महावीर।। ।।जय गुरु राम।।

राम चमकते भानु समाना

श्री अ.भा.सा. जैन महिला समिति

(अंतर्गत - श्री अ.भा.सा.जैन संघ)

वीर से महावीर तक-एक यात्रा (2)

राष्ट्रीय टॉप-3 विजेता (श्राविका)

क्र.सं	नाम	स्थान	अंचल
1	प्रीतिका जैन	जोधपुर	बीकानेर-मारवाड़
2	सुनीता कांकरिया	कुचबिहार	बंगाल-बिहार-नेपाल-भुटान
3	संतोष दक	डूंगला	मेवाड़

राष्ट्रीय टॉप-3 विजेता (श्रावक)

क्र.सं	नाम	स्थान	अंचल
1	दिनेश कुमार जैन	देवली	जयपुर-ब्यावर
2	मनोहर लाल जैन	कपासन	मेवाड़
3	मोहित जैन	गाजियाबाद	दिल्ली-पंजाब-हरियाणा-उत्तरप्रदेश

12 आंचलिक विजेता

क्र.सं	नाम	स्थान	अंचल
1	प्रिन्सी डूंगरवाल	निम्बाहेड़ा	मेवाड़
2	किरण देवी चोरड़िया	नोखा	बीकानेर-मारवाड़
3	संपत्त श्रीमाल	जयपुर	जयपुर-ब्यावर
4	संगीता जैन	रतलाम	मध्यप्रदेश
5	भावना सुराणा	नारायणपुर	छत्तीसगढ़-उड़ीसा
6	सुमन जैन	बैंगलोर	कर्नाटक-आंध्रप्रदेश
7	पलक कोठारी	चैन्नई	तमिलनाडु
8	मोनिका मिन्नी	अहमदाबाद	मुंबई-गुजरात-यू.ए.ई
9	बरखा मरोठी	नागपुर	महाराष्ट्र-विदर्भ-खानदेश
10	शकुन्तला देवी बेद	हावड़ा	बंगाल-बिहार-नेपाल-भुटान
11	लक्ष्मी देवी पारख	धर्मनगर	पूर्वोत्तर
12	रेखा खिंवसरा	दिल्ली	दिल्ली-पंजाब-हरियाणा-उत्तरप्रदेश

Sadhumargi Women's Motivational Forum

Congratulations!

साधुमार्गी वुमेन्स मोटिवेशनल फोरम टीम

समता छात्रवृत्ति योजना

(कक्षा 1 से 12 तक)

– साधुमार्गी परिवार के विद्यार्थियों के लिए –

कक्षा 1 से 12 तक के विद्यार्थी छात्रवृत्ति के लिए आवेदन कर सकते हैं।
छात्रवृत्ति आवेदन के लिए गत कक्षा में विद्यार्थी ने कम से कम 70 प्रतिशत अंक प्राप्त किये हो।
छात्रवृत्ति की राशि विद्यार्थी के स्कूल के खाते में प्रदान की जाएगी।

पूर्ण विवरण, पात्रता, आवेदन प्रपत्र इत्यादि महिला समिति एवं श्री संघ की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

वेबसाइट–
www.sadhumargi.com/forms/
www.sabsjmsorg/downloads/

सम्पर्क सूत्र : 7231033008

श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन महिला समिति

तीनों इकाई के राष्ट्रीय पदाधिकारीगण एवं स्थानीय अध्यक्ष/मंत्री से करबद्ध निवेदन है कि अपने क्षेत्र में समता छात्रवृत्ति की प्रभावना करें, जिससे ज्यादा से ज्यादा विद्यार्थी लाभान्वित हो सकें।

आयामों को उकेरें चित्रों में

जन-जन की आस्था के केन्द्र परम पूज्य आचार्य प्रवर 1008 श्री रामलालजी म.सा. एवं बहुश्रुत, वाचनाचार्य उपाध्याय प्रवर श्री राजेशमुनिजी म.सा. ने साधना की अनन्त गहराइयों में डुबकी लगाकर प्राणीमात्र के कल्याण के लिए लगभग प्रतिवर्ष एक नया आयाम हमें प्रदान किया है। आप द्वय महापुरुषों का अनुसरण करते हुए लाखों जैन एवं जैनेत्तर समाज ने इन आयामों को आत्मसात् कर समाज उत्थान के साथ-साथ स्वयं की कर्मनिर्जरा का प्रसंग उपस्थित किया। अब हम श्रमणोपासक के माध्यम से इन आयामों को पुनः जागृत करने के उद्देश्य से एक प्रतियोगिता का आयोजन करने जा रहे हैं, जिसमें आपको आचार्यदेव द्वारा प्रदत्त विभिन्न आयामों को अपने चित्रों के माध्यम से उकेर कर आयामों के संदेश व भाव को प्रदर्शित करना है। चित्र इतना सरल व सारगर्भित हो कि उसे देखने वाला उस आयाम के मूल भावों व संदेश को सहज ही समझ सके।

1. प्रथम तीन विजेताओं के चित्रों को श्रमणोपासक में प्रकाशित किया जाएगा।
2. प्रथम दस विजेताओं को पुरस्कृत किया जाएगा।
3. प्रथम 50 विजेताओं को प्रशस्ति पत्र (सर्टिफिकेट) प्रदान किया जाएगा।
4. आपके द्वारा बनाए गए चित्र हमें व्हाट्सएप्प नं. 9314055390 अथवा ई-मेल news@sadhumargi.com पर 15 जून 2022 से पूर्व भिजवावें। प्रतियोगिता के लिए कोई आयु सीमा नहीं है। अपनी रचनाओं के साथ अपना नाम, पता एवं मोबाइल नं. अवश्य भेजें।
5. आप चाहें जितने आयामों को चित्रों में बनाकर भेज सकते हैं, लेकिन एक से अधिक चित्र होने पर पी.डी.एफ. फॉर्मेट में एक ही फाईल में भिजवाएँ।

यह बात विशेष ध्यान में रखें कि चित्र केवल हाथों से ही बनाया गया हो और आयामों को समझाने हेतु मर्यादित चित्र ही बनाए जा सकते हैं। तीर्थंकर अथवा चारित्रात्माओं के चित्र न बनाए जाए यह बात विशेष ध्यान में रखें।

-सह सम्पादिका

रचनाकारों अथवा लेखकके विचारों से संपादक की सहमति होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र बीकानेर ही रहेगा।
प्रधान सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक गौतम चन्द जैन के लिए जैन आर्ट प्रेस, बीकानेर के लिए भण्डारी ऑफसेट, जोधपुर (राज.) में मुद्रित प्रतियाँ 25000
प्रेषक : श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन संघ
समता भवन, आचार्य श्री नानेश मार्ग, नोखा रोड, गंगाशहर, बीकानेर - 334401 (राज.), फोन नं. 0151-2270261